बचनदत्त और शादी के लिये सिफारिस की चिट्ठी !

लूथेरान कलीशा के लोहरदगा [illegible] के फैसला मोताबिक (१३ सितम्बर १९३[illegible]) [illegible] XVIII

१. लोहरदगा इलाके के अन्दर डली टका के नाम से सिर्फ पाँच खंड कपड़ा और २ खंड कपड़े के साथ ७) रु. दिया और लिया जावे जैसे पहले का नियम था वही चलेगा।

२. मतवालपन और नाच डेग नहीं चलेगा इसके लिये दोनों तरफ के घर मालिक लोग इलाके के आगे जवाबदेही होंगे।

३. डली जो लिया / दिया गया · · ५ खरना - १ बरखी - और ६॥) रुपैया -

४. दुल्हा दुल्हिन के नाम, गोत्र, गाँव, उम्र, पिता का नाम।

दुल्हा — ~~Komal~~ Habil Lakra Ambex 20 ears son of ~~Komal~~ Hanuk Lakra

दुल्हिन — Modit Khalkho 17 ears son of Dhanmasih Khalkho

५. दोनों तरफ के मालिकों की कबुलियत — १. Hanukh Lakra · २. Hanna Lakra · ३. Dhanmasih Khalkho

नियम के विरुद्ध होने पर ५०) रुपैया जरिवाना देना होगा -

हम यह सिफारिश करते हैं कि उपरोक्त शादीवाला जोड़ा और उनके घराने का

१. चाल व्यवहार · · · · प्र: या. अच्छा

२. धर्म कर्म (क) ईश्वर उपासना · · प्र: या. अच्छा

(ख) सक्रमेन्त व्यवहार · · प्र: या. अच्छा

३. कलीशा का देन (क) सिरनी धड़ा · · · प्र: या. अच्छा

(ख) मराड़ली पैसा · · · प्र: या. अच्छा

(ग) अन्या २ देन · · · प्र: या. अच्छा

प्रचारक पन पंचों की सही। १. चेयरमैन Barnabas Ekka २. सेक्रेटरी [signature] 8.5.41

महीद प्रकाश ३. खजांची [illegible]

कृपया शादी का [illegible] दे दीजिये - Revd. Laurentius Kujur [illegible]

To the Revd. S. P. G. church.

Duru

ता. 24-5-41

श्रीयुत - महामान्यवर - सेक्रेटरी - साहब - चर्च कौंसिल
छोटा नागपुर - निशान - रांची, आप - को मेरा - बहुत २
यीशुसहाय - होवे।

आगे - आप को - पु. - ही चर्च कौंसिल - को जनाता हूं
कि - इबोलर - लड़की - मरियम - का - नोटिस - आपने
दी - मास्टर - तो मंडिया टेन - हज़ारीबाग से - निकाला गया
और - उसके - पीछे - कोई - उजूर - की - बात - नहीं
मिली - तो - आप - चर्च - कौंसिल - को - और - से -
साथी - कमेटी - का - इन्साफ - मेरे पास - भेजे थे,
पर - इबोलर - लड़की - का - बाबत - बर्खास्त - हुजूर - के
... - गांव - एस - पी - जी - मिशन - में हुआ
है तो. मैं . एस. पी. जी. मिशन - हुजूर - पादरी - को पास
दरखास्त - को - लिये - रिजाइन - चिट्ठी - चर्च कौंसिल
का - भी मेरे - दस्तखत - से - रिजाइन - चिट्ठी - दे दिया
था - पर - चर्च - कौंसिल - की - चिट्ठी - पाके मेरे चिट्ठी
को - भी - ना - जैसा - समझ - के - दरखास्त - नहीं लिया
तो. दरखास्त - करने - का - ना - शामिल कोई - चिट्ठी. नहीं
देता है - तो - इस - बात - का - ख्याल है कि आपलोग हुजूर
करना - चाहिये - हाकिम - के - लिये - हुजूर - हजूरदस्तखत।
नमस्कार - भेजिये। आप - का - विश्वासी -
Revd. L. Kujur. chatta. 24-5-41.

श्रीमान बाबा पाद्री जे. जे. निगम को दीदी को
प्यार बेटा बेटी को हमों का प्यार के साथ
श्री शुभ सहाय पहुंचे आज कल भगवान की दया
से सब कोई अच्छे हैं।

बाबा आप को मालूम होगा कि हमें
आनेरा का हाकिम लकड़ा का शादी के वास्ते
श्रीमान चाचा को मिलन के ओर से हुकुम मिला
कन्या खोजा गया है लड़का लड़की समधी समधी
एक मन खुशी है डालो सम्बन्धी सब चीज कन्या
के मा बाप को दिया गया है लड़की एस-पी-जी
मिशन की है एस-पी-जी मिशन का पाद्री जी
हुए में है वह बचनबद्ध ओ शादी को निकाये
सिर्फ नहीं किया जाता है कि हम चर्च कोलि
न की बात नहीं मानेंगे — ~~[illegible]~~ इसके मालिया
~~[illegible]~~ हाकिम का शादी रोका गया। कन्या के
कहना को उसके माँ बाप भाई का कहना है
कि आप लोगों का पाद्री को बुलाकर शादी कर
दीजिये।

हाकिम के ओर से मेरा आशा है कि
जब की माँ बाप और कन्या राजी है इसलिये
रुपया का लो [illegible] से कोई पाद्री आकर
चाहे आप ही आकर शादी कर दीजिये —
जिससे इनका मन को हमों का आनन्द होजाय
अगर शादी न हो तो इनका करीब ४०)
~~[illegible]~~ पचास रुपैया का नुकसान होजाय
गा और जाने का कोई जगह मिलेगा —

प्रेम से आप का दयाल भाई
जुएल एक्का
आनेरा
२३-२-८१ -

Rev
J. J. P. Ziga Secrtary
of Church Council
Luth Mission Ranchi

1570/41/F- 2. 7th July 1.

To,

The Rev. Johan Kujur,
Ilaka Chairman,
Lohardaga P. O.
Dt. Ranchi.

Dear Rev. Kujur,

This application should have come through you. I am sending it back to you. Please return it to me with your remarks and recommendations without delay. The C. C. Executive meeting will be held on Wednesday, the 9th July, 1941. If it will not reach me in time for the 9th, I shall have to postpone it until the 23rd inst.

With hearty Yisusahay,

Yours sincerely,

Secretary.

File

1358/41/F.-2 6th. June 1

The Rev. Johan Kujur,
Ilaka Chairman, G.E.L.Church,
Lohardaga P.O.Ranchi.

The undermentioned document is forwarded to the Ilaka Chairman of the Lohardagafor information and guidance.

Secretary. 6/6

Extract from the Minutes of the Meeting of the Executive Committee of the Church Council of the G.E.L.Church held on the 4th. June , 1941.

" Item 12 (iii) of Agenda for 7.5.1941 B Congragational:
Mr. Prabhusahay Lakra aur uski man Munica Lakra :

Lohardaga Ilaka ki chithi jo 5.7.41 ko Babu Prabhusharan Lakra ke chalchalan aur uski man ke sambandh men ayi so parhi gayi. Sab baton ko bichar kar bare dukh ke sath yah Phaisla kiya gaya ki :

1) Babu Prabhusharan Lakra ko Bari Saja dii jawe.

2) Babu Prabhusharan Lakra ki man ko hukum diya jawe ki wah Kalisha ke ghar ko chhor dewe aur dusre taraf kahin jake rahe. Ilaka iske bishay karrarwai kare. "

....

B. 12. (iii) 2

To File

The Secretary G.E.L Church
Ranchi
The 5th May 1941.

मान्यवर महाशय, —

निम्नलिखित प्रस्ताव औ फैसला लोहरदगा मंडली पंच से आप के फैसला औ मंजूरी के लिये भेजे जाते है

प्रस्ताव —

(a) प्रभुशरण लकड़ा को बड़ी सजा के लिये कौंसिल को लिखा जाय

(b) मुनिका लकड़ा को हाता से निकालने के लिये ~~बंच~~ कौंसिल से इजाज़त लेना चाहिये

फैसला —

(i) बाबु प्रभुशरण B.A, 1936 ईस्वी में छोटी सजा में रखा गया है। आज तक वह मंडली भीतर नहीं हुआ है उलटे अवगुण से सुसज्जित हुआ जा रहा है और संभव है, कि वह और भी नीच गति की ओर अग्रसर हुआ है, जो इस प्रकार प्रत्यक्ष है।

उस का मद्यपान जोरों है बेहोशी हद तक। कमीज धोती उतार बिलकुल हो जाता है वार माता बेटी और बेटा के पास बेलिहाज और अशुद्ध से अशुद्ध वचन कहता है। हर हमेशा बद बेहोशी ~~की~~ में मा के मिशन डेरे में गुल घबड़ करता है। बदहोशी हालत में बन्द जनानी घरों में जा कर रात को द्वार खोलने का प्रयत्न करता है। उस की बदहोशी में कितनी ही वार अन्य लोगों ने उसे मां के मिशन डेरे में मारते पीटते भी पहुंचाये।

(ii) इसलिये लोहरदगा मंडली पंच, मंडली भाईयों और चेयरमेन के साथ फैसला करते हैं कि बाबु प्रभुशरण लकड़ा जब इतने दिनों में मंडली ग्रहण नहीं होता है वरन और भी खराब होते जाता है तो उस को मंडली से बड़ा निकाल दिया जाय और चर्च कौंसिल से इस की मंजुरी ली जाय।

(iii) बाबु प्रभुशरण लकड़ा की मा श्रीमति मुनिका मृत याकुब पण्डित की विधवा है। मृत पण्डित जी की सेवा के धन्यवाद में विधवा मुनिका को हाता में अच्छा डेरा मिला है। यह डेरा लड़का स्कूल और बोर्डिंग के निकट दक्षिण में है। बाबु प्रभुशरण लकड़ा की उपरोक्त सब कुलीनतये इसी हाता घर में होती है। धर्म घर में अधर्म कर्म, दया घर में धर्म खराडन कर्म यह सब हाता घर में प्रभुशरण बाबु से खेले जाते है। किसी का मनाना कुमाना कोई काम का नही होता है। हम लोगो के देखने में यह धर्म निन्दा हाता से तब अन्त होगी जब उसकी मां घर से निकाल दिया जाय जिस के द्वारा प्रभुशरण बाबु को हाता के भीतर आने ओ हाता भीतर गोलमाल करने का कोई जगह न रह जायगा। सो हम पंच ओ मंडली भाइ ओ चेयरमेन से फैसला करते है कि श्रीमति मुनिका लकड़ा को हाता घर से निकाल दिया जाय और इस के लिये चर्च कौंसिल अपनी मंजुरी देने की कृपा करे।

J. A. Kujur
Chairman
5.5.41.

मंडली सेवक
I. S. Kujur
Honry Secty
Lohardaga
Mandli panch.
5/5/41.

File

C.C. B-12(XI)

2

To

The Secretary,

Church Council.

Dear Sir,

I duely inform you that the family members of 4 houses of village Makunda, thana Sisai, have been converted to Christianity. Some more are expected to be converted, if teaching work be done properly.

May I solicit the favour of your kindly sending a bible women to Sikuwar Pracharakpan. Makunda is at a sidance of 2 1/2 miles from Sikwar. And in between them there is one riveer. Consequently, I think that it will be much better for her to stay with old Christians at Bargaun, which is very neer to Makunda.

It is very essencial for a bible woman to teach women, girls and the small children.

Rev. Mathias Toppo's house is at Bargaun. I believe that his son will afford one room for her or any other suitable arrangement can be made over there, I believe.

Kindly inform me soon, whether it is possible or not.

With kindest regard.

12th May, 1941

Yours faithfully.

J. Alangir(?)

Lohardaga

File

19 (e)

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G. E. L. CHURCH
IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.

Memo No. 390/41/F- 2. Dated, the 12th February, 1941.

The undermentioned document is forwarded to Babu Mangaldas Tirkey, C/O The Chairman, Lohardaga Ilaka for information and guidance.

Secretary,
G. E. L. Church.

Extract copy from the Minutes of the Full C. C. meeting held on the 1st February, 1941.

Item No. 42.

" Mangaldas Tirkey :- Is bhai ko sallah di jati hai ki wah Gharbandhu men 3 mahina tak apne stri ke bishay ishtihar dewe. Us ke 3 mahina bad tak thahre aur yadi us samay tak kuchh samachar apni stri ke taraph se na mile to us ki shadi ho sakti hai."

Notice has been issued in G. B. in March, April & May. It is reported by M. D. Tirkey that no complaint has come from his wife.

29/5/41

File

Reply has been sent through Ambera the Ilaka charge 19.6.41

30/6

प्रियवर दादा-ओ-दादी-ओ प्यार भगिनी-भगिनी-ओं हमों की ओर से दिलो दिल का प्यार के साथ यीशु सहाय।

आज कल ईश्वर की दया से सब कोई अच्छे हैं और आशा रखते हैं कि आप सब भी ईश्वर की दया से अच्छे होंगे।

आप को ख्याल दिलाते हैं कि अम्बेरा का हकल लकड़ा का शादी विषयक बात S.P.G. मिशन का बिशप साहब से क्या सलाह हुआ और आप लोग हमों को क्या सलाह देते हैं कृपा कर हमों को खबर दीजियेगा। हमों का अरजी है कि जहां तक बने जल्दी शादी करने का उपाय कीजियेगा क्योंकि इहां हकल का काम कुछ नहीं चल रहा है। आगे प्यार के साथ आप का प्यारा भाई

Joel Ekka

To
Rev. J. J. Tigga
Secerlary of G.E.L
mission Ranchi

1475/41/F.2

30. 6. 1

The Rev. J.A.Kujur, Ilaka Chairman,

G.E.L.Church Lohardaga,

Lohardaga.

Manyawar Rev. J.Kujur,

Ap ko Yisusahay. Malum howe ki ap ki do chithiyon ko jinko ap ne Mr. Panna ke pas bheja tha unko we mere pas bhej diye hain. Main ne ne apna jabab unko aj likh bheja. Main Mr. Panna ke saman hi sochta hun ki pahile Lohardaga Ilaka ki Station Committee ke sambandh men janna darkar hai ki wahan jitna ghar bhara ityadi hai so jama kiya jata hai ki nahin aur jama kiye jate hain to unse kya kiya jata hai. Yadi jama nahin kiye jate hain to kyon jama nahin kiye jate hain. Isliye kripa karke Mr. Panna ke iccha ke anusar nimn baton ka jabab bhejiye :

1. Hata men kaun 2 rahte hain ? Unka list bhejiye jo bhara men rakhe gaye hain.
2. Kya koi bina bhara rahta hai aur yadi aisa hai to kaun aur kiske ijajat se ?
3. Jo bharedar log hain unka kya kya bhara hai ? Pura list bhejiye.
4. Bhara regularly jama karte hain ki nahin ?Yadi aise log hain jo dena aswikar karte hain to unpar kya karrawai kii gayi hai? Aise logon ka nam yahan bhejiye.
5. Bite January se May mahina tak men kitna jama hona chahiye tha ~~xxxx~~ aur kitna jama huwa ? Kisne kitna nahin diya ? In 5 mahinon men kitna bakaya huwa ?
6. Station Committee kitni bar baithi ?
7. Kya Station Committee ne kabhi ghar bhara ke bishay koi ~~bish~~ bishesh karrawai kiya hai ? Kya karrarwai ?
8. Jis ghar ke girne ki hal likhte hain uske bishay pura 2 khabar dijiye ki uski maramatti kitna din se nahin huwa hai aur kyon ? Kitna kharch lagega ?Estimate banake bhejiye. Yad rahe ki yah line ghar hai aur Church Council ya Board of Management ko uske marammati ka bhar uthane men anek sawalen hain.~~Par~~ Par yadi ap log santoshjanak jabab denge to ho sakta hai ki sahayta ke riti par kuchh pawenge.

P.S. Main ne Lohardaga ke Girja ghar ke bishay kabhi kuchh suna tha ki marammati darkar hai par ab tak koi darkhast nahin mila hai. Yadi darkar hai to jaldi darkhast dena chahiye aur sath men estimate bhi bhejna chahiye. Abhi to barsat a hi gaya par taubhi yadi nihayat hi darkar hone se se darkari bat par dhyan diya jayga.

Apke Shubh Ichhuk [signature]

OC 11B

1437/41/F.-2 24th. June, 1

The undermentioned document is forwarded to to Babu Habil Lakraof Ambera, through the Ilaka Chairman, Lohardaga and the Parish Chairman, Chatti Parish for information and guidance.

Secretary,
G.E.L. Church.

Extract from the Minutes of the Full Church Counci held from the 18th. June, 1941.

" Item 3. The Anglican Bishop's reply regarding Habil Lakra :

Anglican Bishop ki chithi parhi gayi jismen Bishop saheb likhte hain ki Duru ke S.P.G.pastor se unko khabar mili hai ki Habil ki byahi stri ab tak jiti hai so jab tak yah bat sabut se na kati jay tab tak naye sadi ke ~~liye~~ liye we chithi nahin de sakte hain kyonki is prakar ki dasha men yadi we sadi ke liye chi-thi denge to S.P.G.Kalisha ke niyam aur Sarkari ain ke birudh bhi hoga.Bishop sabheb ke is bichar ko badalne ke liye darkar hai ki Habil ki stri ke mar jane ke bishay pakka praman laya jawe.

Aise halat men Church Council dekhti hai ki Habil ko kisi S.P.G . larki se sadi dene ka hukum nahin de sakti hai. Habil us S.P.G.larki ko jisse sadi karna chahta hai aisi dasha men jaisa upar bataya gaya hai sadi nahin kar sakta hai. "

File

CCB/2(X)

To

The G.E.L. Church Council
Chotanagpur and Assam
Ranchi

Through the Lohardaga Chairman
Lohardaga.

Main Gopitola ke girje samay ke Hinduon ke 6.4.41 Etwar roj Mahabir Jhanda ke bare Julus o sor gul machate hue girje ghar ko par karne babat 9-4-41 ko wahan jakar puchh pach o janch karne se sach hi paya. So ap se meri arji hai ki ap iske babat S.P. ko wa D.C. arji kariye ki age ko aisa golmal girje ke pas wa girje ka samay hone na pawe, awr yadi banta hai to Gharbandhu men bhi is golmal ko prakash kar dijiye

Ap ka bishwast
N. Khalkho

Kuru }
12.4.41 }.

[illegible]

file

[illegible]

सही:-वेलहेम-मिंज

सही छट्टु टोप्पो चटकपूर

सही ख्रभुस नासला गोपीटोला

सही नादयूस मिंज गोपीटोली

सही तोमास्स तीगा - गोपीटोला

सही अलफ्रायु -नावल गोपीटोली

सम्ही जुडुल टोप्पी

सुकमार

B. 8 ~~ F. 2

To ~~The~~ file

The Secretary
Lutheran Church.

Dear Sir,

Would you be so good as to send Mahasabha minute. Copy of 1941.

Can you give me the adjact ~~of~~ date of arrival of Revd. J. Lakra. Also, I let you know that I shall leave ~~the~~ Ilaka for two days. kindly grant me leave for the same.

yours. faithfully.

J. Ekka(?)

30. 4. 41.

FROM. THE REV. ~~N. SOY.~~ B Minz
Secretary ~~TREASURER~~
Lohardaga Ilaka

G. E. L. CHURCH,
~~RANCHI~~ Lohardaga.
(B. N. R.)

22. 4. 1941.

F. 2

To The Secy.
G. E. L. Church Ranchi.

Dear Sir,

The following resolutions of the Lohardaga Ilaka are forwarded to you! —

" I पादरियों का Provident Fund और प्रचारकों का Bonus.

कर्मचारी और इलाका पंचायत मंजूर करते हैं कि इलाका पंच प्रति रुपैया आधा आना देवे पादरियों के Provident Fund में और फैसला करते हैं कि जो रकम प्रतिमास इस फंड के लिये ~~दिया~~ दि॰ लगेगा उतना ही रकम प्रचारकों के Bonus फंड में इलाका पंच मददारी देवे।"

" II विधवा खजाना:—

(क) विधवा खजाने में चन्दा देने वाले (पुराने) कर्मचारियों की विधवाएं इस इलाके में नहीं हैं।

(ख) विधवा खजाना जारी किया जावे।"

" IV धर्म मेला:—

इस साल ये धर्म मेलाएं होंगे! —

(१) २४ अप्रैल सिसई बाजार में। डेरा सिसांग में रहेगा।

(२) १३ मई किसको बाजार में। डेरा नोनी में।

(३) ७ जून चट्टी में बाजार में। डेरा चट्टी में।

If leaders from Ranchi can find time, they are desired whole heartedly at these places.

Yours sincerely B Minz. Secy. Lod. Ilaka.

Fibe

FROM.
THE REV. N. SOY,
TREASURER

G. E. L. CHURCH,
RANCHI
(B. N. R.)

Rev. J. T. P. Tiga

15/5/41

My dear Tiga.

I address this in your personal capacity. If necessary kindly translate it into your official capacity.

On 7.6.41 there will be Dharm mela at Chatti market. I trust you are well aware of it through my letter dated 22.4.41. in which I have mentioned dates for the three Dharm Melas being held in this Ilaka this year.

The Ilaka is counting on Rev. Lakra's presence ~~=~~ that afternoon and You, Messrs Mahendra Kheso and Naeman Toppo are most cordially invited to accompany Lakra.

Please arrive between 11 - 12 am noon

FROM.
THE REV. N. SOY.
TREASURER

G. E. L. CHURCH.
RANCHI
(B. N. R.)

(a) There will be welcome to Lakra
(b) A little tea will follow
(c) Then Dharm Mela procession will start.

We expect you will have had your breakfast at Ranchi before leaving for Chatti.

I understand you will be asked to partake of dinner in the night.

Love and Yisu[illegible] to you all
Yours si[ncerely]
B[illegible].

Secy. Johandegg
Nake

Some have expressed their desire that some or all of you who come from Ranchi should stay at Chatti on Sunday this also in. I write this by way of information.
BM.

Kurus Parish
Jan 21. 41.

1238/41/F.-2 17. 5. 1

Revd. B. Minz B.A; L.Th.
Secretary, Lohardaga Ilaka.

My dear Mr. Minz,

Thanks for your very kind invitation to Chatti Dharm-mela. I came to know that Messrs Lakra, N.T., and M.Khess have also been invited and have been written to individually. We were all together in the exening and everybody expressed his hearty wish to go to Chatti. Even Mrs.Lakra desires to go. This is all that I can write to you now about others. I am myself to go to Jharsuguda on the 9th. On the 21st. I am going to Jashpur. After the Jashpur visit I have to go to Govindpur before In go to Jhassuguda. The very first time I got your Programme you very kindly sent me I noticed the dates of the varhous Dharm-melas and found that they were all very unsuitable to me but I did not write to you anything. However I do hope that some of us will go there. On the same date (7th Mr. Lakra has to take charge of the Seminary. All these are on the way. But I belive Mr. and Mrs. Lakra will go and also Messrs. N.T.&M.Kh. I understand they are going to write to you. With very hearty Yisusahay.

Yours Sincerely,
J. Toppo

F. 2 92

Cl^a/

Kuru Parish

Jan. 21. 41.

To.

The Church Council

Ranchi

Mahamanyawar Church Council,

ko yishu Sahay.

memo No. 176, Dt- 23-1-41.

Forwarded to the Haka Chairman Koban Daga for his opinion. J. N. Lega 23/1

Ap ko malum howe ki Kuru Parish ke Padri ka ghar jo ap ki or se diya gaya hai so bahut chhota hone ke karan Parish me bichar kiya gaya ki usi ghar ke uttar alang par kothriyon ka barhaya jana bahut hi jarurat hain.

Kuru Parish meeting 20. Oct 40 Singpur me yah thahraya gaya ki samuche Prish me har ek ghar se do do ana chanda liya jay, aur abhi kai ek parcharak ~~gaong~~ pano se thora thori Chanda pahuch hi ja raha hai aur kam aramth ho ke lagatar Chal raha hai par kothriyan adhik aur kuch besi Chawra yani prayo 6½ hath hone ke Karan Kharch amdani se jeyade lagne mangta hai es liye ap be ati din aur asra purbak arji hai ki hata ke andar purb alang par ek tund ka gach hai us ko Katne ka hukum jitna jaldi ho sake Kiripa Kar pharmaiye. Jis ko Katuwa Kar Kitne dal Karh ke Kam me aur nichla dhar darwaji aur Khirkiyon

Ke Kam me laya ja sakega tab andaj hai ki padri ghar bilkul taiyar ho jayega.

Jis kripa aur bhlai ke karan ham log aap ka bahut dhnyabadi honge.

Ap ke bishwasi,

Kuru Parish Chairman
Nathaniel Khalkho,
Kuru 20. 1. 1941.

Kuru Paracharak pan chairman
Barnabas Khalkha
20-1-1941

Secretary

H Toppo
Secretary, Kuru Pracharak Pan

The tree mentioned above may be cut for the purpose.
U. E. Kujur
29. 1. 1941

File F-2

महामन्यवर प्रेसिडेन्ट साहब,

आप को हम पलामू के लुथेरान ख्रीष्टयान भाई बहनों की ओर यीशु सहाय।

आप को मालूम होवे कि हम पलामू के ख्रीष्टयान भाई वो बहन बिलकुल छोड़ी हुई दशा में हैं। हमें धर्म्म की प्यास है, भूख है पर तृप्ती के लिए कहीं से कोई उपाय नहीं है। बार बार हम अपनी दशा को जनाते ही रहते हैं, पर कोई हमारी बातों को ध्यान में नहीं लाते। इस लिए सविनय प्रार्थना है कि पलामू (खास डाल्टनगंज) के भाईयों के विषय भी इसी सभा में कोई निश्चित बात ठहराई जावे।

आप ~~लोगों~~ के अभिलाषित
भाई वो बहन,
पलामू के ख्रीष्टयान भाई बहन।
K. E. Lakra.
3-3-41

F. 2 — 19

To,

The Secretary,
G. E. L. Church Council,
Ranchi.

महाशय,

आप को याद दिलाना चाहते हैं कि हमारे लोहरदगा इलाका में टोडो मिशन फिल्ड है। लेकिन अभी मिशन फण्ड न होने के कारण ढीला पड़ गया है। हाल में इलाका पंचान ने इस बात पर जोर दिया है कि इस फिल्ड को हम ही लोग चलावेंगे और एक प्रचारक भी वहां के लिये बहाल किया है कि वह अपना सारा बल, बुद्धि और समय इस काम में लगावें। इसलिये उसको महवारी १०) रूपैया देने के लिये मोकर्रर किया है। महवारी अपने ~~अपने~~ सेन्ट्रालिजेसन से ६) रूपैया देने की बात हुई है पर और ४) रूपैया के लिये अपने इलाका के भीतर और खास २ लोगों से भी चन्दा बटोरा जा रहा है।

इस लिये लोहरदगा इलाका पंचान हजूर से अर्ज करते हैं कि चर्च कौन्सिल का खास सहायता आशा कर उमीदवार है कि कौन्सिल शक्ति भर ग्रान्ट देकर इस फिल्ड को चलाने में इलाका को सहायता करे।

आप के आज्ञाकारी दास

U. E. Kujur 29.1.41
Ilaka Chairman.

[signature]
Ilaka Secretary

Imanuel Khalkho
Ilaka Treasurer
29.1.41

N. Khalkho
Kuru Parish-Chairman
29.1.41.

I. D. Lakra 29/1/41. I. Member.

Barnabas Khalkha 29-1-41 I. Member.

L. Kujur
Chatti Parish
Chairman
29-1-41

To

The Secretary,
Lutheran Church.

Mahasay,

Ap ko mera yisusahay,
Ap ko malum howe ki main 19th March, ko family ke Sath men Lohardaga pahuncha.

Kripa karke, ab se leke mera Gharbandhu Lohardaga bhejiyega.

Ap dhyan kijiyega ki Lohardaga ka Parish Subhidanushar nahin banaya gaya hai, Samayanushar iske bishay C.C. ko bichar karna karega —

Ham log in dinon men achhe hain.

Lohardaga.
the 24th March, 41.

Ap ka bishwasi —
J. Akujur

No. 739/41/F. 2. 22-3-

The undermentioned document is forwarded to the Rev Nathaniel Khalkho C/o The Rev. J Kujur, Lohardaga Ilaka Chairman for information, guidance and compliance.

J. O. Tiga

Extract from the Minutes of the meeting of the CC Executive held 12.3.1941

Item 20

"Palamau Christians:

Khabar milta hai ki un Lutheran bhai bahinon ke liye jo Palamau men hain, khas kar Daltonganj bashiyon ke liye Purohitiye sewakai ka koi bishesh prabandh nahin hai.

Phaisla huwa ki Kuru ke Padri se arji ki jay ki Daltonganj ke bhai bahinon ki sudhi lewen. Sunte hain ki Daltonganj wale Padri ke ane jane ka kharch dene ko taiyar hain. So wah unke pas programme thahrakar jawe."

496/41/F- 2. 25th Feb. 1.

The undermentioned document is forwarded to the Rev. N. Khalkho, Kuru C/O the Ilaka Chairman Lohardaga for information and guidance.

Secretary,
G. E. L. Church.

Extract copy from the Minutes of the C. C. Executive Commtt. (contd.) held on the 13th February, 1941.

Item No. 22.

" Kuru Parish request for a tree :-

The request is made in order to extend the pastor's quarters which is very small at present.

The request was granted if the Board of Properties had no objection."

493/41/F- 2. 25th Feb. 1.

The undermentioned document is forwarded to the Rev. B. Minz for information and guidance.

Secretary,
G. E. L. Church.

Extract copy from the Minutes of the C. C. Executive Committ. (contd.) held on the 13th February, 1941.

Item No. 19.

" Request from Lohardaga Ilaka for Tori :-

After careful consideration it was,

Resolved that a grant of Rs. 3/- p. m. for February, March, April and May 1941 be given towards the salary of the Pracharak at Tori. At the end of May the Parish pastor should send a report through the Ilaka Chairman regarding the work of the Pracharak and the financial position."

ता० ९-२-१९४१-ई०

श्री पुजिक महाम न्यावर पद्री बाबु जोलो तोमी ग्रान्त को मेरा बहुत २ पीसु सलाम बिदि। आगे बात मेरा गांव गांव करांजो जरादेली थाना बेड़ो बोली रांची बाप का नाम पौलुस तिर्की- का मां- सुसना तिर्की का बेटा मगलदास तिर्की का रांची हिन्दपीड़ी- का- पतरस तिर्की का बेटी मुनका तिर्की का बेटा करोलीना तिर्की से मेरा सादी- हुआ- था- पर- मंगल-दास १० बरस हो गया हमारे घर से निकाल-के- चला गया- सो मैं — २ दो- टो- दरखास्त- भी- चर्च कौंसिल- में- दिया- तो- उस में- आप लोगो ....सा ली- किया। घर बन्धु में नोटीस- लिखना- होगा- बोली था- का- चार ४- रुपैया फिरोस लागे गा

इस लिये बोला इस लिये
मैं भेजदेता हूँ -सो आप
ही इस नोटिस-का-मतलब
ठिक से बनाना-कहे-को मैं
ठिक से-लिखने-नहीं जानते हैं
कहे-को तीन महिना के
बाद मेरा सादी होना चाहिये
लें: आप लिगों-का-किरया
मिलसो मंगलदास तिर्को
कारंजो जराटोली थानाबेडो
पो. ओ. बेडो जीला राची
गुल-को सुधार-के पढ़ना

इस-चिठी-को-पा-के-हाल-एम.ओ.को. भेजनी

POST CARD

ADDRESS ONLY

INDIA POSTAGE

9 PS NINE PIES 9 PS

BUY DEFENCE SAVINGS CERTIFICATES

DELIVERED

11 - A.M.

RANCHI

To The Babu jilateg
Tiga hadri G.E.L.f
Missan Ranchi
P.O. Ranchi Di Ranchi

Mangal das Tirkey

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G. E. L. CHURCH
IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.

Memo No. 392/41/F- 2. Dated, the 12th February, 1941.

The undermentioned document is forwarded to Babu Habil Lakra C/O the Ilaka Chairman, Lohardaga for information and guidance.

Secretary,
G. E. L. Church.

Extract copy from the Minutes of the Full C. C. meeting held on the 1st February, 1941.

Item No. 45.

" Habil Lakra :- Is bhai ko sallah dii jati hai ki wah Gharbandhu men 3 mahina tak apne stri ke bishay ishtihar dewe. Us ke 3 mahina bad tak thahre aur yadi us samay tak kuchh samachar apni stri ke taraph se na mile to us ki shadi ho sakti hai."

---

2 C.C. Rite 18/2 Amber 27.12.40 22

प्यारे - चाचा - जी दीदी - और भोला - भाभी -
को हमों की - ओर से दिनो दिन का - प्यार के साथ -
याँ शुभ सहाय - आज कल - यहाँ मेरा - मोमनला - लड़का -
को - गुरवार - आता है बाकी - सब - अच्छे हैं - आगे आप
सभी का - हाल - मालूम - नहीं है पर आशा करते हैं
कि - आप - सब भी - अच्छे होंगे।

मैं - यहाँ का - एक - पारवत्त - C.C.
भेजे हैं - उनके बारे में Rev. 26 August - के -
लोहर पत्र - से यह खबर ने जाना कि - हाकिम -
को - शादी करने की पड़ती - पालबन्धु ने लिखा -
लिखना - चाहिये - पाढ़ी - पंजाबीय - P.O.P. Dugu के
पास - नं० 6) चार रुपैया - पालबन्धु ने लिखा - आदि
की - किराये भेजीए - करने, शादी करने का हुकुम
दिया - जायगा - हुकुम - लड़का को - 22 Dec
को आप के पास - भेजा - था पर आप मालूम - गये
थे - ।

हम सब ही - पंच - का कहना है कि - इनका
लड़का - हुकुम हाकिम - लड़का - का शादी - करने का रिश्ता
जल्दी - खोल - दीजिये क्योंकि बहुत - दुःख उठा -
रहे हैं। यदि - शादी इनका न - होगा - तो - वंश का
उखाड़ जायगा - और - पालना - पोषना - पीछे कठिन है।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] मे [illegible] हैं
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] का [illegible]
जाया – दुनिया – मे – केवल – १५ दिन – होते हैं ।
दुनिया – [illegible] –

[illegible] का – [illegible] – [illegible] और [illegible] –
बेटे की – बेटी – [illegible] –

कुत्ता – का – [illegible] – लकड़ा । और [illegible] – लकड़ा ।
का – बेटा – [illegible] – लकड़ा – [illegible]

[illegible] का के [illegible] – [illegible] नाम कीजिए –
[illegible] का – आज्ञाकारी
नाई ।

Joel Ekbeg Ambegh

श्रीमान आबेरा प्रचारक पन के मालिक बाबू बनोबास एक्का ओ अब पदों
को सुमद हनुक लकड़ा आबेरा का बहुतर श्रीयु सहाय आगे मेरा अर्ज विंदन
यह है, कि मैं अपना बेटा दुबिल लकड़ा को मंदनपुर के फागु फानुएल
बेक का बेटी ~~ओ~~ दया मनी बेक से शादी कर दिया था। पीछे अपना जाना
ससिराल में आना जाना छोड़ दिई, स्त्री पुरुष से अलग होके
अपने नहियार में एक बर्ष तक थी, इसके बाद गांव ही में व्याबिचार के काम
में गिर गई, तौभी मैं लाने के वास्ते कोशिश किया ओ प्रचारक के साथ
हम दोनो लाने के वास्ते, गये ओ प्रचारक एक दो बात समझाने के वास्ते
मेरा समधी के घर गया। उस समय यही बात को निकाल के
कहने लगे कि आप बेटी बेटी को ससिराल आना जाना को रोकटोक
करते हैं। तब मेरा समधी जबाब दिया कि मेरा बेटी तुम्हारा घर
को नोन रोटी चलाने के वास्ते जायगी, तब प्रचारक बाबू बोला, कि ऐसा
जवान जुवान लड़की को तुम्हारा रोकटोक करना बेठिक है। तब फागु
फानुएल ने जबाब दिया मेरा बेटी नहीं जायगी और हम नहीं
भेजेंगे, और लड़की से भी जबाब मिला कि हम तुम्हारे घर में कमाने खाने
नहीं सकेगी ओ नहीं जायगी। तब उसका बाप फिर भी पीछा होके
बोला हम नहीं भेजेंगे, और नहीं जायगी, भागो तुम यहां से नहीं तो लात मारेंगे
और ठीक कर देंगे तब हम निराश हो के प्रचारक को छोड़ के अपना घर
लौट आये। ऐसा ही हालत में ~~छोड़ दिये~~। तीन बर्ष नहियार ही में थी
बाद में एक संसारक लड़का के साथ भुटान चली गई ओ वहां दो बर्ष
तक थी। इसके पीछे फिर घर आई और घर में ~~छेक~~ एक बर्ष थी, तब मैं
फिर लाने के लिये गया तब फिर भी वही धमकी देखाया तब मैं निराश
होके लौट आये, इसके पीछे लड़की को अपना मां बाप खलारी भेज
दिये। तब लड़की चली ~~भया~~ गई और वहां रहने लगी वहां रहते रहते
मद्रासी संसार मिस्त्रीयों के साथ व्याबिचार के काम करने लगी और
वहां एक एस पीजी मिशन का लड़का से स्त्री पुरुष के ऐसा एक ही
कोठरी में रहने लगे ओ एक ही खटिया में सोने लगे और खाना
पीना एक ही घर के ऐसा खाते थे। तब मैं ऐसा सुन कर
के लाने के वास्ते गया और उस हम उसको कई लोग
लड़कों से पूछा तब उन लोग बताये कि वे दोनों दूसरा
जगह में हैं। तब हम उन को खोजा और मुलाकात करने
चाहा।

लेकिन हमसे मुलाकात भी किई नहीं किई औ हम हाथ मिलाने चाहा
लेकिन हाथ भी नहीं मिलाई और आंख से भी देखने नहीं चाही वह
दो बर्ष तक थी। इसके बाद घर लौट आई, उसी समय मदनपुर में पंच
कर के पंच भाई औ प्रचारक और परिश पादरी वहां जाके मदनपुर में
पंच किये उस समय लाठी ठेंगा जाली मुकदमा होने लगा उस समय हम
सब पंचों के साथ औ पादरी प्रचारक के साथ रातो रात अंधेरा औ अपने
अपने घर चले गये। अभी तो एक लड़का के साथ भुटान चली गई उसकी
चिट्ठी न कोई खबर नहीं आता है। एक दम न पता, तीन बर्ष हो गया।
और आठ बर्ष जहां तहां जिसके तिसके साथ थी
मेरा घर में यही अकेला सोना समान मेरा बेटा है। हम लोग बूढ़ा बुढ़ी
हो गया, रसोइ पकाना, कूटना, छांटना, घास निकलाना, कुछ भी नहीं
चलता है। मुझे शान्ती नहीं, कि मैं धारीन रख के चलाऊं अगर मैं
मेरा बेटा को शादी न करदें तो मेरा बंश उखाड़ा जायगा और एक
दम लाचार बन जाऊंगा मैं गरीब दास कि की अर्जी है कि
श्रीमान प्रचारक पन के चेयार मैन औ मेम्बरान औ भाई लोग उचित
बिचार कर मेरे लड़के हबिल लकड़ा को दूसरी शादी करने औ
कन्या खोजने का इजाजत देवें जिस्से मेरा आत्मिक और लौकिक
काम की उन्नति होवे। कन्या का पिता जी कन्या खोजन के लिये
अनुमती दिया है। मैं गरीब दास श्रीमान प्रचारक पन के सभा पती
औ पंचों, औ भाईयों के पास यह दरखास्त पत्र अरपरता कर
यह आशा करता हूं। मेरा लड़का को शादी करने, औ कन्या
खोजने का हुकुम दिया जाय। जिस्से मैं सदा के लिये मैं
आप सभों का धन्यबाद देता रहूं।

आप लोगों का आज्ञा कारी

8 years
6
16

ता: 23/10/80

[signature] लकड़ा प्रचारक

[illegible]
[illegible]

J. Ekka Secretary
Pracharak pan
meeting Amberi
18-10-40

Forwarded
to the Paris meeting
J. Ekka
18-10-40

Yakub Bara

Christopher Kujur

Manmasih Bara

Abiram Tirkey

Mikhael Kujur

Ishak Toppo

Kamal Lakra

Boaz Bara

Premoday Bek

Barnabas Ekka

Masih Charan Bek

Johan Bek

Pr. Dan Lakra

Pr. Chand Kujur

[illegible]
[illegible]

Forwarded to the paris

Chatti

पेरिस - पंचायती - मैं सलाह - इक्का - भाषा - बेरा को - ... पर - ...

... - ... - ... - ... - ... हैं।

J. Ekka secretary
Paris sabha -
29-10-40

Yakub Barla

Forwarded to the Church Council for information and necessary action.
13.11.41

Abiram Tirkey

Christogrih Kujur

Dilbak Toppo

Michael Kujur

Manmasih Barla

Premoday Bek

Boas Barla

Masihcharan Bek

Pr. Chand Kujur

Johan Bek

Pr. Dan Lakra

Komal Lakara
Ambeda

Revd. Laurentius Kujur
Chairman Chatti parish

Gossner Mung Chatti
Masih Prakash Barai Bharno
Yunas Toppo Charma
Barnabas Ekka

Forwarded to the Ilaka Lohardaga 29/10/40

Forwarded to the Church Council for favourable consideration and information

H. E. Kujur
Elaka Chairman
13. 11. 40

B Minz
Elaka Secy.
Lohardaga
13/11/40

No. 87

X2

To

The Head Supervisor
G.E.L. Church
Ranchi.

[illegible]

Memo No. 1608
of 4-11-40

Lohardaga
1.11.1940.

Dear Sir,

At the meeting of "Headmasters Conference" in October last, in your office, you asked me to write again about our personal tax to the municipality.

For this town, as for certain other towns, this tax has been legalised by the government. For example, our veterinary asst. surgen. Dr. Mohan Khess, and our School sub-Inspector Baleshwar Prasad Babu, for this very reason have been trying to live outside the municipality. As far as we know, there is no room for us who live in the church compound to escape this tax. Therefore we pray that in consideration of this tax, we teachers and mistresses of Lohardaga mission compound, be exempted the house rent cut from the Church side.

Yours sincerely
B. Mein Headmaster
Luth. M. E. School, Lohardaga.

The teachers of the Lohardaga M. E. may be excused to pay 5% mandli paisa contribution as they have to pay the personal tax to the Lohardaga Municipality or the C.C. pay to them equivalent to the amount of municipal personal tax in case they are to pay 5% mandli paisa. The Municipality will never excuse them to pay their personal tax because every one in the Lohardaga town is compelled to pay it.

[illegible]
H. Supr.

C (AA) 2

Immanuel Kujur:

Chatti men nahin
rah sakta hai. Wahan
abhi ulat pulat karna
darkar nahin hai. Kheti
bari, patni ki bimari,
in karanon se kam
men badha honge.

C 3 (h) Fcc

Dumbro
2nd Sept 1940

मान्यवर महोदय प्रेसिडेंट साहब Rev. J. Stoch

आप को हम सपरिवार का यीशुसहाय।

हम सब के सब बुखार से पकड़े गये थे पर चंगे हुए हैं, मेरी पत्नी तो बिमारिया जन है इस बरस जून महीने से बिस्तरे पर पड़ी है १९३३ से उस की सेवा करते आता हूं सिरिफ प्रार्थना औ ईश्वर भरोसा मेरी शांति है। पाद्री लौरेनसिउस दो बार दुखिया को देखने आये हैं।

आप देश और जाति के दुख से लदे हुए हैं तौभी आशा है कि ईश्वर पिता आप को भला चंगा रखा है और अपने राज्य के काम को करने के लिये सामर्थ देता है।

मैं इतने महीने छुट्टी में था मेरा मन बराबर काम करने के लिये तड़पता रहता है, पाद्री लौरेनसिउस की सहायता एक बेर दृढ़िकरण देने औ प्रभुभोज बांटने में सहायता दे सका।

मैं १ ली अक्टोबर १९४० से काम में लग जाना चाहता हूं

पत्नी के बिमारी के कारण मैं दूर जगह में काम करने नहीं सकूंगा इस लिये यही पेरिश का काम मुझे सौंपिये बल चलते तक काम करता रहूंगा लड़के भी नबालिग हैं उन को गांव में छोड़ना नहीं बनेगा

यदि यही पेरिश का काम देने में कोई आपत्ति है तो मेहरबानी से रिटायर्ड अवस्था में रखने की अनुग्रह कीजिये।

इस आस पास में पानी अच्छा है खेती भी अच्छा मालूम होता है और यदि वर्षा पूरा होगा पूरी लौनी भी होगी।

कृपा करके माफ कीजिये बिमारिया का सेवा करनी है इसलिये पाद्री शिक्षा क्लास में हाजिर होने नहीं सकूंगा।

आप का आज्ञाकारी सेवक.

पाद्री इम्मानुएल कुजूर.

2

महामान्यवर पाद्री बाबू जे॰ जे॰ पी॰ तीगा
तथा पाद्री साहेब जे॰ स्लोया
लूथेरान कम्पाऊराड राँची

मान्यवर महोदय!

आप दोनों श्रीमानों को भैंसमुन्दो मराडली के भाई बहनों की ओर से बहुत २ यीशुसहाय। महान् ईश्वरेच्छा से हमारी सब कुशलता है। आगे निहायत हर्ष की विषय विदित कराना है कि ता॰ १४-५-४० दिन मंगलवार को दिन १२बजे से मौजा भंडरा के बाजार टांड़ में बड़े समरोह के साथ धर्म्म मेला लगाया जायगा जिसमें समूचे लोहरदगा के भाई बहनों के सिवा अन्य जगहों के भाई बहनों की जुटाव है इसके अलावे सुनने हारे संसार भाई बहनों की संख्या भी कई हजार होने की पूर्ण आशा है। अतएव आप दोनों सज्जनों को निवेदन पूर्वक सप्रेम न्योता दी जाती है कि उक्त तिथि को १२बजे से प्रभु के कामों के मदद करने में विशेष अनुग्रह दर्शावें। यदि साथ में किसी प्रकार की बाजा भी आवे तो और भी उत्तम बात होती। यीशुसहाय ॥ प्रेमसे।

भैंसमुन्दो
ता॰ २२-४-४०

आपलोगों के कृपाभिलाषी भाईगण
Nirmal Kujur
Anand Masih Kujur
Dharmdas Minj
Abraham Lakra
जुस्तुस मिंज
[illegible]
Manmasih Lakra

P. S.
जिस विषय पर आप उपदेश देंगे उसकी जानकारी देने की बड़ी कृपा होगी क्योंकि उसी के सम्बन्ध में गीत तैयार करना है। Kujur

100/41/F- 2. 14th Jan 1.

To,

Babu Mangaldas Tirkey,
Karanji Jaratoli.
P. O. Bero.
Dist. Ranchi.

Babu Mangaldas ko yisusahay.

Ap ka darkhast aj mila. Ap ki biwahit stri kis ke pas rakhni huwi hai ? Us ka nam jante hain ki nahin ? Kaun is bat ki gawahi deta hai ki wah us ki rakhni huwi hai ? Gowahon ko likhwaiye aur sahi kara kar bhejiye ki we khud jante hain ki wah us ke pas rakhni huwi.

Jo chithi wah ap ke pas likhi hai us ko bhi bhej dijiye. Mere pas ap ka jabab 20 tarikh ke pahile pahunchna chahiye.

Ap ka bishwast,

Secretary.

The Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.
[Mission Estd. 1845—Autonomous 1919]

Officers and members of the Executive,
1. *President :* Rev. J. Stosch,
2. *Actg. Treasurer* : Mr. N. Soy,
3. *Secretary* : Mr. F. N. Topono,
4. Rev. J. J. P. Tiga,
5. Mr. A. L. Tirkey,

Other members of the Church Council.
6. Rev. W. Radsick,
7. ,, L. Jojowar.
8. ,, S. Kula,
9. ,, S. Bage,
10. Mr. Th. Surin,
11. ,, C. D. Ekka,
12. ,, P. Soy.
13. ,, D. Tirkey,

Incorporated under Section 21 of Societies Registration Act of 1860 on July 30, 1921.

G. E. L. COMPOUND. RANCHI. (BIHAR) INDIA.

No.................. Dated the..........................194 .

238/39/F- 2 13th Apr 39.

To,

The Rev. U. Kujur,
Lohardaga.

Manyawar Padri Babu ko yishusahay.

Ap ne Mangal Das Tirkey ka darkhast jo shadi bishayak tha C. C. men pesh kiya. Us ke sambandh men C. C. ka phaisla jo 24th March, 1939 ki baithki men huwi so is prakar hai :-

" 19. Mangal Das Tirkey ka darkhast :- Bhai ko likha jawe ki wah stri ko tyag patr dewe."

Ap kripa kar is phaisle ko Chatti Parish ke Padri Immanuel Lakra ko janaiye jiste ki wah bhai Mangal Das ko janawen. Kharcha jyada nahin lagega, kewal Court Fee dena parega.

Ap ka bishwast,

Sd/- N. Topno.
Secretary.

Memo No. 2206. Dated, the 11th December, 1940.

Copy sent to Babu Mangaldas Tirkey for information.

J J Tigâ 11/12
Secretary.

Report 2
To Secy

चहौ
२३-११-३६

मान्यवर महाशय,

आप को मेरा यीशु सहाय।

आगे आप की चिट्ठी मोवर्रिखा २२-११-३६ के,
कि जवान, युवतियों के काम के सम्बन्ध में - अब तक बहुत थोड़ा किया गया है - अर्थात L 6 के सम्बन्ध में मेरे ६ प्रचारक वनों में से केवल २ प्रचारक वन है जिसमें बिन्ती, प्रार्थना सभा और गिर्जा चलाने के लिये प्रचारक को छोड़ दूसरे नहीं मिलते हैं - बाकी सब में सहायक और [illegible] लोग हैं - जो समय समय में गिर्जा और मण्डली में जो काम होता है करते हैं - उनके लिये कोई विशेष तैयारी तो नहीं किया गया पर वे करने से आप ही से करते हैं - परन्तु उनके लिये बराबर इतना ही करना पड़ता है कि उनके काम में का उनको उत्साह देना - मैंने अब तक केवल इतना ही किया -

आगे बहिनों के सम्बन्ध में, बहिन लोग बहुत अनपढ़ हैं और वे नहीं करने सकते हैं - ऐसी कर्मचारिणी के लिये कोई ऐसा मौका व समय नहीं मिलता है जिसमें वह कुछ करने सके, क्योंकि बहुत दूर दूर से गिर्जा आती हैं और गिर्जा से निकलते ही अपने घर को चलते हैं और सांझ को अपना घर पहुंचते हैं इसलिये वे ठहर भी नहीं सकते और यहां कोई काम भी नहीं होने सका है -।

आगे मण्डली कर्मचारियों और पंचों के काम और ब्यवहार का ब्योरा :- यह तो पहिले ही सवाल ब सवाल जवाब देके भेज दिया गया है -।।

आप का विश्वस्त
पादरी इम्मानुएल लकड़ा
चहौ.

6 . 2

Velwatoint
१३-८-३६

श्रि युकत सेक्रेटरि बाबु चर्च कौनसिल रांचि को
सलाम।

आपको मालुम हो कि चिट्ठी नाम्बर ५८८
२ अगुस्त १९३६ का मिला।
हाल मालुम हुआ कि समसेरा मिशन खेत का
अदबटाई हमारे पेनशन से वासुल करने को
उपाइ करेंगें।
बात ऐसा है आप में अदबटाई परचा हमारे नाम
से किया गया है सो सही है।
हमारे बदली होने से उरबानुस पाद्री चेयर मेन हुवे
उन्होंने परचा तोड़कर सैयका बन्दोबास्त कर
समसेरा का जमीन तीन जन को दिया हम को
चप्पा पतरस और लिटु योहन यह बन्दोबास्त
कुछ समय तक था।
बाद फिर नथानिएल सानो पाद्री के समय अदबटाई में
जोत चास पंचों के देखभाल में अदबटाई चलने
लगा।

3

इसी समय पंच लोग हमारा अधिकार है बोल
कर लुकस और लिटु योहन, ललो के बेटा सब
~~[illegible]~~ को लगा दिया।
और आज तक ऐसा हो जोत-चास चलता है
हमारा जोत छिन लिया गया।
जब से हमरा जोत सैयका को बदबटाई रहा
वासुल है कुछ बाकी हमारे जिमे नहीं है।

आगे हुकुम

आप का विश्वास्त
M. Toppo

G. E. L. Church,
Kurse P.O.,
7th Sept. '39.

Manjawar Secy. Saheb ko Yishusahay.

Ap ko malum howe ki,

Padri Maunasih Toppo ka yah bolna ki "Nap men adhbatai parcha hamare nam se kiya gaya hai so sahi hai. Hamare badli hone se Urbanus Padri Chairman bane. Unhon se parcha tor kar Saika bandobast kar Samsera ka jamin 3 jan ko diya, hamko, Chappa Patras aur Lutu Johan. Yah bandobast kuchh samay tak tha" thik hai.

Par jahan tak hamko malum hai aur anubhaw karte hain ki 1933 Sohri ke pahile bahut samay tak Padri Dharmprakash Minj ke jimme men Samsera ka khet tha. Us samay we Saika chahe Adhbatai Samsera ke kheton ka lete rahe aur uska jawab we achchhi tarah se de sakenge. Jab main Chatti aya tab main Chappa Patras, Lutu Johan aur Maunasih Padri ke bete Mikhka Toppo se pahile barsh ka adhbatai paya. Dusre aur tisre barsh men kewal Chappa Patras ke bete Lucas aur Lutu Johan se adhbatai paya. Aur jab main Mikhka Toppo se manga tab usne jawab diya ki ham ab khet nahin jotte hain par dusre ko arthat Lalo ko de diya hai. To hamne use kaha ki bina anumati liye kyon dusre ko haq de diya, yah ap thik kam nahin kiye. Jab Lalo ke bete se mangne gaye tab we nana tarah ka bahana karke adhbatai nahin diye.

P.T.O.

Gaonwale aur Dharm Pracharak Masihprakash Bara kahte hain ki jab se Revisional Settlement hua hai tab se kuchh radd badal nahin hua hai. Jin ke nam se parcha hua hai we hi jot kor karte hain. Kewal Mannmasih Padri apne se chhor diya hai.

Yah bat sach hai.

Apka bishwasi,

Rev. N. Khalkho

7. 9. 39.

To The Secretary
G. E. L. Church Council
Ranchi

महाशय,
आप को मेरा यीशुसहाय ।

समसेरा खेत के विषय नवानिरुल पदी कहते हैं कि Revison Settlement के बाद कोई अदलबदल नहीं हुई है ॥

ओक्टोबर ६ ता. से कोई १२, १३ दिन का प्रचारकों का शिक्षा क्लास होगा । उसी समय में मराउली जायदाद के फिरिस्त बनेंगे । अगर आप लोगों में से कोई एक दो दिन के लिये आते तो अच्छी बात होगी ।

शिक्षा क्लास के लिये लकड़ी की अवश्यकता हुई इसलिये एक आम के मरे गाछ को गिरवा कर फाड़वा रहे हैं ॥

आप का आज्ञाधीन

Lohardaga
22. 9. 39

U. E. Kujur

The Gossner Evangelical Lutheran Church
in Chotanagpur & Assam.

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919
Registered under Societies Registration Act XXI of
1860 on July 30, 1921.

Officers and members of the Executive,

1. *President* : Rev. J. Stosch,
2. *Treasurer* : Mr. N. Soy,
3. *Secretary* : Rev. J. J. P. Tiga,
4. Mr. Th. Surin,
5. Mr. A. L. Tirkey,

Other members of the Church Council.

6. Rev. S. Bage,
7. Mr. C. D. Ekka,
8. Rev. L. Jojowar,
9. Rev. S. Kula,
10. ,, W. Radsick,
11. Mr. P. Soy,
12. ,, D. Tirkey,

G. E. L. COMPOUND.
RANCHI. (BIHAR) INDIA.

No. 2073/40/F.-2 Dated the 26.11.1940

Rev. Urbanus Kujur, Ilaka Chairman,
G.E.L.Church, Lohardaga, Dist. Ranchi.

Manyawar Rev. U.E.Kujur ko Yisusahay.

Sayad ap ko malum huwa hoga ki January se leke " Updesh ki Taiyari " Gharbandhu hi men chhape jaenge aur alag bante nahin jaenge. Isliye jinko jinko darkar hai Gharbandhu hi se paenge. Kripa karke apne Ilaka ka Pracharakon ko yahi bat thik samay men takid kara dijiye.

Gharbandhu ka mulya : Padri se sal men .. Rs. 1/4/-
aur Pracharakon se pratyek........ -/12/-

Isi motabik wasul karke bhejiye.

Ap ka Bishwasht,

J. J. Tigâ
26/11

The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919
Registered under Societies Registration Act XXI of 1860 on July 30, 1921.

Officers and members of the Executive,
1. *President* : Rev. J. Stosch,
2. *Treasurer* : Mr. N. Soy,
3. *Secretary* : Rev. J. J. P. Tiga,
4. Mr. Th. Surin,
5. Mr. A. L. Tirkey,

Other members of the Church Council.
6. Rev. S. Bage,
7. Mr. C. D. Ekka,
8. Rev. L. Jojowar,
9. Rev. S. Kula,
10. ,, W. Radsick,
11. Mr. P. Soy,
12. ,, D. Tirkey,

G. E. L. COMPOUND.
RANCHI. (BIHAR) INDIA.

No. 2042/40/F. 2. Dated the 21. 11. 1940.

The Rev. Urbanus Kujur, Ilaka Chairman,
G.E.L.Church, Lohardaga.

Manyawar Padri Babu ko Yisusahay.

Babu Hanukh Lakra ki darkhast mili jismen ap logon ki sifarish hai. Main isko Executive men kal pesh nahin kar saka isliye ki meeting ke bad chithi ayi.So aur 15 din ke bad main pesh karunga. Is bich men ek bat jo saf nahin hai usko ap logon se janch karna achha hi hoga ,arthat larki taraf ke Panchon ki ismen sahi hai ki nahin. Madanpur kis Mandli men hai ? Wahan ka Pracharak ismen sahi kiya hai ki nahin? Fir bat hai ki bina Full C.C.Ke yah bat tay nahin hogi. Full C.C.January ke ant men baithegi. Isliye meri sallah hai ki yadi wah turant hi bhejega to Gharbandhu men istihar chhapa jawe .Turant agar ap mere pas bhejiyega (Istihar aur uska fees 3 bar ke liye Rs. 4/- hai). Yadi ap jante hain ki wah jarur dega to ap turant iska jabab de dijiye mujhko ki main tab isi ashre men turant istihar ko Gharbandhu men de sakun.

Ap ka Bishwasht,

J. J. Tiga 21/11

2/26
14.8.40 – 21.8.40

To
The Secretary File
G. E. L. Church Council
Ranchi

महाशय,
आप की चिट्ठी बाबत लड़की स्कूल मिली। मैं ने यहां के पंच भाई से बात चीत किई और बताया कि कैसी बात चार्च कौंसिल में हुई है। तो उन्होंने सलाह दिई है कि यदि Hd. Mistress भी अपनी भूल चूक जान के आगे मेल प्रेम से काम करना चाहेगी तो हम लोग भी मेल भाव से हो कर काम करने को राजी हैं, और नहीं तो दूसरी Hd. Mistress होवे जो आगे मेल प्रेम से सलाह के साथ काम करे। ता. 13 अगस्त

को सब पंचान रहेगा और उनसे

आपे ही लोग पुछे पाव कुछ सलाह दे

~~सकेंगे [illegible]~~ चाहिये ।।

अभी मैं इतना ही लिख सकता हू पीछ

इलाके मरके लोगों को इच्छा मालूम होगा।

आपेक आप के आज्ञाधीन

[illegible]

८.४.१९४०

Ham 13 ta. ko 12 baje Lonavala pahunchenge aur ~~sab kam ki~~ sam ko fir laut jaenge. Ho sakta hai ki yadi darkar ho to 7 baje tak bhi thahar sakte hain par rat sanjh ko lautenge.

Ape Shubh,
Ap ka Bishwast,

JK 1918

Copy. File For CC Exec 26

14.8.40 - 21.8.40

13.8.40.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Forwarded to the Secy. G.E.L.C!
B. Heim, Secy.
Lohardaga Ilaka
17.8.40.

Copy

(Boys M.E. School, Managing Committee)
17.8.40.

"Resolved that the Managing Committee with draws with regrets its actions regarding the recent application of the VI and VII class hostel girls"

Forwarded to the Secy. G.E.L.C.
B. Heim Hdm.
Lohardaga.
17.8.40.

Received from the Offg. Secretary C.C. one letter no. 1532 dated the 5th Sept. 1940.

Premi Minz.
5th Sept. 1940.

The G. E. L. Church in Chotanagpur & Assam.
RANCHI (Behar) INDIA.

RANCHI.

Secretary: P. D. KANDULNA, B.A.

Dated 9th. Sept. 1940.

Rev. B. Minz, B.A; L. Th.

No. 1578/40/F. 2.

Dear Mr. Minz,

I am glad we could find one to go to Lohardaga Girls' School. I am also glad that she has already gone there. Ihope all of you will be happy to see the new Headmistress, specially those of the members who were anxious for the wel fare of the school.

May God bless her work there.

Offg. Secretary.

To
The Rev. B. Minz.
Hdmaster.
G. E. L. Church, Lohardaga.
P.O. Lohardaga.
Dist. Ranchi.

13-8-

The Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

[Mission Estd. 1845—Autonomous 1919]

Officers and members of the Executive,

1. *President :* Rev. J. Stosch,
2. *Actg. Treasurer* : Mr. N. Soy,
3. *Secretary* : ~~Mr. F. N. Toppo~~
4. Rev. J. J. P. Tiga, Offg. Secy:
5. Mr. A. L. Tirkey,

Other members of the Church Council.

6. Rev. W. Radsick,
7. ,, L. Jojowar.
8. ,, S. Kula,
9. ,, S. Bage,
10. Mr. Th. Surin,
11. ,, C. D. Ekka,
12. ,, P. Soy.
13. ,, D. Tirkey,

Incorporated under XXXXXXXX Societies Registration Act of 1860 on July 30, 1921.

G. E. L. COMPOUND,
RANCHI. (BIHAR) INDIA.

No. 1594/40/F- 2. Dated the 11th Sept. 1940.

To,

Miss Anugrahit Minz,
Konka Siromtoli,
Ranchi.

Dear Miss Minz,

The Executive of the Council is very sorry that you cannot go back to Lohardaga. As it is so, the C. C. has sent Miss Premi Minz in your place.

With best wishes,

Yours sincerely,

J J P Tiga

File

The Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

[Mission Estd. 1845—Autonomous 1919]

Officers and members of the Executive,

1. *President :* Rev. J. Stosch,
2. *Actg. Treasurer :* Mr. N. Soy,
3. ~~Secretary: Mr. F. N. Topono.~~
4. Rev. J. J. P. Tiga, Offg. Secy:
5. Mr. A. L. Tirkey,

Other members of the Church Council.

6. Rev. W. Radsick,
7. ,, L. Jojowar,
8. ,, S. Kula,
9. ,, S. Bage,
10. Mr. Th. Surin,
11. ,, C. D. Ekka,
12. ,, P. Soy,
13. ,, D. Tirkey,

Incorporated under Section 21 of Societies Registration Act of 1860 on July 30, 1921.

G. E. L. COMPOUND.
RANCHI. (BIHAR) INDIA.

No. 1532/40/F- 2. Dated the 5th Sept., 1940.

To,

Miss P. Minz.

C/O Johan Minz,
Kadru, Ranchi.

Dear Miss Minz,

The following is forwarded to you for your information, with the request to see the President at your earliest convinience.

" 6. Lohardaga Larki School :-

Miss Anugrahit Minz ka jabab parha gaya jisse malum huwa ki wah phir Lohardaga jane nahin chahti hai.

Bichar huwa ki yadi Miss Premi Minz jo isi barsh Gossner High School se Matriculation pass ki hai Lohardaga ka Headmistress hone ko jana chahe to wah President ke pas awen aur President un se batchit karen . Batchit se yadi malum ho ki wah jane chahti hai to us ke talab ka aur kab se jawe us ka bichar kiya jayga."

Yours sincerely,

J. J. P. Tiga

Offg. Secretary.

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G. E. L. CHURCH
IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.

Memo No. 1456/40/F- 2. Dated, the 23rd August, 1940.

The unermentioned document is forwarded to Miss Anugrahit Minz for information, guidance and compliance.

Offg. Secretary,
G. E. L. Church.

Extract copy from the minutes of the C. C. Executive Commtt. held on the 21st August, 1940.

Item No. 26.

" Lohardaga Girls' School :- Read resolutions sent by the Rev. B. Minz and

Resolved, that the resolutions of the Lohardaga Amsabha and the Lohardaga Lutheran Boys' M. E. School Committee in connection with the Lohardaga Girls' School Headmistress be sent to Miss Anugrahit Minz."

Copy.

13.8.40.

Council President wo Council Secretary ke samne men ek ~~Amsabha~~ Am baithki huwi jis men ukt mahashayon ne apna barnan kiya.

Yah sankalap kiya gaya ki

Ilaka karmchariyon, Ilaka Panch, Mandli Panch, Larki School Managing Committee, wo sthaniya bhaiyon ki yah sabha Church Council ke samjhane se hal ke larki school sambandhi kararwai ko wapas leti hai. Head Mistress wapas awe. Ham log uchit sahyog karenge.

Forwarded to the Secretary,
G. E. L. C.
Sd/- B.Minz, Secretary.
Lohardaga Ilaka.
17.8.40.

COPY

(Boys M. E. School, Managing Committe)
17.8.40.

" Resolved that the Managing Committee with-draws with regrets its actions regarding the recent application of the VI and VII class hostel girls."

Forwarded to the Secretary, G. E. L. C.
Sd/- B. Minz, Headmaster
Lohardaga, 17.8.40.

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G. E. L. CHURCH
IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.

Memo No. 1447/40/F.2 Dated, the 19the Aug., 1940.

From :- The Rev. J.J.P.Tiga, B.D.,
Offg. Secretary,
G.E.L.Church, Ranchi.

To,

The Rev. U. E. Kujur,
Chairman, G.E.L.Church,
Lohardaga.

Dear Rev. Kujur,

I believe you are in receipt of letter No. 264/40 from Mr. D. M. Panna regarding the sale of six (6) Semul trees. The C. C. Executive is going to consider this matter on Wednesday the 21st inst at 3 p. m. As the C. C. cannot pass its opinion without hearing the opinion of the Ilaka Chairman, I request you to be so good as to report to me as to the situation of the trees in the compound and whether these Semul trees can be sold away. Mr. Mitra wants to offer Rs. 45/- for all the 6 trees in all. Do you think this is fair and equitable ?

Yours sincerely,

J J P Tiga

Offg. Secretary,
G. E. L. Church.

Please inform Mr. Minj that I am in receipt of the resolution of the M.C & the Ilaka Karm-chari mixed meeting re the Lohardaga Girl's School.
J J P Tiga 19/8

The Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

[Mission Estd. 1845.—Autonomous 1919.]

G. E. L. COMPOUND.
RANCHI. (Bihar) India.

Secretary: XXXXXXXXX   No. 1398/40/F- 2.   Dated the 10th Aug. 1940.

Ag. Secy: Rev. J.J.P.Tiga, B.D.

To,

The Rev. U. E. Kujur,
G.E.L.Church, Lohardaga.

Manyawar Rev. Urbanus Kujur,

Ap ko yishusahay. Ap ki chitti mili. Main ne President ko chitti parh kar sunaya aur un ke sath batchit kiya. Hamare liye ek bat saf malum nahin huwa ki Panch apna bhul manne ko taiyar hai ki nahin. Dusri Headmistress dena kathin hai.

President saheb, Mr. Soy aur main 13 tarikh ko yahan se Lohardaga jaenge. Lekin jane ke pahile ham programme chahte hain so kripa kar chitti pate sath programme bhejiye.

Ham 13 tarikh ko 12 baje Lohardaga pahunchenge aur sam ko fir laut jaenge. Ho sakta hai ki yadi darkar ho to 7 baje tak bhi thahar sakte hain par usi sanjh ko lautenge.

Age shubh,

Ap ka bishwast,

J J P Tiga

Actg. Secretary.

The Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.
[Mission Estd. 1845.—Autonomous 1919.]

G. E. L. COMPOUND.
RANCHI. (Bihar) India.

Secretary: F. N. TOPNO Esqr.   No. 1298/40/F- 2.   Dated the 30th July 1940.

Actg. Secy: Rev. J.J.P.Tiga, B.D.

To,

The Rev. Urbanus Kujur,
Chairman,
G. E. L. Church, Lohardaga.

Manyawar Padri Urbanus Kujur ko Yishusahay.

President ki sallah hai ki ap to khud meeting men the aur ap ko Lohardaga men laut kar kya kam karna hai us ko C. C. Executive meeting men sune isliye un sab baton ko likhna darkar nahin hai. Ap se arji hai ki jo kuchh ap ne suna aur samjha us ke anusar kam kijiye aur apne kam ke phal ka report C. C. men bhejiye.

Ap ka bishwast,

J J Tiga

Actg. Secretary.

The Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.
[Mission Estd. 1845.—Autonomous 1919.]

G. E. L. COMPOUND.
RANCHI. (Bihar) India.

Secretary: F. N. TOPNO Esqr.

No. 811/40/F- 2.

Dated the 3rd May 1940.

To,

The Rev. U. E. Kujur,
Chairman, Lohardaga Ilaka.

Manyawar Padri Babu ko yishusahay.

Report hai ki January mahine se ap ke Ilake ne Girls' School ko Ilaka Grant dena band kar diya hai. So khabar dijiye ki yah bat kahan tak sach hai aur yadi sach ho to kyon aisa kiya ja raha hai ?

C. C. ka phaisla is prakar hai :-

Extract copy from the Minutes of the C. C. Executive Commtt. held on the 26th April, 1940.

Item 12 (b)

" 12. Schoolon ke liye Ilaka grant :-
(a) --- --- --- --- --- ---

(b) Lohardaga Girls' U. P. :- Report hai ki Lohardaga Ilaka Larki School ko apna grant jo dene ko hai January mahine se nahin deta hai. Chairman ko is ke bishay likha jay."

Ap ka bishwast,
N. Topno.

Secretary,
G. E. L. CHURCH
CH. NAGPUR & ASSAM
RANCHI, BIHAR, INDIA.

Executive 8.3.40

File 22.4.40 No-15.

19

Church Council
Received 28.2.40
Register No. 99
Date 24.2.40
File 29
Reply No.
D

Chatti 2
24-2-40

માન્યવર મહાશય,

આપકા ... મહાશય -

આપકી ... ચિઠ્ઠી Memo No. 357-59/40

F-52 Dated, the 14th Feb., 1940. તા: 26 ફરવરી મેં મિલી જિસમેં આપને મેરી બદલી ચટ્ટી પરિશ્રા સે ચિકઝ પરિશ્રામેં કિયે હૈં - ઇસકો મૈં આનન્દસે ગ્રહણ કરતા હું ઔર ધન્યવાદ દેતા હું -

પરન્તુ મહાશય મૈંને સુના કિ વહાં પાદ્રિયોં કે રહને કે લિયે ઘર નહીં હૈ - ઇસસે મુઝ કો બહુત ભય લગા, ક્યોંકિ મેરા તો એક પૂરા ઘર હૈ - અર્થાત એક ઘર કા પૂરા સામાન મેરા હૈ - મૈં વહાં જાકે કહાં રહુંગા. અપના ચીજ કહાં રખુંગા - મેરા કામ કૈસા હોગા - મૈં તો અપને ચીજોં હી કો રખા કરુંગા -

દૂસરોં કે ઘર મેં રહના તો બરાબર ઝગડા ઔર દુઃખ કા કારણ હોગા - દૂસરોં કે ઘર મેં વ દો પરિવાર એક ઘર મેં રહના નહીં હો સકતા હૈ - ઉસમેં નિશ્ચય ઝગડા હોગા - મૈં ઇન્હીં થોડ઼ે દિનોં મેં તીન જગહ બદલી કિયા ગયા હું - ઔર મેરે લિયે વૈસા હી બના હૈ જિસે જહાં ઝગડા હુઆ, પરન્તુ ઉન સ્થાનોં મેં મસાલ્લી ઘર હોને કે કારણ મૈં દોવે કે સાથ ઉનકે રહને સકા - મૈં સમઝતા હું કિ મેરે જુડિદારોં મેં સે કિતને હોંગે જો એકબાર જહાં ભેજે ગયે વહીં હૈં ઔર ઉન કો અપને ચીજોં કી હાનિ ઔર ઘટી સહની નહીં પડ઼ી હૈ -।

કોઈ ઘર જો ખાલી કા નહીં હૈ વહાં મેરા ક્યા દાવા ચલ સકતા હૈ - કુછ નહીં - મૈં નિરુત્તર હું - કોઈ ભી મુઝ કો અપને ઘરસે નિકાલ દે સકતા હૈ

ઇસ લિયે હે મહાશય, મૈં દીનતા કે સાથ અર્જી કરતા હું કિ વહાં મેરે જાને કે પહિલે મેરે લિયે ઘર કા બન્દોબસ્ત હોવે - મૈં જાને કો તૈયાર હું ઔર અપને ચીજોં કો ઠીક ઠાક કર રહા હું - કૃપા કર જલ્દી સે લિખિયે કિ ક્યા ઉપાય હૈ - મૈં ક્યા કરું ગા - મૈં અપને ચીજોં કો લેજાકર બાહર ફેંક દેને નહીં ચાહતા હું -। કૃપા કર ભૂલ ચૂક જો હો માફ કીજિયે -।

આપ કે ઇસ દયાપૂર્ણ ઉપકાર કે લિયે હાર્દિક ધન્યવાદ -।

આપ કા વિશ્વસ્ત

પાદ્રી ઇમ્માનુએલ લકડા
ચટ્ટી

The Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.
[Mission Estd. 1845.—Autonomous 1919.]

Officers and members of the Executive.
1. *President;* Rev. J. Stosch,
2. *Treasurer;* Rev. K. Th. Jellinghaus,
3. *Secretary;* Mr. F. N. Topono,
4. Rev. J. J. P. Tiga,
5. Mr. Th. Surin,

Other members of the Church Council.
6. Rev. W. Radsick,
7. ,, L. Jojowar,
8. ,, S. Kula,
9. ,, S. Bage,
10. Mr. A. L. Tirkey,
11. ,, C. D. Ekka,
12. ,, P. Soy,
13. ,, D. Tirkey,

G. E. L. COMPOUND.
RANCHI. (BIHAR) INDIA.

No. 646/40/F.2. Dated the 11th April 1940. 12th

To,
The Lohardaga Ilaka Panch,
Lohardaga.

Pyare bhaiyo,

C. C. men Chatti Parish ka darkhast aur ap logon ki chitti bhi parhi gai. Ap log kahte hain, Padri Immanuel Lakra ka badli hona ham log awashya nahin samajhte hain. Is bat ko ap log is karan likhte hain ki ap logon ko kewal apne Ilaka ki baton ko dekhna parta hai, Church Council ko sab Ilakaon ki. Bat aisi hai ki Chiur ke liye padri ka prayojan tha. Pahile soch bichar kiya gaya ki Babu Laurentius Kujur Chiur jawe. Tab yah bichar bhi aya ki Chiur men Mundari bhasha chalti hai isliye Laurentius Babu wahan kam nahin kar sakta hai, Mundari nahin janta hai. Padri I. Lakra Mundari janta hai, so wah Chiur jawe, Laurentius Kujur Babu Chatti.

Phir, jadi Seminary trained Candidate sab mandliyon ke liye milte to Pracharakon ko abhishekt karna darkar na hota. Ilaka aur Chatti Parish jan lewe ki jo pracharak padabhishekt huwe we ati yogya aur achchhe hain. Jarur we kisi jawan Seminary trained candidate ke barabar hai. Un ko Seminary men kewal thore samay ka training mila, yah sach hai. Par jiwan rupi training un ko adhikai se mila. Unhon ne apne ko Iswar ke bishwasyogya das dikhaye. Mandli jin baton ko Laurentius Padri ke munh se sunegi agar grahan karti hai to Mandli ko bahut asis milegi.

P. T. O.

Main ne bhi Laurentius Padri ke anek updeshon ko suna aur main man leta hun ki bare anand se suna. Agar Kalisha ke President ke liye Laurentius Padri ke updesh asis denevale hain to Chatti mandli un updeshon ko bhi grahan kar sakegi. Prabhu ki asis Laurentius Padri ke sath hai. Mandli bare dhanyabad se is uttam padri ko grahan kare, yah na kahe ' full trained ' nahin hai. Us Padri ko Iswar ne ap hi apne jiwan rupi school men kam ke liye tayar kiya aur Iswar ka school Ranchi ke Seminary ki apeksa uncha hai.

Age shubh,

Ap ka bishwast,

J Stosch

President,
G. E. L. Church.

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G. E. L. CHURCH
IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.

Memo No. 1086/39/F- 11. Dated, the 24th November, 1939.

The undermentioned document is forwarded to the Rev. M. Purti for information and guidance.

Secretary,
G. E. L. Church.

Extract copy from the minutes of the G. C. Executive Committee held on the 22nd November, 1939.

Item No. 7.

" Rev. M. Purti :- Report mila ki Rev. M. Purti apna ghar laut gaye aur bimar hi hain. We abhi kam nahin kar sakenge.

Phaisla :- Ki Rev. M. Purti ka allowance band kiya jay aur us ko invalid pension Rs. 10/- p. m. 6 mahinon ke liye diya jay. 6 mahina ke bad Rev. Purti ki awastha jis prakar rahegi usi ke anusar Church Council phir se bichar kare."

Church Council
Received 1.3.39.
Register No. 106
Date 28.2.39
File 2
Reply No. ....
Date ....

શ્રીમાન માન્યવર - લૂથેરન ચાર્ચ કૌંસિલ
રાંચી

B. 7 (a)

મહાશય.

આપ કે ચિટ્ઠી પાકે. ઘર-બન્દોબસ્ત કે બારે તા: ૨૬-૨-૩૯ ઈ. આપ કો ચિટ્ઠી દેકર આશા મેં થા કિ પાદ્રી બાબૂ કો, આને કી અનુમતિ દેંગે, લેકિન આજ તક, ઇસકા માલૂમ નહીં કિ કૌંસિલ કી ઓર સે. પાદ્રી-બાબૂ કો કુડૂ આને કી અનુમતિ. મિલી કી નહીં।

જબ તક. પાદ્રી અપને પૈરિસ મેં ન આવે ઔર લોહરદગા હી સે કામ કરે તબ તક પૂરા-કામ-નહીં હો સકતા-હૈ, ઇસ લિયે દીનપૂર્વક વિનય હૈ કિ કૌંસિલ. પાદ્રી કો હાલ મેં રહને દીજિયે, બાબૂ બિમલાનન્દ કો ઘર. ચાહે પાદ્રી બાબૂ કે ઘર. વિષય ઉન મહાશયોં મેં સે. કિસી એક કે સાથ. તુરન્ત બાત ~~કિ~~ ચીત કર. પાદ્રી બાબૂ કો જલ્દી જલ્દી આને કી અનુમતિ દેંગે.

પાદ્રી ઘર સ્ટેશન કે ભીતર હોના હી. ચાહિયે, જબ પૈરિસ પાદ્રી. સ્ટેશન મેં ન રહકર. બાહર-દૂસરોં કે ઘર મેં રહે, સ્ટેશન કા દેખ ભાલ ઔર રક્ષા નહીં હો સકતા હૈ પૈરિસ ચૌકીદાર મૈન કો-સ્ટેશન સે બાહર-રહના અચ્છા નહીં હોગા, સ્ટેશન કે અન્દર રહના ચાહિયે-

ઇસ લિયે અરજ-નિવેદન હૈ, કૌંસિલ. વિચાર કરકે. પાદ્રી ઘર બનાને કા ખર્ચા. દેને કા કૃપા કરે। ઔર યહ જલ્દી ફૈસલા કિયા જાય, જિસ્સે બરસાત કે પહિલે ઘર તૈયાર હો જાય. । અભી ઘર બનવાને કા-સુઅવસર હૈ, અભી. સે ઇસકા ઇન્તજામ હો. જાના. ચાહિયે

આપ. કા. દીનાધીન-

કુડૂ
૨૮.૨.૩૯ ઈ.

B. Khakha
Kuru.

Church Council
Received 16.2.39
Register No. 82
Date 5.2.39
File 2
Reply ...
Date ...

To, The Church Council of G.E.L. Mission,
Chotanagpur & Assam,
Through, Murto Pracharak Pan Panch,
The Chairman Chatti Parish,
and
The Chairman Lohardaga Ilaka,

M
D 3
File N. 11.39

Honoured Sir,

सविनय प्रार्थना ऐसी है कि मेरा सादी रांची हिन्दपीढ़ी के मृत पतरस और मुनीका तिर्की की बेटी करोलिना तिर्की से रांची ख्रिस्त गिर्जा में १९२८ ई० के जेठ महिना में हुवा था। पर वह एक बर्ष सिर्फ मेरे यहां आवा जाही किई उसके बाद वह इधर उधर भागने लगी। मैं उसका पीछा तो जब तक रांची में प्रगट थी करते गया यहां तक कि रांची मराइली पंच में भी दरखास्त किया औ मराइली पंच फैसला करके जाने के लिये ताः ठहरा दिया। मैं ताः के अनुसार जाने न सका। वजह कि मैं अचानक जोर से बेमार पड़ गया और सूचना सेक्रेटरी को दिया। इसके बाद मैं ईश्वर की दया से चंगापन पा उसकी खोज में गया पर अफसोच वह रांची शहर में, हां खास कर मा बाप के घर में औ उनके कुटुम्ब परिवार के घर में कहीं पता न लगा, वो मैं जानने नहीं सका कि वह गयी औ कहां है।

बहुत दिन बीतने पर लोग यहां वहां उसका हाल बतलाये। हाल पाकर मैं अन्दाजी उसके पास चिट्ठी भेजा तब १९३६ के फेब्रुवरी महिना में जवाब मिला कि आप दूसरा बन्दोबस्त कीजिये। मैं अपना रास्ता देख चुकी इस पत्र को पाकर मैं बहुत कोशिश शादी के लिये किया पर मराइलियों से सादी नहीं मिला।

औ जब से वह हम से अलग है तब से ९ १/२

P.T.O.

सढ़े सात बरस हो गया, मैं सपने में भी उससे मुलाकत नहीं हुवा हूं। श्री चिट्ठी के अनुसार मुलाकत होने का आशा कम है। इस लिये मैं अपना दुःख हाल सुनाता हूं, कि मेरे घर में भाई न मर्याद कोई नहीं है, मेरे गिरने से मेरा खेत बारी गांव अधिकारियों के भाग में चला जायगा। मेरे उइजो ईसा मसीह का भजन करने वाले कोई नहीं ठहरेंगे। मुझ को खाना पीना खिलाने वाला कोई नहीं है काम उद्यम करने वाला कोई नहीं है। दुःख बिमारी में सेवा टहल करने वाला कोई नहीं है।

इस लिये मैं अर्ज करता हूं कि मेरी स्त्री दूसरे के साथ अपना सम्बन्ध जोड़ के लिई है और व्याभिचार में पड़ गयी है तो मुझ को दूसरा शादी करने का हक है। श्री धर्म व्यास्था के अनुसार जब कोई स्त्री दूसरे पुरुष के साथ व्याभिचार करे तो पुरुष ऐसे स्त्री को छोड़ सकता है और अगर कोई पुरुष स्त्री रहते दूसरी स्त्री के साथ व्याभिचार करे तो तो ऐसे पुरुष को स्त्री छोड़ सकती है

सर्वप्रधान ईश्वर जानता है कि मेरी स्त्री का कुंवारी पन से चालचलन खराप था जो कि रांची के मिशन रेकोड (पुकार) बही साबीत है फिर वह मराडली बाहर थी। अभी भी वह मुझ से सात वर्ष हो गया एक दम अलग है और दूसरे के साथ है ऐसे हालत में भी मुझ पर न्याय की दृष्टी से न देखे और मराडली शादी करने का हुक्म न मिले तो यह मेरे लिये अन्याय है। मैं प्रभु में बिश्वास रख आशा वाले हूं कि मुझ पर इस समय अनुग्रह कर चर्च कौंशिल शादी करने का हुक्म फरमाइंगी श्री इस इयासय न्याय

P.T.O

उपकार के लिये मैं तजीवन भर चर्च कौंशिल के मेम्बरें तथा मेरे पुरोहितों को धन्य बाद दुंगा

आप लोगों का कृपाभिलाषी

मुरतो मराडली चार्च पेरीस लोहरदगा इलाका

मंगलदास तिर्की करंजो जरंटाली
पो० ऑ० बेडो जीला रांची
ता० ५-२-१९३९ ई०

मुरतो पंच। ता० ५-२-१९३९ ई०

हम नीचे लिखे भाई लोग नीचे लिखे वालों का साक्षी हैं। यह बिलकुल सच्ची बात है कि मंगलदास भाई की स्त्री भी सात बरस उसके घर में एक बार भी नहीं आयी है वो हम लोग उसको मराडली में न रांची में कहीं नहीं देखे हैं। इनको घर में बहुत तकलीफ है। हालत सोचनीय है। इनको शादी करना निहायत जरूरी है। इनको मराडली से बहुत जल्दी शादी करने का हुक्म फरमाने से अच्छा होगा।

1 Laurentius Kujur Pracharak Murto.

3) सुलेमान तिरकी सा: मराडली।

2 Dhanmasih Tirkey Tikonga

4 प्रितमसीह सा: खटंगा

5 प्रेम मसीह - तिरकी सा: कुदारुमो

क्षमा जेमसीह - तिरकी सा: कुदारुमो

6 ममरसीय तिगा। बा।डी

७. पौलुस तिग्गा। जरंगो

रेया इलहा गार - एक्का - मोका लरकी
मुझे मान लिया
रा ह पौलुस रापा, मौजा कजांग गाटोली

रेपा रघाका कुजुर कहांजो जरटोली
साहो गबेरेले तिगा कहंजो जरटोली

रेया कुजुर तिगा आ: मुरतो - नवरा टोली
हम लोगों चट्टी के मेम्बर इसका सिफारिश करते हैं - और इसका में देते हैं -
कटू इमानुएल लकड़ा चट्टी
सहो इश्वरदत्त लकड़ा

Gossner Mirz
Prabhu Sewak: Toppo.

Forwarded to the C. C. for favorable consideration and order.
Rev. H. [illegible]
Zilla Chairman
Lohardaga
15.11.37

The Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

[Mission Estd. 1845.—Autonomous 1919.]

G. E. L. COMPOUND.
RANCHI. (Bihar) India.

Secretary: F. N. TOPNO Esqr. No. 238/39/F- 2. Dated the 13th Apr., 1939.

To,

The Rev. U. Kujur,
Lohardaga.

Manyawar Padri Babu ko yishusahay.

Ap ne Mangal Das Tirkey ka darkhast jo shadi bishayak tha C. C. men pesh kiya. Us ke sambandh men C. C. ka phaisla jo 24th March, 1939 ki baithki men huwi so is prakar hai :-

" 19. Magal Das Tirkey ka darkhast :- Bhai ko likha jawe ki wah stri ko tyag patr dewe."

Ap kripa kar is phaisle ko Chatti Parish ke Padri Immanuel Lakra ko janaiye jise ki wah bhai Mangal Das ko janawen. Kharcha jyada nahin lagega, kewal Court Fee dena parega.

Ap ka bishwast,

N. Topno.

Secretary.

इलाका ग्राम सभा। १३·१२·१९६८।

१. प्रार्थना — इलाका चेयरमैन पा. नथानिएल खलखो ने फिलीपी ४:४— ६ पर उपदेश देते हुए प्रार्थना कर सभा आरम्भ किया।

२. हाजिरी — इलाका से ७४, कौंसिल मेम्बर २, जमा ७६ हाजिर थे।

३. स्वागत — पा. नथानिएल खलखो ने कौंसिल के दो सदस्यों को सभा के नाम से स्वागत किये, खासकर नये सेक्रेटरी साहब श्री. नथानिएल तोपनो को।

४. सभापति — पा. इमानुएल खलखो के प्रस्ताव मुताबिक सभा ने मा. पा. जिलो तिगा को सभा संचालक नियुक्त किया। यहाँ पर मा. पा. जिलो तिगा ने श्री. कौंसिल सेक्रेटरी ने स्वागत का समुचित प्रत्युत्तर दिया।

५. चेयरमैन का रिपोर्ट — अपनी और अपनी पत्नी की बिमारी के कारण काम करने नहीं सके। १४ कोस वाला एक [illegible] मण्डली के पास साल भर में एक बार भी पहुँच न सके। आपके विचार में आत्मिक घटी बड़ी है। आपने यह रिपोर्ट दी। सभा ने रिपोर्ट ग्रहण की।

६. सेक्रेटरी का रिपोर्ट — सेक्रेटरी ने बताया कि वह अधिक बातों को नहीं जानता है। उसके समय में अगस्त में ठीक बैठकी हुई। तुरन्त पादरी शिक्षा क्लास और प्रचारक शिक्षा क्लास की ~~एक~~ बैठकियों में बड़ी रोक टोक हुई। और अगस्त का फैसला किया हुआ सेन्ट्रालैजेशन ठीक नहीं होने पाया है। जो भी पहले अनेक बार इसके लिये फैसला होते चले आये हैं। आज की ग्राम सभा में फिर से फैसला समर्थन हो जाने पर सेन्ट्रालैजेशन और कर्मचारियों का इकट्ठा होना आगे सफल होते जायगी। यह रिपोर्ट ग्रहण किया गया।

७. रेशन कमीटी का रिपोर्ट — बाबू धन कुमार लकड़ा ने सुनाया कि चार महीनों से कमीटी का संगठन और काम सम्पादन हो रहा है। उसका उसका अभिप्राय है हाता रहा।

कौंसिल सेक्रेटरी ने बताया कि कौंसिल की फैसला के मुताबिक रेशन में ३ मेम्बर होना चाहिये। अधिक से अधिक ५ हो सकते हैं। आपने यह भी बताया कि इस कमीटी का खजांची नियम के अनुसार इलाका का खजांची ही होवे।

८. पेरिश चेयरमैनों का रिपोर्ट — (१) लोहरदगा और सिकवार पेरिश — पा. नथानिएल खलखो ने कहा कि मेरा रिपोर्ट चेयरमैन के हैसियत पर दिया गया है उससे अधिक कहना नहीं ~~रह~~ है। (देखिये न. ५) (२) कुड़ू पेरिश — पा. मगहत लकड़ा ने यह वर्णन किया। कुड़ू में ६ प्रचारक पन हैं। पादूर, प्रचारक और रात्रि प्रचारक अनेक जगहों में हैं। सो उनके कारण पंचैतों में सेन्ट्रालैजेशन ठीक होने नहीं सकता है। प्रचारक पनों में पंच हैं। महीना के ग्यारवीं तारीख प्रचारक पन पंच बैठकी, महीना के तेरह तारीख पेरिश बैठकी और महीना के दूसरे तारीख में इलाका बैठकी ठहराई गई है। धर्म की घटी है। प्रचारक वृद्धि कराना शिक्षा आपन देकर मेरे पास शिक्षा के लिए भेजते हैं। भाई लोग समाज सन्डे स्कूल आदि नहीं चलाते हैं। (३) चट्टी पेरिश — पा. इमानुएल लकड़ा ने यही रिपोर्ट दिया — बिमारी वगैरह से इस वर्ष मेरे काम में घटी हो गई है मानता किन्तु हूँ। ६ प्रचारक पन हैं। मैं केवल दो बार घूमा हूँ। प्रचारक पनों में पंचैत बैठने का नियम बाँधा गया है। प्रभु भोज — बोला गया कि मण्डलियाँ आप दाखरस रखती हैं। तो शुरु में ३ बार मैं मण्डलियों में इसी आस से गया पर दाखरस न होने से प्रभु भोज न दे सका। तब से मैं आप ही तारा [illegible] दाखरस लेकर जाता हूँ। अन्य प्रकार से भाइयों में उत्तेजना है। प्रचारक लोग उदार हैं सो वे घूम घूम कर काम करते हैं। पेरिश पंचैत, यहाँ की रीति है अलग अलग स्थानों में पंचैत बैठाया जाती है जिससे सब जगह के भाई बहिनों में आनन्द आता है। वृद्धि कराना गाब पति [illegible] शिक्षा हम लोग जनवरी से शुरु करते हैं और जो उठना पर्व तक में खतम करते हैं। इधर उधर प्रचारक पनों में शिक्षा दी जाती है और अन्त में सब को [illegible] लाकर आखरी शिक्षा पादरी से लेते हैं।

नोट— पेरिशों के रिपोर्ट ग्रहण किये गये पर उन का विचार आगे होने के लिये छोड़ा गया।

९. पंच मेम्बरों का काम — इस कारण कि वे अपना काम नहीं करते हैं सभा ने यह संकल्प किया कि हर एक प्रचारक पन के सब पंच प्रचीन और प्रचारकों के लिये सभा बुलाई जावें जिस में मंडली संगठन और बढ़ती और खासकर मंडली की आर्थिक आमदनी के विषय में भाइयों का क्या कर्तव्य है सो समझाये जावें। इलाका पंच समीति के अनुसार कुड़ू, लोहरदगा, चट्टी, सिकवार पेरिशों में भिन्न २ समयों में उपरोक्त अभिप्राय की बैठकी और शिक्षा का प्रबन्ध करें।

१०. प्रचारक पन, पेरिश और इलाका बैठकियाँ — संकल्प हुआ कि सब बैठकियाँ नियमित रूप से होवें।

११. एम. ई. स्कूल रिपोर्ट — विस्तार रिपोर्ट तैयार न हो सका है। हेड मास्टर ने जो संक्षेप रिपोर्ट दिया सो ग्रहण किया गया। बोर्डिंग फीस के विषय में यह संकल्प हुआ कि बोर्डिंग कमीटी विचार कर देखे कि बोर्डिंग फीस क्या कुछ घटाया जा सकता है।

१२. U. P. स्कूल रिपोर्ट — हेड मिस्ट्रेस ने लिखित रिपोर्ट पेश की जो ग्रहण किया गया।

१३. सेन्ट्रालैजेशन — सभापति ने कहा कि सेन्ट्रालैजेशन होने की ही बात है। उसके लिये कोई संकल्प करना शर्म की बात है। कौंसिल सेक्रेटरी ने कहा कि आमदनी माहवारी जमा हो जाने से *scale* के अनुसार अनुपात से बटवारा हो जाना चाहिये।

आपने यह भी कहा कि जो मास्टर काम करते हैं और ऊपर से प्रचारक काम चलाते हैं उनको केवल allowance मिलना चाहिये
बाकी आमद दूसरे कर्मचारियों की सहायता के लिये सेन्ट्रल फंड में चला जावे। आपने इस सभा को यह हाल बताया कि वहाँ
ये तीन तरह के प्रचारक हैं (१) ओवल प्रचारकपन :- बड़े मंडलियों के प्रचारक जिनके खर्च का वेतन भी मिलता है। (२) मध्यम
प्रचारकपन :— मास्टर चलाते हैं और उनको केवल allowance दिया जाता है। (३) लघु प्रचारकपन :— ५, ८, १०, २० घर-
वाले प्रचारकपना पंचायत चलाते हैं पर उनसे न लिया जाता है न उनको दिया जाता है। बहुत विचार करने के बाद फैसला हुआ
संकल्प :— कि महासभा इलाका सभा को आदेश देती है कि इलाके को सब आवश्यकीय कामों को उचित रीति से
चलावें और न मानने वालों पर उचित कार्रवाई करें।

१४. गोल्लो पूंजी — संकल्प :— इलाका इस बात का विचार करे।

१५. शादी में डली — संकल्प :— जैसा पहले नियम था वही चलेगा। अर्थात ४ खंड कपड़ा वा ३ खंड कपड़े के साथ
७ सात रुपैया।

१६. शादी और स्नान के लिये सिफारिश चिट्ठी — संकल्प :— सिफारिश पत्र फार्म रहे जिसे प्रचारक लोग भरें।
अफसर लोग फार्म तैयार करें।

१७. धार्मिक मेला — संकल्प :— धार्मिक मेला होवे, इलाका पंच इसका प्रबन्ध करे।

१८. बैबल क्लास — सर्वजनिक के लिये बैबल क्लास होवे।

१९. महासभा प्रतिनिधि इलाका चुने

२०. कर्मचारियों का काम — संकल्प — भाइयों की तरफ से भी काम पूरा होवे और पादरी प्रचारकों की तरफ से भी।

२१. इलाका पंच के लिये चुनाव — नीचे लिखे लिस्ट में जिन नामों के बगल में १९३९ लिखा है वे चुने गये हैं।
१. पा. नथानियल खलखो २. पा. मगहन लकड़ा ३. पा. इमानुएल लकड़ा ४. पा. बिलियामीन मिंज, लोहरदगा से ५. श्री. इमानुएल
खलखो १९३९ ६. इग्नेस कुजुर १९३९, ७. नथानियल एक्का १९३९, ८. सिकवार से श्री गिरिजन किंडो १९३७
९. श्री. सिमोन राम किराड़ो १९३९, चट्टी से १०. श्री. ईश्वरदत्त लकड़ा १९३७। ११. दलिया बड़ाइक १९३७ कुडू से
१२. श्री दयाधाम प्रजोन १९३७। १३. श्री प्रभुशरण मिंज १९३९।

२२. इलाका सेक्रेटरी — सभा ने पा. बिलियामीन मिंज को इलाका सेक्रेटरी चुना (१९३९-)

२३. इलाका खजांची — सभा ने पा. इमानुएल खलखो को इलाका खजांची चुना (१९३९-)

२४. धन्यवाद — इलाका पास्टर मैनन ने कौंसिल प्रतिनिधियों और अन्य सब कर्मचारियों और भाइयों को
धन्यवाद दिया कि सब के सुन्दर सहयोग से यह बैठक हो सकी।

२५. सभापति ने प्रार्थना के साथ सभा समाप्त की।

Sd. B. Minz
Secretary
13-12-38

Sd. J. P. Tiga
Chairman
13-12-38

लोहरदगा आमसभा प्रोग्राम।

१३.१२.३८.

१, चेयरमैन का भाषण
२, " रिपोर्ट
३, सेक्रेटरी का रिपोर्ट
४ स्टेशन कमिटी का रिपोर्ट। Br. D.K. Lakra
५, [illegible] का रिपोर्ट
६, मैट्रीकुलेशन: B. Minz
७ भाइयों (Laymen) की सभा: Br. I.S. Kujur
८. मंडली पूंजी (Reserve Fund) Br. Gideon Kindo
९, शादी सम्बन्धी बातें: Rev. M. Lakra
१०, दान और शादी सिफारिश पत्र! Rev. M. Lakra
११. लड़का M.E. School Report! Headmaster
१२, लड़की U.P. स्कूल रिपोर्ट: Headmistress.
१३. । धर्म मेला प्रबन्ध: Br. H. Kujur
१४, सार्वजनिक के लिये बाइबल क्लास: B. Minz
१५ इलाके के लिये मेम्बरों का चुनाव।
१६ महासभा के लिये प्रतिनिधियों का चुनाव
१७, प्रचारकगणों, पेरिशों और इलाकों की बदलियां! Rev. J. Lakra
१८. कर्मचारियों का काम

अन्य सुयोग्य बातें जिन्हें सभा ग्रहण करे।

गिदिओन किंडो
सेक्रेटरी

Church Council
Received 1.12.38
Register No. 641
Date 30-11-38
File 2
Reply No..........
Date..........

माननीय चर्च कौंसिल को यीशुसहाय ।

मान्यवर महाशयगण,

लोहरदगा इलाके की ओरसे ये बातें आप लोगों को जताना है :—

१. इस हिसाबसे कर्मचारियोंका स्केल बैठाया गया है :—

~~L.P. . . . . Rs. 5/- . . . to . . Rs. 9/-~~

L.P.	Rs. 5/	to	Rs. 9/-				
U.P.	6/-	to	10/-	trained	Rs. 7/-	to	11/-
M.V.	7/-	to	12/-	"	9/-	to	17/-
M.E.	8/-	to	13/-	"	10/-	to	18/-

PASTORS :— कुछ नियम नहीं जानते हैं ।

२. उपरोक्त स्केलसे यहां के कर्मचारियों का तलब लिखा गया है (अलग पत्र पर देख लीजिये) ।

३. जो लोग मास्टर काम करते हैं और ऊपर से प्रचारक काम भी चलाते हैं क्या उनके लिये केवल honorarium बतौर कुछ दिया जाकर बाकी अन्य कर्मचारियों के खातिर बिल्कुल सेन्ट्रालैजेशन होना चाहिये ?

४. अगस्त महिने का सेन्ट्रालैजेशन पहिलीबार हुआ । तिसके बाद पादरी शिक्षा क्लास रांची + प्रचारक शिक्षा क्लास गुमला —— के द्वारा सेन्ट्रालैजेशन दूसरे ही महिने से अर बड़ा डांवाडोल हो गया है, अनेकों से उजूर विरोध सुन पड़ता है, इस नवम्बर में केवल ३ पादरी और २ प्रचारक महवारी पंचायत आदि और अपना बंटवारा किये ।

५. इसलिये अति आवश्यक देख पड़ता है कि दिसम्बर १३ तारीख में जो इलाका आम सभा (वार्षिक) बुलाई जा रही है उसमें चर्च कौंसिल के सदस्य आकर खासकर सेन्ट्रालैजेशन बाबत और अन्यान्य बातों में भी उचित मदद देने की कृपा करें और न तो सेन्ट्रालैजेशन फिर के टूट जा सकता है ।

शुभ —

आप लोगों के आज्ञाधीन,

बिन्यामीन मिंज
इलाका सेक्रेटरी
३०.११.३८

N. Khalkho
Chairman
30.11.38.

7

Chatti 17.10.38

Manyawar Mahashay Secretary sahab ko yisusahai.
Lohardaga jane ka Information pake main Lohardaga Chairman ke pas gaya kyonki Lohardaga Chairman ko bhi waisa Information mila tha jis ke dwara kuchh arji athwa report bheja jawe. Chairman ke pas main ne apna ujur bichar ke liye pesh kiya aur arji kiya ki report bhej dewe :—

I Lohardaga men jiwan bhar rahne se hamara larkon ke liye nuksan hai kyonki Ranchi men rahne se to kam karenge nahin to kaise jiyenge, aur ham burha burhiya ke liye bimar ho jane se larkon ka madad darkar hai.

II Ap ko malum hai ki mere 2 nati Chatti Board school ke upper Class men parhti hain jin ka is sal akhiri baras hai.

III Ap ko malum hai ki Jonathan aur Sidhua mere larke se 100/- liye yah bolke ki Purohit hoke nahin denge 2 baras men lauta denge par ab 9 baras ho raha hai nahin pher dete hain bahut dhoka dete hain, dhittai karte hain jis ke karan bite sal money suit kiya gaya aur Rs 111/- ka Decree bhi mil gaya. Bad uske 50/- pher diye aur baki rupaiya pher dene ki charcha nahin karte hain jambhi un ko dene ka leyakat hai. Bar bar kaha jata hai ki ham log Ranchi jayenge pher deo nahin to wahan kya khayenge.

In 3 baton ko sun kar Chairman ne kaha ki bat to thik hi hai. Jab main ne kaha ki report mere taraph se bhej diyeye chahe mujh ko kahiye main report de dunga. C.C. ke bichar ke liye. Ab is duwi chitti ko pake ghabra gaya ki Chairman ne kya jane report diya ki nahin chahe kya report diya.

So mera report wahi hai jis ko main ne Chairman ko pesh kiya C.C. ke pas bhi bichar ke liye pesh karta hun.

Ant men meri arji hai ki Maha manyawar President Stosch sahab kripa karke ek bar Chatti awe bishes kar ke un rupaiyon ko dila pane ke liye.

Is der ke liye manyawar Secretary sahab se maph mangta hun

Ap ka agyadhin,
Dharmprakash
Minz
Chatti

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G.E.L. CHURCH
IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.

Memo No. 1657/38/F 2. Dated, the 11th Oct., 1938.

From :-
N. Topno, Esqr.,
Secretary,
G. E. L. Church, Ranchi.

To,
The Rev. Dh. Minz,
G. E. L. Church, Chtti.

Manyawar Padri Dharmprakash ko yishusahay.
Main ne ek kita arji ap ke pas bheja chuka hai ki ap Chatti ko chhor Lohardaga jaiye. Ap ab tak Chatti chhore nahin hain aur ap koi report bhi nahin diye ki ap kyon nahin chhorte hain. So ap ko yah dusri arji bheji jati hai ki ap jaisa bane bahut jaldi Chatti ko chhoriye.

Ap ka bishwast,

N. Topno.

Secretary,
G. E. L. Church.

Ranchi
2-4-38

मान्यवर चर्चकौंसिल को मेरा सादर प्रणाम
प्रेष्य महाशय -

महाशय, मैं ने जो दरखास्त चट्टी के पेन्सन पानेवाले पादरी बाबू धर्मप्रकाश मिंज के विषय लिखा हूं उसकी को फिरयाद दिलाता हूं और अर्जी करता हूं कि वे वहां से हटा लिये जावें - क्योंकि अब तो बराबर देखा देखी होता रहेगा - ॥

आप का विश्वस्त
पादरी इमानुएल लकड़ा।
चट्टी

Church Council
Received 4.4.38
Register No 375
Date 2.4.38
File 2
Reply No..........
Date..........

It should be sent through the Ilaka [illegible] 18/4

[illegible] से सूचना [illegible]
N.T.
Secy C.C.

Rev. D. P. Minj

Lohardaga Compound men bahut ghar khali hain. Achha hoga ki yahi Padri Lohardaga jawe aur koi ghar paka wahin rahe.

J. D. Tiga
20/5

To

The Secretary C.C.

Ranchi

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G. E. L. CHURCH
IN CHOTANGAPUR AND ASSAM.

Memo No 891 - 892/38/F 2, dated the 24th May, 1938.

The undermentioned document is forwarded to Rev. Dh. Minz and Rev. N. Khalkho, Chairman, Lohardaga Ilaka, for information and guicande.

N. Topno.

Secretary,
G. E. L. Church.

Rev. Dharmprakash Minz.
Minutes of the Full Church Council, dated the 20th May, 1938.
Item No. 14. (Afternoon)

" Rev. Dharmprakash Minz :- Kaha gaya ki Ranchi men rahne ke liye ghar nahin hain, achchha hoga Padri Babu Lohardaga jawen. Wahan un ko jiwan bhar ke liye ghar diya ja sakta hai. Wahan we kam men sahayta kar sakte hain."

चट्टो
२०-९-३८

मान्यवर महाशय,

आप चर्च को सेवक का मेरा बहुत२ यिशुसहाय- आगे आप की (प्रेसिडेन्ट साहब) १८-९-३८ की चिट्ठी १९-९-३८ को मिली और मैं सब हाल मालूम किया और उसी के विषय में कुछ कहना चाहता हूं - अर्थात मेरल के रेहस्त(?) बतलाने के विषय-

मैं २२ दिसम्बर १९३७ में अमकेरा(?) प्रचारकाम में अपना काम पूरा करके प्रभुभोज और स्नान के लिये गया, वहां एक लड़का (स्त्री) के विषय कहा गया कि वह संसारिक लड़का शादी होने के लिये चांदवासा के और से लाई गई है - निर्मल लकड़ा नाम का एक भाई ने कहा कि मैं ने उस को ऐसा ही लाया हूं मानो कि खरीद के - पर तौभी वहां शादी के समान हम को सब कुछ करना पड़ा और आगे कहा कि हम लोगों ने उस को स्नान लेने भर विश्वास के विषय सिखाया है - और आगे मुझ को अर्जी किया कि आज ही वह स्नान दिई जावे - सो मैं ने अपनी निश्चयता के लिये प्रभुदयाल करकेटा नाम का एक मुखिया भाई को सब चार्च के विषय सवाल जवाब करवाया और देखा कि वह स्नान पाने के योग्य है - तब मैं ने उसको उसी रोज स्नान दे दिया-

तिसके पीछे उसी निर्मल लकड़ा ने फिर भी कहा कि अब आप ही इस को शादी भी २२ ता में आज दी जिये - मैं ने कहा इतना जल्दी क्यों? उसने कहा मैं ने इसको शादी के नाम से लाया हूं एक प्रकार खरीद ही के लाया हूं सो अभी तो ये लोग (वह स्त्री और जिसको लिये लाया) मिलने को बहुत ही इच्छुक है। मैं ने कहा वह पुरुष कौन है? उसने जवाब में कहा मेरा जेठ साला - मेरल का जो एस. पी. जी. का है। मैं ने कहा एस. पी. जी. को मैं कैसे शादी देऊंगा - उसने कहा वह हमारे मिशन में आवेगा - मैं ने कहा जब वह हमारे मिशन में आ चुकेगा तब मैं शादी दे सकता हूं - पर तो भी २२ ता: में नहीं २२ ता: में होगा - और उसका नाम पुस्तक(?) को प्रकाशित करके चट्टो फिर गया-। उसी समय में निर्मल लकड़ा ने बतलाया कि एक बेर लड़का को दुल्हा दिखाने के लिये मेरल ले गया था (स्नान के पहिले)।

जब मैं चट्टो लौट गया तो उसी २२ + २२ तारीखों के बीच में कुछ रोज भाग के मेरल चली गयी थी- और किसी के आज्ञा(?) लाने से नहीं आई जब तब कि निर्मल लकड़ा नहीं गया- सो हो सकता है उसी समय में उसको एस. पी. जी. मराडवी(?) बाह्य(?) किये हो गे मैं नहीं जानता हूं-।

P.T.O

पीछे २२ दिसम्बर में फिर अम्बेला गया - और उसने निर्मल लाकड़ा ने शादी के लिये अर्जी किया - मैंने कहा एस.पी.जी. का आदमी है, एस.पी.जी. के चिट्ठी बिना नहीं हो सकता है - उसने कहा उसी से मांगिये - मैंने उस को कुछ न कहा क्योंकि उससे (एस.पी.जी.) से मेरा काम नहीं था - सो वह आप ही कहकर पादरी बाबू मेरा शादी दीजिये. मैंने फिर भी कहा कि आप तो एस.पी.जी. मिशन के हैं - आप उन्हीं के पास जाइये नहीं तो हमार और आप के पादरी प्रचारकों के बीच झगड़ा होगा - और इसी तरह से बहुत बातें की कहा जिस के जवाब में उसने कहा कि मेरा चाचा लोग मेरा शादी होना नहीं चाहते हैं और मेरे गुरु पुरोहित लोग भी उन्हीं की बातों को सुनते हैं - इसलिये मैं उनके साथ झगड़ते हुए उन को कह दिया कि अब मैं इस एस.पी.जी. मिशन में नहीं रहूंगा - सो मैं उसी दिन से एस.पी.जी. मिशन को त्याग दिया - और आप के मण्डली में आया हूं - मैंने उसको फिर कहा आप के एस.पी.जी. मिशन छोड़ने और लूथेरन मण्डली में आने का क्या निशाना है? अपना अपना निशाना दिखाइये - तब वह चला गया और कितने गवाहों के साथ एक मुचुलका मेरे लिये लिख दिया - तब अन्त में मैंने उसको अपना जानके शादी दे दिया और अभी ~~बाद~~ एस.पी.जी. का नहीं परन्तु हमार लूथेरान मण्डली का अंग मैं उस को जानता हूं -

महाशय, यदि इतने पर भी मेरा भूल हुआ हो अर्थात [illegible] के विरुद्ध बिवाह के साथ कोई समय में कुछ हमार चार्च कौंसिल में कुछ शर्त हुआ हो जिसको मैं नहीं जानता हूं तो मैं चार्च कौंसिल और बिशप साहिब के पास क्षमा मांगता हूं - आप लोग मुझ अज्ञान को क्षमा दे कर शिक्षा दीजिये -

मैं इस दया के लिये चिरधन्यवादी रहूंगा -

मान्यवर चार्च कौंसिल में वह मुचुलका इसी में नत्थीकर के आप को जानती के लिये और बिशप को दिखाने के लिये भेज देता हूं वह किसी के लिये न दिया जाय क्योंकि मैं इसको सबूत के लिये रखूंगा - अगर बिशप को देना हो कृपा या true copy दीजिये परन्तु असल हमीं के पास रहे -

आप का दीनदास
पादरी - इमानुएल लाकड़ा
चट्टी.

चहो
२०-२-३८

मान्यवर महाशय,

आप चर्च कौंसिल को मैं बहुत धन्यवाद-
आपको मैं एक लेटर भाई में जो अपनी बाबू धर्मप्रकाश
के विषय में भेजा था उसके विषय क्या हुआ मैं अब तक नहीं जानता
हूं - और इधर तो उनको अधिकार बढ़ता ही जाता है - ।
जो कुछ होता हुआ हुआ था है - उन्हीं का है और पश्चिम ओर
हाल में उन्हीं का है - परन्तु मैं उनमें अधिकार रखने चाहता हूं -
इसलिये मैं आप से अर्जी करता हूं कि आप इनको यहां से
उठा दीजिये और ले जाइये - भाइयों के साथ झगड़ा था
रविवार ने अपने कानों सुने हैं - मैं बहुत लिखने नहीं चाहता
हूं परन्तु इतना ही अर्जी करता हूं कि वे यहां से उठा दिये
जावें - ।

जो कुछ कम उचित जान पड़ा अर्ज पेश किया
आइन्दे हुजूर मालिक हैं।

Church Council
Received........
Register No........
Date........
....
No........
....

आप का आज्ञाधीन सेवक
पादरी इमानुएल लकड़ा
चहो

Chatti 6.1.1936

Manyawar Mahashay ko yisusahai.

Kabhi 2 log puchhte hain ki Retired Pastor log kya karte hain, kewal baithe rahte hain ki kabhi kabhi mandli ke kam men madad karte hain?
Chatti aise ekant jagah men hai ki Padri ko chhor aur koi nahin hai. Pracharak bhi nahin hai. Is halat men ham to praya har Etwar jab jab Padri dehat jata hai Girja karte hain. Yah niche ke Report se malum hoga :——

20th may 1934	ham	girja	kiya,	Padri	dehat	gaya.		
27th "	"	"	"	"	"	"	"	
3rd june	"	"	"	"	"	"	"	
8th july	"	"	"	"	"	"	"	
15th july	"	"	"	"	Padri Bhainomundo gaya			
29th july	"	"	"	"	Padri Chalho gaya			
5th Augt	"	"	"	"	Padri Bhainomundo gaya			
16th Sept	"	"	"	"	Padri bimar tha			
30th Sept	"	"	"	"	Padri Murbo gaya			
7th oct.	"	"	"	"	Padri Chalho gaya			
4th Nov.	"	"	"	"	Padri Hurhuri gaya			
11th Nov.	"	"	"	"	Padri Bhomo gaya			
18th Nov.	"	"	"	"	Padri Ambera gaya			
2nd Dec.	"	"	"	"	Padri Bhainomundo gaya			
16th Dec.	"	"	"	"	Padri Chato Kairo gaya			

3rd Febr.	1935	ham	girja	kiya,	Padri Lohardaga gaya.
17th Febr	"	"	"	"	Padri Lohardaga gaya.
24th Febr	"	"	"	"	" " "
3rd March	"	"	"	"	" " "
10th March	"	"	"	"	Padri Harhai gaya.
17th March	"	"	"	"	Padri Lohardaga gaya
24th March	"	"	"	"	" " "
2nd June	"	"	"	"	Padri Kumar hua
9th June	"	"	"	"	Padri Murto gaya
16th June	"	"	"	"	" " "
23rd June	"	"	"	"	Padri Cheoma gaya.
7th July	"	"	"	"	Padri Phamo gaya.
14th July	"	"	"	"	Padri Chalho gaya.
21st July	"	"	"	"	Padri Naraoli gaya.
28th July	"	"	"	"	Padri Phamo gaya.
25th Augt	"	"	"	"	Padri Naraoli gaya.
8th Sept	"	"	"	"	Padri Phamo gaya
15th Sept	"	"	"	"	Padri Bhaimundo gaya
29th Sept	"	"	"	"	Padri Harhai gaya
13th Oct	"	"	"	"	Padri Amlesa gaya
3rd Nov	"	"	"	"	Padri Lohardaga men Communion aye the
10th Nov	"	"	"	"	Padri Shiksha Class ke liye Ranchi gaya.
17th Nov	"	"	"	"	Padri Shiksha class men
1st Jan.	1936 (Naya Sal)			"	Padri Shadi dene Chalho gaya
5th Jan.	"	"	"	"	Padri Murto gaya.

Girja karne ko chhor Padri ke garhazir men ham ne bite sal ek mritak ko gara. 2 larkiyon ko Drirhikaran sikhlaya. Is ko chhor kabhi bhaiyon ke pas jate hain. Agar zarurat ho to C.C. men pesh kariye. Ap ka bishwasi,

Dharmprakash Minz,
Retired Pastor,
Chatti.

(1.)

महामान्यवर महाशय श्रीमान Director Stosch साहिब को मुझ अधम दुर्भागी का दीनता पूर्वक बहुत २ योशुसहाय।

महाशय आप हमारे गुरु और धर्मबाप हैं आप हमारे स्कूल में पढ़ते समय की चाल और मंडली में काम करने के सारे हाल के जानकार हैं। आपको यह भी बिदित है कि बिलायत में लड़ाई होने से आप लूथरान मिश्नरियों के बिलायत चले जाने पर गांगपुर, बमड़ा और सम्बलपुर की लूथरान मंडलियों को मुझ गरीब, अयोग्य, दुर्बल जन ने ईश्वर की सहायता से १२, १३ बरस लों आपने बिश्वास में दृढ़ ठहरने को चलाया। मतवालापन और कुचाल को रोकने के लिये पंचों के जोर करने से एक हजार भाइयों में से निकला और कितने भाइयों को S.P.G. मंडली में मिलने को लिये चलाया, उनके घर २ जाके उनसे सही लिया सो उनमें से कितने उस मंडली में चले गये पर वह आप इसी मंडली में घुसा रहा। यह बात पिटर हुरद बाबू को जब वह राजगांगपुर आया था तब बतलाई गई है पर उसने इस बात का कुछ भी ध्यान और बिचार नहीं किया। मिश्नरियों के यहां वापस आने पर रानीबान्ध और तिलाईमुन्डा के १०, १२ घरों को छोड़ जो S.P.G. मंडली में गये पादरी डिक्लर साहिब ने सारी मंडली को आपने बिश्वास में पाया।

आप सारी मंडली के बाप, इस दुनिया में हमारे लिये ईश्वर की जगह में हैं सो मैं अयोग्य, दुर्भागी जन आप धर्म्मी न्यायक के दयावन्त और प्रेममय चरणतले निम्नलिखित दीनहीन अर्जी को गोहार पेश करता हूं, यह आशा कर कि आप महाशय धर्म से न्याय कर मुझ लाचार शोकित जन को शांति और दयापूर्ण उपकार से भरपूर करेंगे।

मार्च महिना १९२८ ई॰ में पादरी डिक्लर साहिब मर गया। उसके पीछे उसकी बेटी मिस्स अन्नी डिक्लर मंडली सुपरवाइजिंग का काम चलाती थी। वह बहुत चुगली सुन्नेवाली थी इसलिये १९२९ ई॰ में चुगली सुनकर उसने कई बेर अकारण मुझ को असहाव गाली की बातें सुनाई थी। एस॰ पी॰ जी॰ और रोमन मंडली के मेरे कुटुम्ब के लोग मेरे घर ~~घर~~ अक्सर आया जाया करते हैं। एस॰ पी॰ जी॰ मंडली का कोई भाई मेरे घर आया तो मेरे बिरोधी पड़ोसी अथना सियुस कुजूर की स्त्री इसको देखकर मिस्स के पास जाके चुगली कर देती थी- तब मिस्स मुझ को बुलाकर कहती थी कि आप तो एस॰ पी॰ जी॰ मंडली जाने चाहते हैं, जाइये २ एस॰ पी॰ जी॰ हो जाइये उधर तो आप के सब आदमी हैं, आप के जाने से लूथरान मंडली की कुछ हानि नहीं होगी। फिर जब रोमन मंडली के कोई २ आते थे तब उसी औरत के चुगली से मिस्स मुझ को बोलती थी कि अब तो आप रोमन हो जायेंगे जाइये २ यहां मत रहिये। एक बेर यहां की लड़की बोर्डिंग में कपड़ा, बर्तन और थोड़ा पैसा चोरी हुआ उस समय भी बिरोधियों के चुगली करने से मिस्स साहिबा मेरे घर खाना तलाशी करने आई और मेरी बेटियों को बिना कसूर, तुम झूठी लोग हो नरक में जाओगी- तुम लोगों ने चोरी किई है, मत छिपाओ बोलकर गाली दिई और बेइज्जत किया। इसी का- ~~का~~ रण से प्रचारकों की मीटिंग में इस बात की फैसला किई गई और मिस्स साहिबा ने रो २ कर मुझ से मुआफी मांगी।

१९२९ ई॰ में ही अथना सियुस कुजूर के साथ बारी जमीन के बिषय में मेरा मोकद्दमा शुरु हुआ- इस मोकद्दमा में भी पंच गवाहों से बिना जांच करके मिस्स साहिबा ने मुझको कई एक अनुचित बातें सुनाई- इस मोकद्दमा में मेरे ५ गवाह थे- जिसका खेत मैंने लिया है वह भी गवाह

था। संतों ने ठीक और सच्चा गवाही दिया। इस कारण से हाकिम ने मेरे बेटे को मुँह पर कह दिया, साबाश लड़के तुमको डिग्री मिल जायगी। इस बात को सुन कर अथनासियुस ने सुन्दर-गढ़ जाके हाकिम को घूस दिया- जिस कारण से हाकिम ने घूस पाकर मेरे मोकद्दमा को डिसमिस्स कर दिया। डिसमिस्स का हाल अदालत में नहीं सुनाया गया पर चपरासी के मारफत नोटिस के द्वारा जनाया गया। जिस रोज अथनासियुस को यह हाल मिला उसने अपने घर में ९ बमके गोला और कई सौ फटाका छोड़ा। फटाका मेरे घर की भीत पर भी फेंका गया जिस से मेरा एक लड़का को आंख में चोट लग गई थी। अथनासियुस अपने दल के लोगों के साथ खा पीकर रात और दिन आनन्द और गीत गोबिन्द करता था। सब मिलकर आनन्द से चिल्लाते थे "जुजुर की जय, चडरा की क्षय"। और यह गीत गाते थे "चेत मन में रख चडरा चेत मन में रख, जाना होगा चडरा चेत मन में रख"। यह सब असहनीय अपमान और निन्दा हमों ने धीरज से सह लिया। जौभी मिस्स साहिबा और घोषो बाबु निकट ही मिशन हाता में थे तौभी किसीने उन-को ऐसा करने से नहीं बर्जा। अपील करने पर भी मेरा अपील नहीं सुना गया। ४, ५ बरस तक यह मोकद्दमा चलता रहा- अन्त में हाकिम ने अथनासियुस के चलाने से मुझको १९८) रुपैया उसके लिये मोकद्दमा का खर्च दिलवाया। जिस हाकिम ने मुझ को खर्च भराई दिलवाया वह १९३४ ई० के सेप्टेम्बर या अक्टोबर महिने में मर गया- पीछे खर्च भराई लेनेवाला भी उसी साल के दिसम्बर महिने में मर गया। नीतिवचन २२, २२-२३॥

मोकद्दमा में डिग्री पाने के पीछे १९३२ ई० में अथनासियुस जुजु और प्रभुसहाय मेंग्राने मेरी दो बेटियों को मुद्दई और मुद्दालेह से बिना पूछे और बिना इज़हार लिये पेंच में शक से दोषी बनाया और कौंसल में लिखा पढ़ी करके मंडली सजा दिलवाया। मंडली सजा का पुकार इलियाजर पादरी ने लड़कियों से कटनी दान ले लेने के बाद गिर्जे में सुनाया। कौंसिल और मंडली के मालिक लोग आज तक कुछ भी बिचार नहीं करते कि कहां तक यह बात सच था- या झूठा- पूरा ३ बरस बीत गया पर आज तक न तो लड़कियों का दोष पूरा सबुत किया जाता न तो धार्मिक हाकिमों का शक (सन्देह) मिटाया जाता है। अफसोस की बात है कि मेरी दोनों बेटियों को तो शक से मंडली सजा दिया गया पर जिन २ लड़कियों का पाप साक्षात देखा गया और देशी पादरी इलियाजर और मास्टर लोग भी जानते थे उनका पाप क्यों ढांपा गया, उन को क्यों मंडली सजा नहीं दिया गया? उनको इलियाजर पादरी ने फ़ीस पाने के लोभ से बिना रोक सादी दे दिया। काहे को ऐसा अन्याय और अंधेर हमों पर किया गया- यह हमारा बूझ से बाहर है। क्या हमारा करता समूचा मंडली का और ईश्वर का बैरी है? इलियाजर पादरी अपना इज्जत बचाने के लिये झूठ बोलके कहेगा मैं कुछ नहीं जानता हूं- पर मेरा कहना है कि पादरी को अपना मंडली के हरेक प्राणी का लेखा देना है इस लिये मंडली के हरेक जन का चाल जानना आवश्यक है। पादरी अमर प्राणों का चरवाहा और रखवाला है जो अपनी भेड़ियों का चाल और हाल नहीं जानता है सो बैल भेड़ बकरियों का पेटपोसु मजूर है। इलियाजर पादरी ने थोपबेरना के प्रचारक मरकुस की स्त्री मेरी को कहा है कि भलाते आदमी की लड़कियों का खराब हाल सुना और जानते हैं पर क्या करेंगे- कोई मुद्दई खड़ा होने से तो हम कुछ कर सकते। कुमार केला के युसुफ खलखो की दो बेटियों का बुरी चाल यहां के कितने खिस्तान, हिन्दु, और मुसल-मान लोग जानते हैं- दोनों लड़कियां दो बंगाली लड़कों से फंसी हुई थीं- छोटी लड़की का-मिला हुआ मर्द कोथु बाबु और बड़ी लड़की के मर्द का नाम- पोंकोज। छोटी लड़की तो ३ महिने का गर्भ लेकर पादरी के जानते में बाहर के एक लड़के से सादी हुई और ससुराल में (बोरु) सादी के ६ महिने बाद ही में बच्चा पैदा किया। इस कारण बोरुवाले ने लड़के को कुटुम्ब से

बाहर किया था। कुटुम्बों ने एक पतरा आन लड़के से लिया तब उसको कुटुम्ब भीतर किया यह प्रायश्चित्त उसके सिर पर है? फिर ऐसी कुमारकेला टोली के खिस्त प्यारा की बेटी बिनस की बुरी चाल ऐसी टोली के सब लोग, पैन और राजगांगपुर शहर के बहुत लोग जानते हैं पर न कोई मेंडली का कर्मचारी न कोई भाई बहिन उसको या उसके मां बाप को चिताते न कोई समझाई देते हैं। यहां के पोस्ट मास्टर ने मुझसे कहा है कि बिनस तो राजगांगपुर बस्ती भर की औरत है। यहां के मिशन कर्मचारी पेट पोसने वाले मजूर हैं, इसी लिये अमर प्राणों के लिये कुछ चिन्ता नहीं करते न उनकी सुधि लेते हैं।

चर्च कौंसिल ने मुझ बेचारे रोगी जन को बमड़ा स्टेट में सेवकाई का काम करने को ठहराया था सो मैं २,३ महीने में वहां जाकर मेंडली का काम करके लौट आता था। पिछली बेर १९३२ ई० दिसम्बर महीने में मैं देवगढ़ और खिलगीबहाल में मेंडली का काम करके लौट आया। १९३३ ई० जनवरी महीने में पादरी इलियाजर ने मुझसे बिना कुछ पूछ पाछ किये मेरे इलाके बमड़ा में जाके पू जोड़ों का सादी दिया और जितना सादी फीस हुआ सब आप ले लिया। मैं ने इस के बारे शुल्ज साहिब को सुनाया - वह मुझ को बोला कि जाने आने का खर्चा रेलभाड़ा आदि मैं दूंगा -। कितनी बहुत बेर मैं पैसा मांगने को साहिब के पास गया पर उसने उतनी बेर यह बोलकर मुझको ठगा कि अभी तक पैसा नहीं आया है। अन्त में कहीं पर पंचैयकार-के मुझको बोला कि भाई लोग आपको नहीं चाहते हैं। मैं ने कौंसिल के प्रेसिडेन्ट को भी इस बात के बारे लिखा पर उसने इसका कुछ बिचार नहीं किया और न मुझ को जबाब दिया।

१९३३ ई० फरवरी महीने में यहां स्कूल का बिषय मीटिंग हुआ जिसमें रांची से पादरी फ्रेहन साहिब और हेड सुपरवाइजर निर्मल सोय आये थे। उन्हों ने मीटिंग में मेरा खोज किया पर मुझको न किसी ने बताया न किसी ने किसी नोटिस दिया - मैं स्कूल मीटिंग से बिल्कुल अनजान था इसलिये मैं अपने काम में जंगल चला गया इससे मीटिंग में गैर-हाजिर हुआ। मीटिंग हो जाने के बाद एक चार दिन गुजरने के पीछे शुल्ज साहिब मुझको बड़ा गुस्से से बोले कि स्कूल मीटिंग में आप काहे को हाजिर नहीं हुए। मैं ने जवाब दिया कि मैं नहीं जानता था कि फलाने रोज मीटिंग होगा - मुझको किसी ने नहीं बताया न कोई नोटिस मिला। तब पादरी साहिब घुड़क के बोले - आप अभिषिक्त जन हैं - यह बात नहीं जानते हैं? । क्या इस दुनिया के सब अभिषिक्त जन सर्वज्ञानी ईश्वर हैं?।

पादरी शुल्ज साहिब जब सादी होकर मेम साहिब के साथ यहां लौट आये तब टोली में घर घर जाके भाई बहिनों से मुलाकात किये पर अफसोस कि हमारे घर नहीं आये। दूसरी तरह से जब कोई मेंडली के अफिसर लोग आते हैं तब पादरी साहिब उनके साथ घर घर जाके भाई बहिनों को देखते पर हमारे घर कभी नहीं आते हैं।

पादरी साहिब का ससुर जोन साहिब एक बेर यहां आये थे उस समय शुल्ज साहिब ने अपने ससुर को बताया है कि पुराना पादरी गिर्जा नहीं आता है क्योंकि मैं उसको यहां राजगांगपुर के गिर्जे में गिर्जा करने नहीं देता हूं। अब मैं ने साहिब से कहा कि मुझको यहां गिर्जा करने दीजिये - मैं ने तो बमड़ा की मेंडलियों में काम करने के लिये अर्जी किई थी।

सब से बड़ी बात जिससे हमारा मन अत्यन्त दुःखित है सो यह है :- यहां के एम० ओ० स्कूल को चलाने के लिये एक कमिटी ठहराने का हुक्म दिवान साहिब की ओर से आया था। कमिटी के मेम्बरों के नाम का लिष्ट भी दिवान साहिब से मंजूर होकर भेजा गया था। उसमें मेरा नाम भी लिखा हुआ था - पादरी साहिब ने हिन्दू मुसलमानों के साम्हे लिष्ट में मेरा नाम देख कर काट

"मैं इस आदमी को नहीं चाहता हूं यह तो Out caste (जातबाहर) है" और मेरा नाम लाल पेन्सिल से काट दिया। किसी ने पाद्री साहब को इस बात के बारे पूछा पर पाद्री साहब ने कहा कि हम तो कुछ नहीं बोलाते केवल नाम को काटा। सुननेवाले सब हिन्दू, मुसलमान और खृस्तान लोग भी जानते हैं। मैंने शुक्ले साहिब का कौन सा भारी पाप किया जिसके कारण मैं उसके जात से बाहर किया जाऊं? वह मनुष्यों को एक जात बनाने के लिये आया है कि जात से बाहर करने के लिये आया है?

पाद्री साहिब ने कितने बहुत जनों को हमारे घर आने से मना किया है - यह बोलकर कि "उनके घर मत जाओ - वे लोग बदमाश हैं -" और हमारे घर आये उनको गाली भी दिया है॥

महाशय - मैं पाद्री पद पाने के योग्य तो नहीं रहा और मेरी इच्छा भी यह पद लेने की नहीं थी - पर मृत महाशय कौश साहिब के मुझको चुने और आप धर्मात्मा ने मुझको अपना चोलर कपड़ा देकर इस पद को चढ़ाने के कारण मैंने यह काम किया और करता रहा - हजूर महाशय आप धर्म के हाकिम हैं सो मैं आशासहित प्रार्थना करता हूं कृपा करके धर्म और न्याय से उपरोक्त बातों का फैसला कर दीजिये - यदि आप को फैसला करने की कृपा न हो तो दया से इसका जवाब भेजिये - आपका रास्ता देखूं ॥

मैंने यहां के मंडली पंच को बहुत दिन में इन बातों का फैसला करने को अर्जी किई पर उन्हों ने आज तक नहीं किया इस लिये हजूर महाशय के चरणतले यह अर्जी पेश करता हूं ॥

Rajgangpur
22-11-35

आपका आज्ञाधीन आश्रित दास
Nathanael Sirkey
Kumarkela-near Mission Compd

To

The President,

G.E.L.(Autonomous) Church,

Ranchi

Dated Ranchi, Pathalkudwa, the 8th. January 1936.

Sir,

Ever since I have passed my Examination in Medicine I have the mind to serve the Lord in the capacity of a doctor. Unfortunately I have had no opportunity thus far. Now when as a member of the last Mahasabha I have come to a fuller knowledge about the situation of the Church, a strong desire is growing in my heart to offer my services as a doctor to the Church, so that through the occupation of physical healing. The Lord may bless me to preach the Gospel and render spiritual help to the patients.

In humble submission to this call, I beg herewith to offer my services to the Church and pray most respectfully that the Council will most kindly take me into service of the Church, for which act of kindness I shall ever remain grateful.

I have the honour to be ,

Sir,

Your most obedient servant,

Dr. Suleman Toppo

Pathal Kudwa

Ranchi

491/37/F.-2. 28 Sept. 37.

To,

The Sub-Inspector of Police,

Police Station Ghaghra.

Sir,

In forwarding the enclosed letter from Halan Toppo of Sibsereng in your jurisdiction,I bring to your notice a case of breach of peace,for your enquiry and for taking a legal steps to stop it.

As the letter is self explanatory I do not think it needs repeating the report of Halan Toppo of Sibsereng. But I request you kindly visit the place and after making an enquiry please take steps to stop all the disturbances.

Yours sincerely,

[signature]

Rev. J. J. P. Tiga B.
PASTOR & CHAIRMAN
G. E. L. CHURCH, LOHARDAGA.
(RANCHI, BIHAR) B. N. RY.

Church Council
Received 1.2.37
Register No. 526
Date 30.1.37
File 7
Reply No.
Date

LOHARDAGA
Dated the 30th January 1937

To, The Church Council,
G. E. L. Church, Ranchi

Dear Sir, A meeting of the Executive of the Lohardaga Ilaka Panch in conjunction with the teachers of the two Schools here considered the extremely difficult task of the Ilaka in maintaining the Mandlis & the Schools. We discussed over the Financial situation of the Ilaka, the need of the Mandli Karmcharis and the monthly demands for the schools. It is accepted by all that the burden is too big and the Ilaka Chairman has been asked by the said Committee to represent this case before the ensuing Full Council. I therefore request you to kindly place the matter before the Council and allow me to represent the case.

Yours Sincerely
J. J. P. Tiga
Chairman.

File

Rev. J. J. P. Tiga B. D.

PASTOR & CHAIRMAN
G. E. L. CHURCH, LOHARDAGA.
(RANCHI, BIHAR) B. N. RY.

17/11/36

LOHARDAGA

Dated the 16th. Nov. 1936.

Church Council
Received 18.11.36
Register No. 457
Date 16.11.36
File 2
Reply No. ....
Date ....

To,
The Secretary,
G.E.L.Church Council,
Ranchi.

Dear Mr. Kandulna,

This is to inform you that our monthly meeting was held last Tuesday the 10th. inst. when we talked about our representation and I told what I heard from the members of the Church Council at the last meeting. We have decided not to withdraw the representation.

I remain,
Sincerely Yours,
J.J.P. Tiga 16/11/36

1216

श्रीयुक्त महामान्यवर सेक्रेटरी चर्च कौंसिल लूथरन मिशन
छोटानागपूर और आसाम के निकट दीन प्रार्थना।

महाशय,

सुननेमें आया है कि बुड़जुके हेडमास्टरको अपना काम छोड़ने का हुकुम हुआ है, सो हेडमास्टरकी एक जगह खाली होती है, अगर यह बात सत्यही है तो हम निम्न लिखित दीन प्रार्थना आपके कमल चरणों पर शुभ विचार के लिये अर्पण करते हैं कि :-

(१) लोहरदगा के वर्त्तमान हेडमास्टर बुड़जुके स्थानीय जन हैं जिससे उनके लिये बुड़जुहीमें हरएक बात की सुविधा होगी। मंडलियों और कौंसिलकी आर्थिक कठिनाईके कारण हमारे स्कूलोंको आर्थिक घटी सहनी है। यहांके वर्त्तमान हेडमास्टर बुड़जुके स्थानीय जन होकर इस आर्थिक कठिनाईको लोहरदगाकी अपेक्षा बुड़जुहीमें अधिक सह सकेंगे। आजकल की मंडली की दशा के अनुसार मालूम होता है कि स्कूलके मास्टरोंको मंडलीमें आर्थिक और आत्मिक उन्नतिके लिये सहायता देनाही होगा, इस बातमें भी ये बुड़जुहीमें अधिक सहायता पहुंचा सकेंगे और सफल भी हो सकेंगे।

(२) हालहीके कौंसिलके फैसला अनुसार लोहरदगा इलाके को स्कूल के लिये मासिक १२रुपये देना होगा, इलाके के आमद खर्चको देखने से यह बात पूरी होनी बहुतही कठिन मालूम होती है।

P.T.O.

सो इलाके को यही सहज मालूम होता है कि यहां के इलाका चेयरमैन Rev. J. J. P. Figa ही स्कूल के हेडमास्टर भी रहें।

(३) इलाके की दुर्बल अवस्था के कारण एक ६० रु. वाले पादरी को, स्कूलका भार न रहने पर भी १० रु. मासिक बेतन से अधिक नहीं दिया जा सका है बीते महिना उनको केवल ६।=) दिया जा सका और इस महीने में १०।।।) दिया जा सका है, अब, जब स्कूल को १३ रु. महिना२ दिया जायेगा तो उस हालत में इलाका चेयरमैन को ४,५ रु. देना कठिन हो जायगा। अन्य कर्म्मचारियों को भी बहुत कम अनुपात में बेतन दिया जा सकता है, हम उम्मेद तो करते हैं कि इलाके की दशा सुधरेगी पर सुधरी हुई दशा में भी इतना अधिक भार उठाना बहुत ही कठिन है, तौभी हम कौंसिल के फैसला अनुसार स्कूल को सम्भालने की चेष्टा में हैं। बहुत दिनों से इला का देखती है कि लोहरदगा जैसे गरीब और छोटे इलाके के लिये यह प्रबन्ध जिसको इलाका सिफारिश करती है बहुत आवश्यक है।

(४) इसके सम्बन्ध में यहां के वर्तमान हेडमास्टर Mr. Z. Horo से राय लिया गया और वे भी इस शर्त पर कि उनको बुड़जु एम. इ. स्कूल ही में बदली किये जायें खुसी राजी से सहमत हैं।

P. T. O.

(५) मंडली की आर्थिक दशा को सोचकर इलाके को यह अच्छा उपाय सूझता है कि इलाका चेयरमैन हेडमास्टर होकर लोहरदगा पेरिश के चार्ज में रहें और सिकवार पेरिश के लिये एक पादरी या केंडिडेट दिया जाये। इसलिये लोहरदगा इलाके की दीन-अर्जी है कि अगर ऊपर लिखित बात सत्य ही है तो आप कृपया यहां के वर्तमान हेडमास्टर को बुझ्जु बदली करने की, और यहां के वर्तमान इलाका चेयरमैन को हेडमास्टर कर देने की और सिकवार पेरिश के लिये एक पादरी या केंडिडेट देने की कृपा करें।

इस उपकार के लिये हम आपके सदा हार्दिक धन्यवादी रहेंगे।

J. D. Tigga, 10/6
Chairman,

Z. Horo.
Secretary,
10-6-36

Rev. N. Khalkho.
10/6/36

Naeman Tirkey

J. Khalkho
Treasurer 10-6-36

Junathan Minj

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G.E.L.CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.
CHURCH COUNCIL KI KARYYAKARAK SABHA KI BAITHKI
Ta:16 June,1936.
---------oOo---------

4. Lohardaga Ilaka ki chitthi ta: 10 June,1936 ki chitthi parhi gai.
(1) Lohardaga Ilaka ko batlaya jay ki Burju ke Head-Master ki jagah khali nahin hai.
(2) Un ko yah bhi batlaya jay ki Church Council ki phaysla ta: ke anusar Church Council Ilaka Chairman ka Headmaster hona manjur nahin karti hai.

11. Mr. Lakra ki chitthi tarikh 6-6-1936 parhi gai jis men we likhte hain ki Jalka ganw ke log Roman Mandali men jane chahte hain.
Yah chitthi Padri Jilo Tiga ko bheji jay ki wah turant logon ko apni mandali men rahne ko samjhawe aur is ka report Council ko dewe.

Memo No.432/36/F.-2.

Dated Ranchi,the 17th June,1936.

Extract from the Minutes of the Church Council Executive of 16th June 1936 forwarded to the Rev: J.J.P. Tiga,Ilaka Chairman,Lohardaga Ilaka, Lohardaga,for information,guidance and compliance.

Secretary,
G.E.L.Church.

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G.E.L. CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM,
FURN CHURCH COUNCIL KI BAITHKI KA MANTABYA.
Ta: 22 May, 1936.
--------ooo--------

LOHARDAGA ILAKA PANCH KI MINUTE TA: 22 - 4 - 1936.

Ilaka Panch do janon arthat ek incurable burha aur ek pagal ke liye madat ki arji karti hai. Yah bichar hua -
(i) Incurable burhe ke liye Rev: M. Kerschis ne ek rupaiya aur Rev: W Radsick ne ek rupaiya 1936 December mahina tak pratimas dene ki bat dii. Church Council is madat ke liye sahben ko bahut dhanyabad deti hai.
(ii) Trustee Board se arji kii jay ki aise nissahay astar bastar bihin garibon ke liye koi Fund kholne ka prabandh kare.
(iii) Lohardaga Ilaka Chairman se arji kii jay ki ukt pagal ko Kanke Kanke Pagalkhana men bharti karne ke liye koshish kare.

Memo nos: 331-34/36/F.-2.

Dated Ranchi, the 25th. May, 1936.

Extract from the Minutes of the full Church Council of 22nd May, 1936 forwarded to the Revds: W. Radsick, M. Kerschis, J. Tiga & Mr. D. M. Panna, for information and guidance.

[signature]
Secretary,
G.E.L. Church.

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G.EL. CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.
PURN CHURCH COUNCIL KI BAITHKI KA MANTABYA.
Ta: 19 May, 1936.
---------oOo---------

7. PADRIYON KA TRANSFER AUR POSTING.

Badli aur bahali ki batchit ke arambh men Sikuwar Parish ki bat uthai gai jahan bartman men koi Padri nahin hain.
(k) Bichar hua ki jab tak koi dusra bandobast na howe tab tak Sikuwar Parish Lohardaga Parish ke Chairman ke jimma rahe aur in donon Parish Panchon ki bathkiyan do mahine men ek bar hua kare jiste Chairman ko donon baithkiyon men upasthit hone ki subista howe.

Memo no: 309/36/F.-2.
Dated Ranchi, the 20th May, 1936.

Extract from the Minutes of the full Church Council of 19th May, 1936 forwarded to the Rev: J.J.P. Tiga, Ilaka Chairman, Lohardaga Ilaka Lohardaga, for information, guidance and compliance.

P. Kandulna.
Secretary,
G.E.L. Church.

Church Council
Recvd. 8.5.36
Regd. No. 155
Date 22.4.36
File 2
Reply No......
Date......

Extract from the Minutes of the Executive
of the Lohardaga Ilaka Panch.

22.4.36.

Item No. 6 Pagal aur uski mata ka ghar aur lalan palan :-
Inke bare bat bichar kii gayi aur Mandli ki arthik kathinain ko dekh kar yah sankalp kiya gaya ki : Manyawar Church Council ko likha jawe ki unka ghar aur jiwika khatre men hai,so wah unke liye uchit prabandh karne ki kripa kare.

File 25/5

Item No.7. Mali Khristanand :
Iske bare bhi sankalp huwi ki : Church Council ko likha jawe ki Khristanand Mali ke jiwika ke liye bhi prabandh karne ki meharbani kare.

....

Forwarded to the Church Council, for their favourable considerations.

J. O. Tiga

Chairman,
G.E.L.Church, Lohardaga.

Explanation : the two mentioned above are " incurables ". The Pagla's mother has been sent by the Council with the Pagla to take care of him.

Church Council
Received 17.4.36
Register No. 114
Date...
File... 2.
Reply...
Date...

7

For Full Council

To,

The Church Council,
G. E. L. Church,
Ranchi.

Dear Sir,

I beg most respectfully to request you to kindly send me my C.C. allowance for January, February, March and April 1936 @ Rs 10/- p.m. as I have been getting according to the C.C. decision of the 23rd February 1935. Further I request you to kindly reconsider the case and make it Rs 20/- per month because I do not get even Rs 12/- p.m. from the Ilaka. When I was asked to leave the school, I was given the hope to be paid Rs 45/- at least p.m. the amount I was getting from the school. I hope the C.C. will do its best to see that I get at least Rs 45/-, say Rs 20/- from the Council and the rest from the Ilaka although I do not expect more than Rs 15/- p.m. from the Ilaka – meaning I shall sacrifice whatever the Ilaka will fail to pay me.

I remain,
Sir,
Yours Sincerely,
D. P. Tiga

File

Rev. J. J. P. Tiga B. D.
PASTOR & CHAIRMAN
G. E. L. CHURCH, LOHARDAGA.
(RANCHI, BIHAR) B. N. RY.

7

LOHARDAGA

Dated the 29th.April *193*6

Fr. Council

The Sectretary,

C.C.,G.E.L.Church, Ranchi.

Dear Mr. Kandulna,

May I remind you about my emolument of Rs. 10/- p.m. from the Church Council,and request you to kindly instruct the Treasurer to send me Rs.40/- for January February, March and April 1936.

Apart from the question of business, it is under extremely difficult circumstances that I am compelled to urge upon the C.C.to abide by their decision

On 29.11.34 it was decided that I should leave school and take up work in the " mandli bibhag " in the face of the fact that I was doing satisfactory work in the school and was getting Rs.45/-p.m.Those who proposed and those who supported and

in fact the whole Council expressed that I should not be a loser materially and if there was anything like putting me to material loss, a number of the members would not have agreed to relieve me from school. The same day my salary scale was fixed at Rs.60/-p.m.

On 30.11.34 it was decided that I should have a claim on the Central Fund.A committee was formed to decide how much I should get from the C.F.but the Cee.has not yet done its task.The C.C.therefore, decided on 23.2.1935 that until final decision I should be given Rs.10/-p.m.from the C.F.

I am exeeedingly sorry when I remember in what great hurry I was removed from school ~~and~~ on one hand and what great disinterest and lack of initiative in the question of making due provisions for me, on the other.

Yrs. Sincerely,

J.D. Liga

[illegible] 23/5

Disposed of
File
[illegible] 25/5

ल्यूथेरन- चर्च -कौंसिल- के रांची- के निकट निवेदन-

महाशय,

आप- के- विचारार्थ- निम्न- लिखित- बातें मुझ- गरीब -से- पेश- की- जाती- है।- और- मुझे पूरा- भरोसा- है -कि- आप- मुझ- गरीब- की- दशा पर- उचित- विचार- कर- दया- करेंगे।—

1 मैं एक- इनकुरेवल -जन- हूँ।

2 ~~मैं~~ मेरे- चार- लड़के -वाले -हैं अतः हम लोग- घर- में ~~दु~~ प्यासी होते हैं

3- कमाने खाने- का- ~~का~~ सामर्थ- बिलकुल- नहीं है और- न- खेत- बारी ही- है।—

4 मैं करीब 30-40 वर्ष -से -मिशन- के- जरिये- परिवारिस पा रहा हूँ।-

5. दुःख- का विषय- है कि इस -साल- से- बिलकुल सहायता- मिशन -से -नहीं -पा- रहा हूँ- जिसके बदल से- बाल- बच्चों- समेत -बहुत- दुःख हो- रहे -हैं।—

इस- लिये- गरीब- इनकुरेवल -का दीनविनय- है कि- गरीब- की दशा- का- विचार- कर -कुछ- सहायता ~~करने~~ -देने -का -उपाय- करेंगे- नहीं तो- गरीब बाल- बच्चों समेत- भूखों -मर- जायगा-

गरीब- आप- की- दया- और- प्रेम- के लिये नितान्त- धन्यवादी- होगा—

आप- का- दीन -कृपाभिलाषी-

१८-५-३६ ख्रिस्तानन्द पाल- का- अंगूठा छाप-

22/5

लुथेरान-चार्च-कौंसिल-रांची-के निकट निवेदन।

महाशय,

आप के विचारार्थ निम्न-लिखित बातें मुझ गरीब से पेश की जाती है। और मुझे पूरा भरोसा है कि आप मुझ गरीब की दशा पर उचित विचार कर दया करेंगे जिसके लिये मैं नितान्त धन्यवादी होऊंगी।

1. मेरा लड़का पागल है
2 मैं भी एक कमजोर औरत हूं
3. कमाने खाने का सामर्थ ~~[illegible]~~ बिलकुल नहीं है।
4 मैं करीब ५-६ वर्ष से मिशन से सहायता अपने और अपने पागल लड़के की परवरिस के लिये पा रही थी
5 इस साल से सहायता मिलना बिलकुल बन्द हो गया जिसके वजह से मैं और मेरा लड़का भूखों मर रही हूं।

इसलिये गरीब एक बुढ़ेवल दीन विनय करती है कि मेरी आर्त दीन दशा पर विचार कर कुछ सहायता देंगे नहीं तो गरीब अपने पागल लड़के के साथ भूखों मरजायगी।

गरीब आप की दया और प्रेम के लिये नितान्त धन्यवादी होगा

आइन्दे आप मालिक हैं।

१८-५-३६ आप का कृपाभिलाषी
रिखस्त मुनी का
अंगूठा छाप

Church Council
Received 11.10.35
Register No. 210
Date 11.10.35
File 2
Reply No. ...
Date ...

To. The Secretary, G. E. L. Church Chota Nagpur and Assam, Ranchi. 2

लोहरदगा इलाके के ग्रामसभा का संक्षेप रिपोर्ट।

आज ता: ८ अक्तोबर १९३५ को यह सभा पादी उर्बानुस कुजुर और पादी जिलो तिगा से बुलाई गई।

स्थान :— गिर्जाघर।
समय :— ८–११ बजे बिहान।
२–११ " रात।

हाजिरी :—
पादी 8
प्रचारक १७
प्राचीन ८
पंच 23
साधारण 36
भिजिटर १०
रिजार्भ 2
१०१

N.B. Visitors :— Rev. B. Minz. Mr N. Toppo. Pandit Masihdayal. Michael
Mr. Iswarsahay Kujur (Ranchi se).
Reserved :— Head Master of School Lohardaga and Rev. L. Jojowar.

Agenda :—

(1) चेयरमैन का रिपोर्ट। (Rev. Urbanus Kujur)
(2) (a) मण्डली का ग्रामशासन। } Rev. J. J. Tiga
(b) इलाके का ग्रामशासन। }
(3.) Rev. J. Topno और Rev. J. Lakra के विषय { Mr. N. Toppo, Rev. B. Minz, Rev. J. J. Tiga }
(4) Rev. Urbanus Kujur और Rev. J. J. Tiga के Suspension और पादी लूथर जोजोवार का भेजाजाना।
(5) चार्च कौंसिल का संगठन। } Rev. J. J. Tiga (N. Toppo. U. Kujur)
(6) महासभा का संगठन। }
(7) इलाका मेम्बरन का चुनाव।
(8) अन्यान्य बातें :— लोहरदगा पंच का प्रस्ताव (Secretary Mr. S. Lakra)

सभा प्रार्थना के साथ आरम्भ हुई (S.B. 139
(पादी उर्बानुस कुजुर से) दोहा 15.)

इस ग्रामसभा को चलाने के लिये पादी उर्बानुस कुजुर चेयरमैन और बाबु ~~[illegible] B.A.~~ सेक्रेटरी ~~और बाबु~~ इमानुएल खलखो सेक्रेटरी चुने गये।

~~(बाबु इम्मानुएल खलखो खजान्ची चुने गये)।~~

(1) चेयरमैन का रिपोर्ट:— पादरी उर्बानुस कुजुरने अपना रिपोर्ट इलाके के काम के विषय सभा को पढ़ सुनाया। —— इसपर सभामें बातचीत नहीं हुई पर गुहरा किया गया। इस रिपोर्ट में हेडमास्टर के विरुद्ध कई बातें थीं, मण्डली सम्बन्धी बहुत थोड़ी बातें थीं।

Not:— हेडमास्टर ने सभाके अन्तमें पादरी उर्बानुस कुजुरको इस रिपोर्ट में अपने काम के विषय की कई शिकायत की बातों का कैफियत देते हुए point by point पकड़ना आरम्भ किया, पहिला point था "हेडमास्टर इलाके के काम में सहायता नहीं करता है" हेडमास्टर ने अपना कैफियत सभाके आगे दखिल किया—जब सभाने देखा कि पादरी उर्बानुस कुजुरकी बात नहीं ठहरती है तब बाबु N. Toppo ने प्रस्ताव किया कि पादरी इस रिपोर्ट को withdraw करे (पादरी J. J. Tiga ने सामर्थन किया) सो पादरी उर्बानुस कुजुरने withdraw किया।
(इस रिपोर्ट का कोपि साथ में दिया जाता है)

(2)+(5)+(6) मण्डली आत्मशासन और संगठन।

पादरी J. J. Tiga ने कहा कि Autonomy ईश्वर का प्रबन्ध है इति। आटोनोमी का अर्थ बताया गया— वर्त्तमान आटोनोमीमें C.C. अपना अधिकार जमाती है और हम लोगों को धंगराई करवाती है। आटोनोमी में प्रेम मुल होना चाहिये। C.C. हमको पुरा आटोनोमी नहीं देती है। वर्त्तमान C C की जगह में Federal body होना चाहिये जिसमें हरएक इलाका federate करे और federal body प्रेमसे अपना सलाह (advice) देवे न कि अधिकार जमावे। Seminary भी इसी federal body से चलाया जावे। एक सभासद ने कहा कि आप लोग क्यों एक नई बात निकालते हैं, federation में भी कोई समय ऐसा ही गड़बड़ होगा तब क्या होगा। कौन्सिल रहे यदि कोई अन्याय है तो कौन्सिल में सुधार होवे १ कोरि १२, २१-२५।

(3) Rev. J. Topno और Rev. J. Lakra के विषय { Mr. N. Toppo, Rev. J. J. Tiga, Rev. B. Minj

इसविषय पर इन महाशयोंने बताया कि बीते रांचीमहासभा में क्या बात हुई और इसमे ऐसा भाव प्रगट किया गया कि Rev. J. Topno अपने प्रेसिडेन्ट पद से और Rev. J. Lakra C.C. मेम्बर होते से C.C. और महासभा से अन्याय से निकाले गये हैं। आमसभा से पुछा गया कि इन महाशयों के उपर अन्याय किया गया कि नहीं? उत्तर में

उत्तर में सभाने कहा कि हां, अन्याय किया गया है। वोट भी लिया गया और वोट में majority था–

सभाने फैसला किया कि– जब तक C.C. और महासभा अपने फैसला को रद्द न करे तब तक हम लोग C.C. और महासभा को मानने के लिये बाध्य नहीं हैं।

(4) Suspension और L. Jojowar :– Chairman उर्बानुस कुजुर ने सभा को मुंहजबानी बताया कि मैं और पादरी J. Tiga C.C. से सस्पेन्ड किये गये हैं– दोनों ने अपने सस्पेन्ड होने का कारण सभा को बताया– अन्त में सभाने कहा कि हम लोगों ने आप लोगों को सस्पेन्ड नहीं किया है C.C. ने किया है। हम उसको नहीं मानते हैं सो आगे भी पादरी उर्बानुस कुजुर यहां का पास्टर और जिलो तिगा हेड पास्टर रहे।

(7) इलाका मेम्बरान का चुनाव :– बाबु Prabhusharan Lakra B.A. सेक्रेटरी और चेयरमैन Rev. Urbanus Kujur और खजानची बाबु Immanuel Khalkho और दूसरे मेम्बरान चुने गये।

(8) अन्यान्य बातें– लोहरदगा पंच का प्रस्ताव (Secretary Mr. S. Lakra) चेयरमैन Urbanus Kujur ने कहा कि 20.दि.35 का फैसला जो C.C. Commission और लोहरदगा स्थानीय पंच से किया गया, इसको C.C. ने भंग किया है। C.C. ने हेडमास्टर को बदली न करके मुझे ही बदली किया है यह अन्याय है। और सस्पेन्ड भी किया है अन्याय से। मैं ने अपना प्रस्ताव स्थानीय पंच Secretary (Babu Prabhusharan Lakra) को दिया है सो पढ़ा जावे। सेक्रेटरी Prabhusharan Lakra ने पढ़ सुनाया जिसमें यह था कि Rev. J. J. Tiga स्कूल का Head master और Head Pastor रहे। पर कुछ बदल कर फैसला हुआ कि Rev. J. J. Tiga यहां के स्कूल का Head master और Pastor रहे। और इस के विषय स्कूल Head Supervisor से अरजी किई जाय पर और C.C. को न लिखा जाय– क्योंकि हम उसको नहीं मानते हैं॥

अन्त में मैं ने सभा के आगे खड़ा होके अपना कुछ

भाषण दिया — (a) मैं ने कहा कि दुनिया के सब संस्थाओं
में के अधिकार को छोड़कर देखिये कि एक घर में भी
अधिकार चलाया जाता है जिस में पिता अपने घर के लड़कों
वो अंगों पर अधिकार जमाता है। जो भी कोई अधिकार उस घर
के लोगों के लिये लेख में नहीं दिया गया है। कितना ही पर
पिता अन्याय - मदकी - आदि हो उस के लड़के उसको
पिता मानेंगे इति - आप लोग जानते हैं कि कौन्सिल का
जायदाद, स्कूल, मण्डली आदि सब कुछ है उपर उसका
अधिकार है और वह अपना अधिकार जमावेगा निश्चय -
आप लोग को कौन्सिल को नहीं मानेंगे। कौन्सिल को
मानना होगा, उसको आप लोग बदल नहीं दे सकते हैं
और न उठा दे सकते हैं वह सरकार से रजिस्ट्री किई
हुई है। यदि कौन्सिल में अनुचित काम हो बाते हैं तो
उसको सुधारिये पर यह कहना कि नहीं मानेंगे अनुचित
है इति (b) यदि आप लोग ऐसा गड़बड़ करेंगे तो शायद
और २ हानि होंगी — (c) मैं अरजी करता हूं कि इस आम
सभा के मिनिट की एक नकल C.C को दीजिये (d)
कृपा कर धीरज धरिये जब तक federation
सभा न आवे, आप लोग उस सभा को अपना दुःख
सुख लिख कर सुनाइये।

आम सभा प्रार्थना के साथ अन्त हुई।

आप का आज्ञाधीन सेवक

पादरी लूथर जोजोवार

G.E.L. Church
Lohardaga
11.10.35.

"Copy of the Report of the Chairman & withdrawn by him at the end of the meeting when the Headmaster began to take steps point by point!"

लोहरदगा का रिपोर्ट — by Rev. E. E. Kujur

आमसभा लोहरदगा इलाका. ८-१०-३५.

आम सभा को सभासद भाईयों को मेरा यीशु सहाय ... अ ... मण्डली ... ... हाल बताता हूं। —

(१) <u>मण्डली</u> — मण्डली का संगठन धीरे धीरे टूटती जा रही है - चर्च कौंसिल ने इस पर कुछ ध्यान न देकर अपनी कुलाई करती जा रही है पहिले बार इलाके को चोट आई - जब की Rev. J. J. Tiga जबराई से बदली किया गया - और उसके जगह में एक ऐसे जन को C.C. जबराई से भी जो कि इलाके के संगठन में और मण्डली के काम में सहायता न करता है बल्कि अनेकों रोकटोक किया करता है। Rev. J. J. Tiga में जो गुण थे — Athaslei Padri, Jonkh Samaj का अगुवा गरा का मास्टर थे। - उससे इलाके को बहुत आशा थी - कि और भी मण्डली के पक्ष सुधार से सिद्ध होते जाती पर आशा व्यर्थ हुआ और स्कूल में, बोर्डिंग में और मण्डली में अनेकों गड़बड़ होती जाती है। कैबर इसका रिपोर्ट J. J. को और चर्च कौंसिल को भी दिया गया पर चर्च कौंसिल ने इस पर तो उचित कार्रवाई नहीं किई बल्कि पक्षपात किई — और इसी बात के झगड़े में मुझे Suspend भी किई है। जिस बात को मैंने प्रचारक पनपंच में डाला और फैसला हुई है सो Secretary बतावेंगे। —

(२) स्कूल में और मण्डली में आत्मिक दशा:—

~~स्कूल में और मण्डली में~~ मुझे अफसोस के साथ बताना होता है कि यह स्कूल और मण्डली में घटती जाती है और इसका कारण मुझे जहां तक मालूम है कि मण्डली में गड़बड़ ही है। जब तक मण्डली के संगठन ठीक नहीं मण्डली में कुशल चैन न होगी। और जब मण्डली में चैन कुशल होगी तो मण्डली अपने आत्मिक और लौकिक बढ़ती के लिये उपाय करती पर अभी लड़ाई झगड़े में पड़के ऐसे बातों में ढीली हो गई है, जो होना न चाहिये। इसके लिये फिर भी उपाय खोजिये कि सत्यानाश न होवे पर फिर भी पनपे और अपनी सिद्ध अवस्था में पहुंचे - और यह काम प्रभु अपने आत्मा के द्वारा कर सकता है सो हम अपने पंच में, घर में मण्डली में और पंच ~~बैठकियों~~ बैठकियों में और सभाओं में उसके लिये विशेष जगह होनी चाहिये.

आप लोगों का अधम सेवक.

sd/ Rev. E. E. Kujur
8-10-35

File in Lohardugga File

In the Court of Munsiff,
Ranchi.

Money Suit No 643 of 1934.

Maharaja of Chotanagpur.......................... Plaintiff.

Vrs.

Board of Trustees of the Gossner Church Properties,Ranchi and others..Defts.

Written statement on behalf of Mr. P.Hurad one of the Defts in above suit.

1. That the pl aintiff has no cause of action for this suit and which is false and malicious and it is liable to be dismissed with costs.

2. That on the face of it the claim of the plaintiff is time-barred.

3. That the alleged lease which is the basis of the plaintiff's claim is an invalid document and as such is inoperative in law the gentlemen who purporated to have executed the same did so negligently in excess of the powers they held or at least did so in ignorance of their limitations and also in gross and culpable ignorance of facts.

4. That the lease dated 14-7-1921 alleged in the plaint had been obtained by fraud, coersion,misrepresentation and undue influence,and by suppression of the knowledge of all the relevent facts of the matter.

5. That the present defendants are not bound by or liable for the ~~facts~~ acts of their predecessors in office which were done in excess of their authority or ultra vires or against the local law,custom and usage.

6. That in his plaint the plaintiff has not disclosed the full facts of the case,nor did he do so in 1921 before the Board of Trustees of the Mission Trust of Northern India in charge of the G.E.L.Mission Properties in Chotanagpur(which Board was constituted by the Enemy Mission Act 1921,Act IX of 1921)

which was purported to have executed the alleged lease dated 14-7-1921 mentioned in para 2 of the plaint.

7. That the real facts of the matters are:-

(a) That by a Thica patta dated 24th February 1872 the German Lutheran Mission had acquired from the Maharaja certain properties in the town of Lohardaga for a period of 12 years ~~fx~~ from 1872-1883 for making German Lutheran Mission(as noted in the subsequent patta of 1885).

(b) That on the expiry of the term of the said patta a fresh document was executed under due authority by Babu Rakhal das Haldar Manager Wards Estate on the 16th of March 1885 in favour of Rev. F. Hahn representating the German Lutheran Mission granting a lease of the said properties measuring 18.24 acres for a period of 25 years from 1885 to 1909 on certain conditions(for which the defendant craves leave to refer to the document which he prays may be treated as the part of this written statement) from which it is cleared that though the lease was for 25 years it was of a permanant nature and the rent was fixed at Rs.10/- as annual rent.

(c) That after taking up the lease the said Rev.F.Hahn on behalf of the German Lutheran Mission acquired about 6.24 acres of land by four different documents dated 16th Aghan 1899,14th March 1900,24th April 1900,9th April 1901 for which the Mission had in all to pay Rs.1/2/- as annual rent.

(d) That the Mission regularly paid the said sum of Rs.11/2 being the total of the said sums of Rs. 10/- and Re 1/2.

(e) That during the first cadastral survey Settlement opera-tion the entire area of 24.48 acres was recorded under Khewat No.5 showing Rs.11/2 as rent payable with a note of remark coloum as being held under Registered Deed dated 16-3-85 for a period of 25 years from 1885 to 1909 A.D. which is obviously not com-plete and correct.

(f) That in the year 1914 a War was declared between Great Britain and Germaney and by proclamation and order of his Majesty in Council all properties belonging to the subjects of states

at War with His Majesty belonging to the local German Lutheran Mission were seized and taken charge of by the Government.

(g) That by the Act 14 of 1915 and Government notification their under and Act 10 of 1916 the afore-said properties belonging to the G.E.L.Mission including the properties the rent of which is the subject matter of the suit was ultimately by notification No.26 dated 4-1-1919, placed incharge of Mr.P.W.Murphy I.C.S. a custodian appointed under section 7 of Act 10 of 1916.

(h) That in pursuance of and order made by the Governor General of India in Council numbered 1758 dated 16-9-1919 the said Mr.P.W. Murphy a custodian transfered in Trust all the afore-said properties by an Indenture dated 13th October 1919 in favour of certain gentlemen who were subsequently created a corporated body under the style of the Mission Trust of Northern India by the Act IX of 1921.

(i) That by an Indenture dated 12th November 1929 the said Mission Trust of Northern India in exercise of the powers conferred upon them by the afore-said Indenture dated the 13th Oct. 1919 and Act IX of 1921 and with the consent and approval of the Governor General of India in Council transferred in Trust all the Properties included the aforesaid properties at Lohardaga to a Board of Trustees composed of the present defendants and the latter is still in charge of the same.

(j) That in the year 1921 when the period of the aforesaid lease of 1885 had expired 12 years before, the plaintiff, through his agent and the agent of the Mission Trust of Northern India, and without disclosing all the facts and by suppressing the real state of affairs under illegal pressure and threat of ejectment which he has no right to do obtained the aforesaid lease of 14-7-21.

8. That the members of the aforesaid Mission Trust Northern India having been kept in ignorance of the facts of the matter and under influence of a fraud perpetrated against them by the plaintiff and his agent and in excess of their power and authority were made to execute the aforesaid lease and as such it is not at all binding on or effective against the Board of Trustees or their cestui que Trust and the plaintiff can not get any advantage of it.

9. That the allegation in paras 1,2,3, and 6 are prima facie correct but when perused in the circumstances described in the foregoing paragraphs of this written statement are denied and this deft puts the plaintiff to the strict proof thereof.

10. That the payment of rent for the year ending with 31-3-1930 is admitted but that was the first and last payment by the Board of Trustees and was done in ignorance of the real facts of the matter an d further payments have been withheld in consequence of the discovery of the real facts.

11. That in the circumstances of the ~~xxxx~~ case the plaintiff is ~~xxxxxxxx~~ entitled to rent at the rate of Rs.11/2/- per year without any interest or damages.

12. That the plaintiff is not in any event entitled to interest as such or by way of damages.

13. That the Board of Trustees crave leave to reserve to themselves the right to take such action against the plaintiff in the above circumstances as,and if,they are so adviced.

14. That the defendant~~s~~ Mr.P.Hurad had been served upon by the summons in this suit for the first time on 5-6-1935.

15. That the allegations of the plaint which are not expressly and clearly admitted are denied and this defendant puts the plaintiff to the strict proof thereof.

Under the circumstances mentioned above it is prayed that the suit m ay be dismissed with costs.

I, Mr. P.Hurad son of Rev.M. Hurad one of the members of the defendant Board of Trustees of the Gossner Church Properties Ranchi and one of the defendants in this suit do hereby solemnly declare that the facts stated above are true to the best o f my knowledge and belief. Verified here at Ranchi this the 22nd day of June 1935,

DT.

I

२८/३/३४

आज ता. ४-३-३४ को लोहरदगा हलाके की बैठकी चर्च कौंसिल के कमीशन और मेम्बरों के साथ हुई।

बैठकी प्रार्थना से आरम्भ हुआ —

हाजरी — लोहरदगा पेरिश से — ५०

कुड़ु " " — ६१

चट्टी " " — ५

भिकवार " " — १२

मिलनों से — पादरी — ३

प्रचारक — २

मास्टर — १४

प्रधान — ५

Church Council
Received 28.3.34
Register No 817
Date........
File 2
Reply No........
Date........

चर्च कौंसिल मेम्बर — पादरी जोहन तोपनो प्रेसिडेन्ट

" जुएल लकड़ा विजिटर

बाबु निमल सोय हेड सुपरिटेन्डेन्ट

बाबु सामुएल पुरती मैसेन्जर मेम्बर D.Board

संथाल के दो मास्टर — बाबु नैमन टोप्पो।

पंडित महीदयाल कुजूर

प्रेसिडेन्ट की बातें :— हम के बीच में कई रोक टोक के कारण यह बैठकी होने न सकी इसलिये मैं ने इस बैठकी को इतवार दिन बैठाया। इस बैठकी में जैसी हाजरी होने चाहिये वैसी न हुई तौभी जरूरी काम देख कर बैठकी करना पड़ता है

विचारकी बातें:— I लोहरदगा इलाके के कर्मचारियों में संगठन नहीं है जिसके कारण काम नहीं होता है।

II हाता में भी गोलमाल है। सो जवाब चार्ज कौंसिल को दिया जाय—

इन बातों को सुन कर कितने लोगों ने कहा कि चार्ज कौंसिल इन बातों को कैसे जानती है" पर उन्होंने सभा को नहीं बताया पर कहा कि पादरी बाबू उरबानुस कुजूर ने बातें लाल कुल हाल बताया है, फिर स्कूल को इलाके से कुछ सहायता नहीं मिलती है। इन्हीं बाते से चार्ज कौंसिल ऐसी बातों को जानती है पर सभा सन्तुष्ट न हुई और इसपर विचार करना छोड़ दिई।

लोहरदगा इलाके के हालत के बारे में अधिक लोगों ने इसप्रकार कहा:- संगठन टूटा नहीं है अनबन भी नहीं पर कै रोक टोक के कारण बैठकिया होने न पाई। सेन्ट्रालेज होता है नगदी नहीं पर प्रोपोरशन हिसाब में। महवारी बैठकिया पूरे तरह से होने न सकी और होना भी सम्भव ~~[illegible]~~ न दीखता है क्योंकि कै डिस्ट्रीक्टबोर्ड पास्टर ओनारेरी प्रचारक हैं अपना हिसाब रीपोर्ट भी दिया जाता है और प्रचारकगण में जरूरतपर घूमते भी हैं कै जगहों में पंच भाइयों से सिर्फ चलाये जाते हैं और वे भी हिसाब किताब देते हैं। ३ या ४ असल या पूरे प्रचारक हैं जो प्राय: जाते भी हैं पर उन्हीं लोगों से केवल बैठकी पूरी न हो सकती है।

Hd Master और शिक्षकों ने कहा कि संगठन ठीक नहीं है क्योंकि मददगारी
से ठकिया नहीं होती है और ऐसा संगठन ठहर भी नहीं सकता है न
केवल हमारी कांग्रेस पर जगत की भी कलिसियों की यही हाल है।

Hd Supervisor:— संगठन ठीक है पर इसका फल नहीं दीख पड़ता है
क्योंकि एक पेरिश से दूसरे पेरिश को मदद नहीं मिलता है फिर
स्कूल का भी मदद नहीं मिलता है।

Registrar Nirmal Lakra:— बड़ी खुशी की बात है कि चर्च
कौंसिल मेम्बर आते हैं और फल खोजते हैं पर मैं देखता हूं
कि कितने लोगों का खाना पीना, शिक्षा डालने तक पैसा नहीं
मिलता है कितनों को भोजन पाना बड़ा कठिन मालूम पड़ता है
और ऐसी दशा में आप लोग मण्डली के आमदनी खोजते हैं कहां
तक सम्भव है। आप लोगों को जो पाते हैं देना ज्यादे कठिन
नहीं पड़ता है।

पादरी बाबू उम्बोगस कुजूर:— मैं बीते साल बुलाये जाने पर लोहरदगा
का कुल हाल कौंसिल को बताया। वहां पर मुझ को जिला भी किया
गया पर जब फिर उसी को और भी सूचना चाहते हैं तो दुहरा देता
हूं। आज लोहरदगा इलाके की बुरी दशा पर विचार होता है पर मैं कहता
हूं गिरह हुई दशा क्योंकि आप लोग मेरे सेक्रेटरियों को और उत्साहित
भाइयों को बदली कर ऐसी दशा में ला दिये हैं तब मैं क्या
कर सकता जैसा गाड़ी में धुरी, दुल्हा के लिये पुरोहित, राजा के लिये मंत्री
वैसा ही चेअरमैन के लिये सेक्रेटरी है। अनेकों रोकटोक के कारण

कर्मचारियों की बैठकी होने न पाई कोई अनबन के कारण नहीं।
ज्यादि प्रचारक हैं जो ओनारेरि तौर काम करते हैं कोई तो स्कूल काम
अथवा खेती बारी का काम करते हैं। बहुत थोड़े हैं जो पूरे प्रचारक की
गिनती में हैं जो प्रायः आठ भी हैं पर कोरम न होने के कारण
कोई निश्चय काम, बात, विचार होने न पाया। सेन्ट्रालिजेशन नागपु-
री पर हिसाब में प्रोपोर्शन देने में होता है, मगर आप लोग
कर्मचारियों को समझा देते कि कोई बहाना न करते और सब
को सब महवारी बैठकी में आते तो अच्छी बात होती—

प्रेसिडेन्ट:- संगठन ठीक है आवश्यक नहीं है कहा जाता है तो हम
लोग ~~[illegible]~~ बैठकी बंद करेंगे क्योंकि हम लोग दोष पकड़ने
को विचार से नहीं आये हैं पर आप लोगों के सहायता के लिये

Silas Tiru — आने को उपदेश की बात कहते हुए बताया कि विशेष बात
है प्रभु को टेक पकड़ना चाहिये। मन मिटा है इसलिये आमदनी
नहीं है। दोषों को माफ करना चाहिये, पर कोई पादरी जिसका स्वभाव
बुरा है वह दूसरे जगह भी वैसा ही करेगा।

Joel Lakra:- एक बात छूट गई है S.P.G. जानेवाले के विषय चर्च
कौंसिल जानना चाहती है। इस पर एक दो मिले जो गुस्सा से पादरी
अथवा पर के S.P.G. ~~को~~ होना चाहते हैं अथवा दूसरे मिशन जाना चाहते हैं।
अन्त में लकड़ा साहेब बोले कि पादरी में अथवा कर्मचारियों में कुछ दुर्बलता
है इसी को ठीक करना चाहिये, दूसरे कार्रवाई नहीं करेंगे इस पर चर्च
कौंसिल मेम्बर सहमत होंगे। और तब प्रार्थना द्वारा सभा अन्त हुई।।

Rev. U.E. Kujur.

J. Khalkho
Honorary Secry.
4.3.34

Church Council
Received 19. 3. 34
Register No 278
Date 16. 3. 34
File 2
Reply No
Date

Lohardaga
16. 3. 34

Mahashay.

Ap ko mera bahut bahut
Yishusahay.

Main ab tak Danna binari se piril hun aur Padri sahab Christ Maghan Lakra bhi ab tak bimar hi hain. is liye sultanami hisab ko idher udher se khoj khaj ke banane me der ho gai hai. Anek rok tok aur bahane se karmchari gan mahwari meeting men hajir na ~~ata~~ ate the aur kis adhikans karmchari log to do tin kam ake karne wale hai aur honourary bahour kark hain aur un ko kuch hissa milta hai. milne par bhi nahi ate hai na report adi bhejte hai yadi E.C. ke sankalp ke anusar jo sarkular me diye ge the kiya jane na chalega.

yours faithfully
Rev. M. E. Kujur

P.C. Pracharkon ka Prachin hona aur pracharak panchayat ka andolan Padriyon ne aur Khet andolan E.C. ko hogya. Circular No 360, 361 – 5 July 1932

Church Council
Received 19.1.34
Register No. 619
Date 15.1.34
... 2
Reply No. ....
Date ....

Lohardaga 15.1.34

Manyewar C.C. ko yisusahai.
C.C. ki karyyakarak sabha ki baithki ka mantabya mujh ko mila.
C.C. mujh ko Pension lene ka Paramarsh detī hai, jis ko main manjur kartā hun aur darkhast pesh kartā hun ki mujh ko itnā Pension diya jay ki meri bhalai ho aur mujh ko takalif na ho. jiske liye main C.C. ka hardik dhanyabadi hounga.
Iis par bhi main mandli ke kam meṅ madad kartā rahunga.

Ap logoṅ ka kripabhilashi
sevak,

Rev. O.P. Minz,
Chatti.

5.3.34
741
3.3.34
2

~~Bat~~ 5/3/34

श्रीयुक्त महामान्यवर महाशय चार्च कौंसिल को आज्ञाधीन
दुखित सेवक का बहुत २ यीशुसहाय होवे ।

मैं दीनता पूर्वक हजूर महाशयों को जनाता हूं कि मैं करीब महीना रोज से बुखार और सूल बिमारी से पीड़ित पड़ा हूं, चलने फिरने की ताकत नहीं है, अलावे मेरी छोटी बेटी को बुखार वो मेरे बेटे को भी बुखार वो सूल बिमारी है, बिमारी के समय में वैद्यों डक्टरों को बुलाना फीस देना वो दवा बिरो खरीदना पड़ता है, वो आदमियों के आने जाने में खर्च बरच के कारण मैं तबाह हो गया हूं वो तलब तनखाह के बेठिकाने के कारण ऐसे दुःख के हालत में बड़े मुस्कीलता से दिन काटता हूं, अलावे डाक्टरों वो वैद्यों के फरमाशी खाने पीने के चीजों को जोगाड़ करने में वो घर का खर्चा चलाने में कितना अधिक ऋण कर्जा में फसाया हूं और पड़ जाता हूं ऐसे दशा में मेरी दशा सोचनीय हुई है और कुछ उपाय मुझ को नहीं सूझ पड़ता है। इस लिये मैं कौंसिल को अपना मा, बाप वो मालीक जान के अपना दुःख जनाके दीनताई से अर्जी बिनती करता हूं मुझ गरीब दुखित दास पर अनुग्रह दृष्टि करके सहाय वो उपकार कीजिये जिस दयादान के कारण मैं कौंसिल का सदा धन्यवादित होऊंगा

आइन्दे हजूर मालीक हैं ।

कुड़ु ता: २.३.१९३४ ई॰

आज्ञाधीन सेवक
Rev. K. M. Lakra.

पादरी बाबु महाशय ने अपने और अपने परिवार के बिमारी के हालत में जो दुःख तकलीफ का हालत लिखा है सो सच है मैं २८-२-३४ से ४-३-३४ तक वहां रहके अपनी आंखों से देखा कि बिमारी के समय उसके खर्च बरच में सोचनीय दशा है मैं उसके घर का हालत देख के बहुत शोकित हूं - इसी लिये मेरी आरजू भी है कि उसे सहायता वह कौंसिल से आरज करता है सो कृपा करके दिया जाय-
David Kujur

File. He has already been given Rs 10/=
[initials]
2/4/34

3.34

POST CARD

1924

INDIA

27.2.34

WRITING SPACE

Saui Padri Baboo
kya jane kab avenge
us ko us ne Khulasa
nahin batayga

ADDRESS ONLY

NINE PIES

INDIA POSTAGE

LOHARDAGA

RANCHI DELY.

The Secretary,
G. E. L. Church Council,
Lutheran Compound,
P.O. Church Road,
Ranchi

File

~~B.H.~~ 2/3/34

Chatti 27.2.34

Mangawar Mahashay ~~Mahashayon~~ Secretory Saheb ko Yisusahai. Sari Padri babu 25 February ko Chatti aye. Usi roj ham ne us ko Charge de diye. Charge leke we Lohardaga chale gaye. Wahan se Gumla Sabha aur Kya gaun ghar wapas chale gayenge. Ham apni pratigya ka anusar "ki Padri aur mandli Kam may madad karenge" Bhitha gaun men [illegible] sikhana shuru kar diya.

(C.C)

Ab ham ap logon ki pratigya (Pension ka ashra dekhte hain.

Ap logon ka sevak,

Rev. St. Minz.

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G.E.L. CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.
PURN CHURCH COUNCIL KI BAITHKI KA KARYYABIBRAN.
Ta: 14 Febrary, 1934.
----------000----------

15. LOHARDAGA ILAKE KI GIRI DASHA.

Lohardaga Ilake ki dasha par Padri Daud Kujur ki report ~~tahtax~~ tatha Head-Supervisor ki report bhi schoolon ke sambandh men hoke dii gai thi so parhi gai. Bahut badanubad hoke yah bichar hua -

SANKALP: (k) Ki President aur Head-Supervisor donon jan kuchh dinon ke pichhe Lohardaga Ilake men jake wahan ki bartman dasha par tadaruk karen aur phir wahan ki unnati ke liye kya bhala upay ho sakega us par sipharish karen.

~~(kh)~~,

Memo Nos: 840-41/34/E-2

Dated Ranchi, the 15th. February, 1934.

Extract copy from the Minutes of the full Church Council of 14th. February, 1934 forwarded to the Rev: J. Toppo & Mr. N. Soy, Siromtoly, for information, guidance and compliance.

G.E.L (AUTONOMOUS) CH...
RANCHI.
CHOTANAGPUR & ASSAM.

Secretary,
G.E.L. Church.

Church Council
Received 25.7.33
Register No. 351
Date 21.9.33
File 2
Reply No.
Date

File.

महा मान्यवर महोदय छोटानागपुर और आसाम स्थ लुथेरान कलिशिया के चार्च कौंसील को ज्योख सभा की प्यार पीयूसह य।

श्री मान आप को हम बहुत२ धन्यवाद करते हैं कि आपने पवित्र आत्मा के चलाने से भारी गुढ़ सोच विचार कर आटोनोमी आत्म सासन को स्वीकार किया और आज तक बड़ी बुद्धिमानी, गम्भीरता, औ धीरज के साथ व्यवस्था और सुयश सह के कठिन तक लीफ उठा कर आज तक सम्भाले है। और पूरा विस्वास है कि आगे सम्भाल रखेंगे भी।

श्री मान आप हमारे आत्मशासन रूपन मराड़ली का पिता स्वारुप हैं और मराड़ली के जितने अंग हैं सब आप के बालक बालिकायें हैं। फिर लुथेरान कलिशिया एक पेड़ की तरह है, जैसे पेड़ में कइ एक भाग हैं यथा जाड़ जड़, धड़, डाल, पत्ती इत्यादि। जैसे जड़ इनमें श्रेष्ठ है जड़ही से धड़, डाल, पत्ती आदि के लिये जीवन का भोजन पहुंचता है अगर जड़ रस न दे तो धड़, डाल पत्ती आदि मुर्झा जायगीं अगर किसी तरह जड़ में जखम हो जाय तो पेड़ के लिये मरना का कारण हो जाता है, योंहीं गाछ की सारी शोभा जाती रहती है। कौंसील कलिशिया रूपी आत्मिक पेड़ की जड़ है जिससे सारी लुथेरान कलिशिया को आत्मिक जीवन का रस मिलता है इससे कौंशिल रूपी जड़ में किसी किस्म का जखम नहीं होना चाहिये ताकि कलिशिया रूपी पेड की शोभा जाती न रहे।

2 योंही ज्योख सभा कौंशिल को जड़ मान कर अपने को पेड का एक छोटा हिस्सा पत्ती समझ

कर आपसे सहायता रूपी रस लेने की लाल-
सा रखती है ताकि अपनी हरियाली बनी रहे
और फूल फल योग्यतानुसार होवें।
खेद की बात है कि कितने श्रीमान बोध सभा
के काम काजों को देख सुन कर भी अब
तक विशेष ध्यान नहीं दिये हैं। आप ऐसा न
समझेंगे कि बोध सभा कौंसिल के राय की खिल-
ाफ कोई काम करेगी। बोध सभा यह विश्वास
करती है कि हम कौंसिल के आधीन रह कर उनके
अगुवाई अनुसार काम करेंगी।
(क) यह सभा हमारे स्वयंपालित मण्डली को सम्भालने
के लिये बहुत यत्न कर रही है।
(ख) यह सभा मण्डली की हर एक अंग को सच्चे मसीही
होने और सच्चे मसीहियों के ऐसे जीवन बिताने
की शिक्षा देती है।

३- कोन्डरा इलाका पञ्चों की ओर से एक अर्जी
पत्र आया है कि बोध सभा हमारे इलाके में भी
आके अपना काम प्रचार कर वहां भी बोध
सभा का काम जारी करे। तदानुसार हम ता. २९-
९-३३ को चलकर गुमला में सभा का काम
करेंगे। ता. ३०-९-३३को कोन्डरा पहुंच कर १-१०-
३३-रविवार को बोध सभा का काम करेंगे। अत-
एव मा. पा. जे. जे. पी तिग्गा साहब को भी वहां जाने
की अर्जी सभा की ओर से हुई है एवंम आप
से भी अर्जी किई जाती है कि मा. पा. तिग्गा साहब
को वहां जाने के लिये कृपा कर छुट्टी देंगे।

आप का शुभ आपके दर्शनाभिलाषी
बोध सभा की ओर से।

Nahum Kujur

21/9/33

Church Council
Received 16.8.
Register No. 162
Filed 14. 8. 33

INDIA POST CARD

WRITING SPACE

ADDRESS ONLY

INDIA POSTAGE
NINE PIES

HARDAG...
AUG 33

15 AUG. 33

raha hain. Siksha
Class ke liye bulake
in ka upay karne ko
thana hai par kanha tak
ban sakega so likhunge.
Chairman - Rev. U. E. Kujur
Secretary - Mr Hanukh Kujur
Treasurer - Mr. Eh. H. Horey
5 mica Kujur 1 Rev. M. Lakra
yrs. Faithfully 2 Rev. D. P. Minz
Rev. U. E. Kujur 3 Cate. L. Kujur
4 Mr. P. S. Kindo

To
The Secretary
G. E. L. C. Council
Luthran Compd.
Ranchi

Ack 15/8/33 Lohardaga
14. 8. 1933

Mahashay,

Ap ko mera bahut-bahut-jishuchay. Gharband ke Notice motabik main apne Ilake Pancho ke phirist ap ko likh bhejta hun per ap-shoch ki bat ki nam to hai par Panch Baithkion ke koi thikana na hai Ilaka Panch Baithki na Mahwari karmachariyon ki Baithki ka mahino se na holi hai, aur hi mahi chahte hain, nana prakar ke kahane hote hai. Hisab kitab lenden kuchh na hota hai: Sangathan tut gaya hai phir se karna muskil ho

Church Council
Received 11.7.33
Register No. 92
Date..........
File 52 or 2
Reply No..........
Date..........

197/33

To, The Lutheran Church Council,
Ranchi.

मान्यवर महाशय।

अभाग्यवश १९३२ में मैं ने अपने काम से स्तीफा दी और आज लों अपने घर में रहता हूं।

अब अपना घरवार अपने बेटे को जिम्मा दिया है और अपने लिये यह संकल्प किया है कि अपना बाकी जीवन समय जो होय उस को अपने घर से बाहर कहीं पर अन्त करूं।

इस लिये दीनहीनता से बिन्ती करता हूं कि कृपा से दाखबारी के किसी कोने को सेवकाई में बहाल कीजिये। जिस दया के लिये आजन्म धन्यवादी रहूंगा।

आप का सेवक,
मतियस टोप्पो।
जुलाई १९३३।

Church Council
Received 8.12.32
Register No. 431
Date 7.12.32
File 2
Reply No.
Date

[illegible] 7. 5.30 P.m.

7 DEC. 1932

To Secretary
G. E. L. Church.

7.12.32

Dear Mr. Burad,

During our visit to Lohardaga yesterday, I was struck at the gloomy note found in the compound and among the teachers of Lohardaga. This atmosphere was created by the removal of Babu Bishram Minz from the staff which again resulted in Minz's removal from Lohardaga itself. I with great regret learnt that Mr. Porgee of Latehar offered Mr. Minz a job and the job being that of working among the people of Ranka, who are willing to become Christians in our Church. This amounts to

Mr. Pryce's taking our own axe and cutting our own tree.

I think this will be most unwise on our part to let a thing of this type happen. As the custodians of the Autonomous Church and its Mission field it is our duty to retain Babu Bishram Dina by every means possible and I strongly recommend to the Church Council that ways and means ~~[illegible]~~ may be found out to retain the services of Babu Bishram Dina within the Ilaka of Lohardaga.

Yours sincerely

J. Lakra

Member - C. C.

996/32.
F.- 2.

28th. Nov: 32.

Manyawar Padri U.E. Kujur,

Ap ko mera Yishusahay! Main Ranka ke kaiek logon ka likha hua darkhast ap ke pas bhej deta hun ki ap Ranka ja ke in sab baton ke bare men pura taur se tadaruk karen ki ye sab baten kahan tak sach hai aur tab Council men is ka report bhejiye.

Age shubh,

[signature]

Secretary,
G.E.L. Church.

Secretary saheb, Lutheran Church Council, Ranchi.

Manyawar Mahashay,

Isi mahine ke 4 ta: ko Chiku Uraon aur Bhukha Uraon, Ranka riyasat ke Saraidih aur Karchali se Daltonganj ko Padri saheb ke pas aye the to malum hua ki ap ke taraph se ek prastaw aya jismen ap logon ne likha ki ham log ap ki mandali men shamil hona chahte hain aur ki ap hamare bich men kam karenge. Is bat ko sun kar ham donon apne ghar laut kar ek panchait kiye jis men lag bhag 20 ghar ke purush hajir the. Bat bichar kar ham logon ne yahi phaysla kiya ki ham log khas taur se Lutheran mandali men shamil hona nahin chahte. Ham log sochte hain ki agar Daltonganj ka mission ham logon ke yahan kam kare to ham logon ke waste har tarah se subhita aur bhalai banisbat ap logon ~~s~~ ke adhik achchha aur sahaj se bhi milega Isliye ham log yah arji ap ke pas bhejte hain ki ap ab ham logon ke yahan kam karne ka bichar band kijiye aur kisi ko na bhejiye.

Sd/- sahi Pithiya.

Sd/- Rati.

Sd/- Patra.

Sd/- Chikua.

True Copy

[signature]

25. XI. 32

Church Council
Received 16.11.32
Register No. 384
Date.........
File..... 2
Reply No.........
Date.........

16 NOV. 1932

To

The Secretary

Lutheran Church Council

Ranchi

महाशय

मैं आप की चिट्ठी न० 887/32 ता 8 November 1932 पाया और उस के अनुसार इलाके का कुछ रिपोर्ट और अपना नोभेम्बर का प्रोग्राम भेजता हूं।

जब से यहां एक रोमन फादर आया है तब से हमारे मण्डली के लोगों को बहकाना फुसलाना रोमी कलीसिया के लोगों से बड़ा जोर हो रहा है, खुद फादर भी और उस के प्रचारक लोग भी हमारे मण्डली की शिकायत करते और हमारे लोगों को रुपैया पैसा का मदद देने की प्रतिज्ञा करते हांड़ी दारू पीने को स्वाधीनता देते, नाच डेम करने देते हैं जो हमारी मण्डली मना करती है। हमारे बेंक के पैसों के कारण भी कै लोग उधर जाते हैं कि उन के बेंक से पैसा लाके भर देवें। कितने लोग तो दुर्बलता औ अज्ञानता से जाते हैं पर कितने तो ढीठ औ लालची, लोभी सुखविलासी लोग हैं जिन को समझाना व्यर्थ सा मालूम होता है। पर दुर्बल औ अज्ञान लोग तो साहस पाके और कुछ

बिचार करके फिर जा रहे हैं। सायद मेरे बिचार
में ठीक भी लालची लोग ही नहीं फिरेंगे।
अरांगी प्रचारक पन के तिलसोरी गांव वाले कुछ
जाने के ऐसे थे पर अब उन को कुछ सहास हुआ
और [illegible]ामियों के शिक्षा न पसन्द हुआ है। फिर सेरेंगहतु
वाले कोई २० घर तक गिर्जा जाते थे पर उनमें से भी
कितने फिर जावेंगे। जोंगी में अडवेंटिस्ट लोगों की
ओर जाने की बात भी अभी मिल जाती है। कड़ाक में
भी अरनो प्रचारक पनों की बात अब तक ठीक मुझे
मालूम नहीं है। इस लिये मेरा प्रोग्राम इस महिने
के लिये ऐसा है। 1-3 अरांगी तिलसोरी 4-5 लोहरदगा।
6-9 सिकवार, अरांगी, तिलसोरी 10-14 लोहरदगा, 15-18 कड़ाक
कुड़ 19-21 सिवसेरेंग 22 लोहरदगा- 23-25 अरनो
26-28 लोहरदगा 29-30 हेसवे ॥

अगर आप लोग आने सकते हैं तो अरनो 23-25 को
आईये। ये लोग छोटे लोगों के घर भी जाके फुसलाते
हैं तो और इन को क्या करें। जो उन के पास जाते हैं उन
को तो बहकाते ही हैं। पर कै जगहों में तो अच्छा निस्तार
भी किये गये और ऐसे जगहों में लाज से फिर न जाते
होंगे।

Yours obediently
Rev. H. E. Kujur

Memo.

From [stamp: Church Council Received 2.11.32 Register No. 3172 Date 1.11.32 File Reply No. Date]

2 NOV. 1932

To File

Date 1/11/32

To the Secretary
G. E. L. Church Ranchi

Dear Brother Hussain,
Visitors from Muffasils report that as the result of a vigorous effort of a Jesuit, several Lutheran families in the Lohardaga Ilaka have been won over by him to the Papist Church. I am told that many families from Serenghatu

Memo.

From | To | Date

Suleman Lakar from Chetri, Kam parish, Samuel driver from Tati Kura parish, Prem-prakash Lakra of Choto Kairo, Chatti parish, Phanuel of Dwarkkap, Chatti parish and others with families have gone over to the Romans. Unless the Church Council takes a vigorous action and makes a counter-propaganda, the Romans will cause great nuisance

Memo.

From | To | Date

throughout the Autonomous Ukraina, as it is learnt that the Jesuits have received special gifts of money from the Pope to win the Protestants in Czechoslovakia. I would urge on some kind of definite scheme to check the Romish propaganda.

Yours sincerely
[illegible signature]

इस लिये मेरा प्रोग्राम इस महिने के लिये ऐसा है।

1-3 अरांगी तिलसौरे 4-5 लोहरदगा। 6-9 शिकवार, अरांगी, तिलसौरे 10-14 लोहरदगा, 15-18 कड़ाक, कुडू 19-21 चिवसरेंग 22 लोहरदगा - 23-25 भरनो 26-28 लोहरदगा, 29-30 हेसेल ॥

अगर आप लोग आने सकते हैं तो भरनो 23-25 को आइये। ये लोग हमारे लोगों के घर भी जाके फुसलाते हैं तो और इनकी क्या कहें। जो उन के पास जाते हैं उन को तो बहकाते ही हैं। पर कै जगहों में तो अच्छा निकाल चो किये गये और ऐसे जगहों में लाज से फिर न जाते होंगे ॥

No: 951/32
F-2.

Extract from the letter of Rev: S. Kujur fixing his Programme. He wishes that we might meet him at Bharno.

Copy to Rev: M. Pruhn for information

[illegible]
19/XI/32

I cannot go on 23-25 as I am already fixed for Takarma.
MP

887/32.
F.-2.

8th. November, 32.

Piyare Padri Urbanus Kujur,

Ap ko Church Council ka bahut Yishusahay! Kuchh samay bite ki hamon ne suna ki Roman log aur waise hi Seventh Day Adventist log a ke Ilake men bishes riti se parishram kar rahe hain aur bahut jor kiye hain ki Lutheran logon ko apni mandali men lewen. Hamon ne bhi bare dukh ke sath yah suna hai ki ap ke Ilake ke kitne log un mandaliyon men jane ko phuslaye gaye hain. Bishwas men log drirh nahin hain aur dharma ki new pakki nahin hai, aur bheriyon ki uchit charwahi men bhi ghati hai isi liye hamare bheren dusri or bhatak rahi hain. So ap apne Ilake Panch men khub bichar kijiye ki sab Padri log apne Ilakon men barabar bhule phiren aur ghar ghar logon ke pas jake unko mandali men drirhawen.

Ap ko saharsh janata hun ki Council ne abhi yahi sthir kiya hai ki ap ke Lohardaga Ilake men ap logon ke bhulne men aur logon ko bishes jahan Roman logon ki bishes charhai hai wahan kam karne ke liye mahina Rs 10/- ap ko degi jisten saphar men madad howe. Age yah ki ap November aur December ka Programme apne saphar ka us <u>area</u> ya <u>field</u> ke liye banaiye jahan ki Romi aur Adventist logon ka bishes udyog hai aur Mr. Prehn aur main bhi samay samay par ap ke pas jake ap ki sahayta karenge. 1 ganw men 3,4 din rahna aur prachar karna bhala hoga.

So ap hamon ko shighr hal dijiye.

Age shubh
Ap ka Prabhu men Sahyogi.

[signature]

Secretary,
G.E.L. Church.

OFFICE OF THE SECRETARY LUTHERAN CHURCH COUNCIL CHOTANAGPUR & ASSAM.

----------oOo----------

EXTRACT FROM THE PROCEEDINGS OF THE FULL CHURCH COUNCIL DATED THE 4TH OCTOBER, 1932.

Read a letter dated the 13th. September, 1932 from Rev: R.P. Pryce wishing to know the attitude of the Lutheran Church Council as to the enquirers in Ranka and Resolved -

Resolution: That in as much as the Uraon people of Ranka preferably wish the Lutheran Church to work amongst them and are eager to join it, the Council of the Church can not refuse them Christian instruction and admittance into the Lutheran Church.

Memo no. 756/32.
F.- 2.

Dated Ranchi, the 5th. October, 1932.

Extract copy from the Proceedings of the Full Church Council of 4th. October, 1932, forwarded to the Revds: R.P. Pryce and U.E. Kujur for information.

Secretary,
G.E.L. Church.

Fil

~~B.H.~~ 23/9/32

India Mission of
CHURCHES of CHRIST
in Great Britain.

CHRISTIAN MISSION.

DALTONGANJ, E. I. R., BIHAR.

Preferred to the Ch. for the next Exe.
J.L. 17/9/32

Sept. ~~12~~13th 1932.

Rev. Joel Lakra, M.A.,

Ranchi.

Church Council
Received 23.9.32.
Register No. 283.
Date 17.9.32
File 2.
Reply No.
Date

Dear Friend,

I would like to know the present attitude of your Council ~~about~~ the Oraon enquirers in Ranka and Christian instruction for them.

The last talk I had with Urbanus Padre about two months ago did not lead to any definite conclusion. It was evident that he would like to go there but in the meantime the Deputy Commissioner dissuaded him from going. ~~there~~.

During the last month three of the leaders of the Oraons in Ranka have been here twice imploring me to arrange to send them a teacher. But this I cannot do until the matter is finally settled between yourselves and us as to who is to work this area.

We feel, that we have a good claim to be the responsible Mission for work there. It appears that you feel the same. Will a talk settle the question ? It would be very unwise for both of us to work there.

Kindly let me have your suggestions at an early date.

With greetings,

Yours sincerely,

R.P. Pryce

P.S. I enclose my T.A. bill for the trip to Ranchi last week to attend the Exec. meeting of the Council.

P%

666/32.
F. - 2.   25th. August, 32.

Rev: C.M.Lakra,
Kuru.

Rev: C.M.Lakra,

Ap ki chithi mujhe mili jismen ap Bhupan ki sadi ke bishay men likhe hain. Main Nagpur Conference ke liye gaya tha jisse ap ko jawab dene men der hui. Ap ki chithi main ne Executive men pesh kii aur us par batchit hui. Ham log yahi achha samajhte hain ki ap Karuna ko mere pas Ranchi shighr bhejne ka yatn kijiye kyonki usse batchit karna jarur hai.

Main yahan par Vakil Sailes Ghose se bhi batchit karunga. Kyonki adalat men jane se pichhe ham sabhon ko jhanjhat men girne parega so janenge. So ap jaldi Karuna ko mere pas bhejne ki chinta kijiye. Main asha karta hun ki ap Monsoon Meeting ke liye jarur awenge.

Compound ke bare main ap ko pichhe likhunga par ap akhtiyar jamaiye. Yah mission hatta kisi ke sang sajha ka dhan nahin hai. Ap uske liye jimmewar hain.

Yishusahay!

Secretary,
G. E. L. Church.

Church Council
Received 15.8.32
Register No. 202
Date 10.8.32
2

File ~~9/8/32~~

March 10.8.32.

मान्यवर. सेक्रेटरी साहब चर्च कौंसिल को यीसुसहाय।

..... आप को भी यह बात मालुम होगा
कि कुडु पेरिस टोको गांव का ख्रिस्तभूषन प्रकाश
खाखा जो सोंस के करुना एक्का से पहिले
सादी किया था उसको बिना त्याग पत्र दिये फिर
बीते साल धोखा देकर, गुमला रघुनाथपुर के
पादी बाबु कुबट एक्का से सादी करा लिया है।
और इसका Enquiry रिपोर्ट हम और दाऊदबाबु
गुमला बीते बरसात में कौंसिल को पहुंचा दिये थे,
करुना आसाम से आके रांची इलाके में उसका
इतलाय किई थी, अभी वह आगे भी बढ़ रही है
यानि अदालत में, उसका Pleader Sailas Ghose
Hindpiri उसके बाबत मेरे पास एक नोटिस
भेजा है जिसमें कितनी बातों को इन्क्वैरी करने को
कहा है जैसे, उसके पहिले बिवाह, उनके अलगा२
होजाने, उसके प्रतिपालन, त्यागपत्र, भूपन को

Church Council
Received 16.6.32
Register No. 30
Date.......
File 2.
Reply No.......
Date.......

I

To

The Lutheran Church Council
Ranchi

Mahashay-gan.

Ap sabhon ne bita maha sabha ke samay Rev. N. Khakha Chainpur se ~~se~~ Ranka ke bishay men sune the; aur Rev. A. John ne mujho ko un ke liye intijam karne ka bhar dia tha so main Ranka jake tarikh 11 May ko un logon ka talash kia aur we log Christan hone Girja, school kholne ke bare lalsit hain. We kahte the ki ham ne sahi thapa dia hai; Khundi bhi kataya hai phir pani bhi piya hai ham pichhe na hatenge. Un se itna nishchaita pake bhi un ko chhor den to bari bhari thokar ke karn

P.T.O.

honge, is liye hamen chahiye ki un ke liye ham aphi Master Pracharak se ka sambhal lewe wa kisi dusre Protestant mission ko saup dewe aur nahi to der hone par Roman log jurur ghus awenge. Aur yahi jagah hai Bohla Byaw pas ka kinde jo Surguja Raj ka dwar hai janha se Christan dharm pravesh pa sakta hai. Ranka ka pachhim dakhin bhaga jan Christan hone wal hain Surguja Raj ke purale uthor bhai kewal ek bar nahi Kanhar se blag kii gai hai. Daltonganj ke missionary saheb R. P. Price jane man bahut-sahaylu kii hai aur kam men bhi kai sharaton ke sath sahay karna chahte hai aur saup dene par pura bhar bhi lena chahte hai. Ab bichar karna hai ki (a) Ham aphi chalawe (b) ki un ki madat (c) ki kisi ka saup dewe.

Yours obediently
Rev. A. E. Kujur

111 16.6.32

20

2

P.C. — Andaj tin char kosh ke bhitar men 12 Uraon basti hain aur sab bastiyo men ka jor 120 ghar tak hoga jo sab ke sab ek sath Christan hona chahte hai yadi un ki achhi hal chal hogi to umed hai ki Palamau ke pachhim bhag men Uraon ki mass movement hogi. is achhe ausar ko kabhi na khona chahiye yah to Iswar ki bulahat malum hoti hai jaise ki Macidonia ke liye Paul ki bulahat Acts 16 91.0 men huwi thi, un ko naye atmik josh aur kaide ke anusar un ko swashan aur swapalan ke adhar hi par un ko Christan karna chahiye.

Rev. U. S. Kujur

OFFICE OF THE SECRETARY LUTHERAN CHURCH COUNCIL CHOTANAGPUR & ASSAM.

----------ooo----------

1. RANKA MEN MISSION KAM.

Padri Urbanus Kujur ki chitthi Ranka ke bishay men jo likhi gai thi so parhi gai. Malum hua ki Ranka men 125 ghar ya pariwar ke log khrishtiyan hone ki drirh ichchha pragat kiye hain. Dusre mission ke sath men chahe dusre mission ko wah kamsaunpne ke sambandh men batchit hui. Nidan yah achchha samjha gaya ki jahan kahin ham apna kam kholne chahte hain wahan arambh se atm-palan ki new bhi dalni chahiye.

SANKALP: Ki Lohardaga Ilaka is 125 gharane ke liye abhi kam se kam 2 pracharakon ko niyukt kare aur unke pratipalan arthat talab ke liye unhin 125 gharanon se jahan tak ho sake uchit chanda aur sirni mandali ke niyamanusar lene ka prabandh kare jisten wahan ki mandali abhi hi se swapalan men barh chale.

Memo. NO. XXX/XX 302/32.
F. - 2.

Dated Ranchi, the 27th. June, 1932.

Extract copy from the Minutes of the Church Council Executive of 22 June, 1932 forwarded to the Rev: U.E. Kujur for information, guidance and compliance.

Secretary,
G.E.L. Churhh

The Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

[Mission Estd. 1845.—Autonomous 1919.]

LUTHERAN COMPOUND.
RANCHI. (Behar) India.

Secretary: P. HURAD,

No. 107/52.
F. - 2.

Dated the 21st. MAY 1952.

The Rev. U. Kujur.
Lohardugga.

Manyawar Padri U. Kujur ko bahut Yishusahay ! Ap ki chitthi jise ap ne Church Council ke likhi hai so mili. Bare khush ki bat ap is bich men Ranka jake laut aye aur wahan ke Uraon logon ke sambandh men apna report diye hain. Ap ki jaisi ichchha hai waisi ham sabhon ki bhi ichchha hai ki unko ham log apne Lutheran panth men le awen to bari bhali bat hogi. Kewal jo kathinta hai so is samay admi jan ki to nahin par rupaiye paese ki. Pardesh se rupaiya pake wahan Ranka ko logon ke bich men kam jari karenge ya kam kholenge yah do ashra nahin karni chahiye. Hamari kalisiya hi ko Mission kam ke liye taiyar hona chahiye. Yadi ap log in bhaiyon ke liye itna utsahit hain to achchha hoga ki man ka yah utsah kam se bhi pragat ho. Kya Lohardugga jo Uraon logon ki mata mandali hai is bat men <u>initiation</u> legi ? Yadi aisa ho to Council dusri mandaliyon ko bhi uskane sakegi. Dil to chahata hai ki sabhon ko mandali men le awen parantu man aur dhan donon ki awashyakta hai. Ek ke hone se sirf kam nahin hota hai. Main ap ki chithhi Executive men pesh karunga. Parantu arthik awastha aisi hai ki Council bhi abhi han hun karne men kathinai pati hai.

Prem se,
Ap ka sangi sahkarmmi,

[signature]

OFFICE OF THE SECRETARY LUTHERAN CHURCH COUNCIL CHOTANAGPUR & ASSAM.

KARJKARAK SABHA KI BAITHKI.

Ta: 21 March, 1932.

--------oOo----------

8. ~~XXXXXXX~~. MASTER BISHRAM MINZ.

Lohardaga ke master Bishram Minz ka ek darkhast jo bheja gaya tha so pesh hua aur uske bibhinn bishayon par parichchhed 2 kar dhyan diya gaya aur is prakar ka bichar sthir hua -

SANKALP: Ki master Bishram Minz ko likha jawe ki wah jis prakar ki dabi kam men permanent hone ka karta hai wah agrahy hai. Usko bataya jay ki school bibhag men ab uski sewa ki awashyakta nahin hai so yadi Ilaka bhi use kam men nahin laga sakta hai to wah apna marg dekh lewe. Kya mandali kya school bibhag donon men abhi anupatiy batwara betan ka hota hai. Ilake ka Padri abhi usi karmmchari ko lewe jise Council sipharish karke deti hai ki wah Ilake men Swapalan pracharak howe.

Sd/- J. Topono.
President.

Sd/- P. Hurad.
Secretary.

Memo No. 1057-58/32.
F.- 2.

Dated Ranchi, the 7th. April, 1932.

Extract copy from the Minutes of the Church Council Executive of 21st. March, 1932 forwarded to the Hd.-Supervisor, Lutheran Schools and Lohardaga Ilaka Chairman for information, guidance and compliance.

Secretary,
G.E.L. Church.

21.12.31
567

2

Forwarded to the G.E.L. Church Council for special consideration
Rev. ... E. Kujur
11.12.1931

.../12/31

श्री युक्त सेक्रेटरी लूथेरान मिसन चार्च कौंसिल रांची के निकट

सविनय निवेदन।

मान्यवर महोदय !!

द्वारा — इलाका पंच लूथेरान मिसन लोहरदगा के निकट

सविनय निवेदन

मान्यवर महोदय !!

मैं लूथेरान मिसन चन्दवा के प्रचारक फिलोमिल तिरकी आपलोगों के पास पहले दो दरखास्त लिख चुका हूं परन्तु उसका कुछ उपाय नहीं किया गया न कुछ जवाब मिला. इस से तो मेरा जीवन बड़ा ही कठिन लाचारीय है सो कृपा कर चन्दवा मंडली नई जगह के लिये जरूर उपाय कर दिया जाय नहीं तो मुझ को बहुत ही कठिन है।

१-१२-३१ को मैं चार्च कौंसिल से पूछा तो जवाब मिला की इलाका में रूपया भेजा गया, लेकिन इलाका में दरयाफ़ करने पर जवाब मिला की टोड़ी वाला पैसा नहीं आया है। अब मुझ को तो इधर से भी रास्ता बन्द हो गया उधर से भी अौ चारों तरफ़ से भी अब मैं नीच में क्या करूं सो कृपा कर मेरे बिनय पर पूरा ध्यान दे कुछ उपाय कर दिया जाए क्योंकि इधर इलाका से भी कुछ नहीं मिल रहा है इस हालत में बार२ लिखना पड़ रहा है। सो जरूर ही कुछ न कुछ उपाय कर दिया जाय। क्योंकि नई जगह का हाल खुद जानते हैं, और पहले सब दुःख लिख चुका हूं। आइन्दे इलाका पंच अौ चार्च कौंसिल मालिक है — नहीं तो मेरा जीवन लाचारीय अौ भारी है। जो वाजिब था सो आरज किया

आज तारीख — ६-१२-३१

आपलोगों का विश्वासी प्रचारक
फिलोमिल तिरकी
लूथेरान मिसन चन्दवा (टोड़ी)
पालामू (डालटनगंज)

चन्दवा प्रचारक बाबू फिलोमिल तिरकी को मदद्वारे Mission work grant 10/- जो C. C. से मिलता इलाके से और 5 रु. जमा 15 रु. मदद्वारे दिया, पर इलाका अपने मुश्किल हालत के कारण अप्रैल से केवल M.W. grant 10/- दिया जुलाई तक, अगस्त से M.W. grant भी मिला इस लिये उस को कुछ नहीं दिया गया - Mission Field और Autonomous Church में तो है इसलिये M.W. grant मिलना चाहिये, और इलाका भी पहिले के ऐसा और देने की कोशिस करेगी -

1

Church Council
Received No. 21.1.32 625.
21
Reply No.

चार्च कौंसिल के कमिशन और लोहरदगा इलाके को बैठकों का मिनिट — ता १०-११-१९३१

पादरी अबिनुस कुजुर की गीत, बाइबल पाठ और प्रार्थना के द्वारा सभा को खोला। पादरी जोसफ लकड़ा ने कमिशन और उसके आने का परिचय दिया और कहा कि हम लोग चार्च कौंसिल की ओर से विशेष कर शुरु करने के समय आप लोगों के पास कमिशन आये हैं, जिससे आप लोगों को ओटोनोमी और उसकी वर्तमान अवस्था के विषय सिखावें और आप लोगों से सीखें।

Rev. Kerketta ने "स्रापित है वह मनुष्य जो मनुष्यों पर भरोसा रखता है" इस बचन पर एक छोटा और सुन्दर उपदेश देते हुए ओटोनोमी मराङ्गला, होम बोर्ड और अमेरिका की आर्थिक अवस्था के विषय बतलाया और इस कठिन समय को कैसे सामना करें और इस समय क्या करें इसको जताया। इसके अलावे उसने दो आदर्श बचन धर्मपुस्तक से दिया, यारमियाह १७, ५ और लूक १६, १०.

Rev. J. Lakra ने वर्तमान ओटोनोमी मराङ्ग की और शुरु की अवस्था के विषय बतलाते हुए कहा कि वर्तमान समय का दुख शुरु (१९१९-१९२८) के दुख से कम है। हम लोगों ने उस समय (शुरु) के दुख को पार किया और उसके बाद १९२८ तक अच्छा काम किया पर बीच में कुछ ढीले होते गये हैं। अभी हम लोग चिन्ता और काम करने में ढीले होकर अपने को लंगड़ा कर दिये और होम बोर्ड भी लंगड़ा हो गया। तो अब हम लोग क्या करेंगे कि हम लोग नहीं गिरेंगे पर उठेंगे, इसी पर आज हम लोग विचार और उपाय करेंगे।

हाजरी — रांची — Rev. Kerketta, Rev. J. Lakra, Mr. N. Toppo.

लोहरदगा पेरिश — १ पादरी २ प्रचारक १० मास्टर ४ मिस्ट्रेस, ५ भाई १ बहिन
कुडु पेरिश — १ " ६ " ३ " " २ "
चट्टी पेरिश — १ " २ " ३ " ६ (एक ऊचेल)
शिकवार — - " ३ " ५ " १ भाई
३ पादरी १३ प्रचारक १२ मास्टर ४ मिस्ट्रेस १४ भाई १ बहिन

जमा ४७ प्राणी उपस्थित थे।

Rev. J. Lakra:— हाजरी से मालूम होता है कि पंचायत करने लायक आदमी हाजिर हैं। सो हम लोग मराङली के नाम से काम कर सकते हैं। इस आसेम्बली ने ओटोनोमी लेने के पहले मराङली चलाने के विषय आप लोगों को पूछा था। उस समय आप लोगों ने अच्छे प्रश्नों का यथोचित उत्तर दिया था। हम उन उत्तरों से सन्तुष्ट हो गये और उन्हों ने आपने रिपोर्ट में यही लिखा कि ये लोग ओटोनोमी चाहते हैं पर स्कूल के लिये मदद चाहते हैं। (मि० लकड़ा ने) मर्दुम सुमारी से यहां की संख्या को बतलाया — घरसंख्या ८१४ बपतिस्मा पाये हुए ५१८६ — दृढ़िकृत २८७४। ऐसे तारतम्य हालत में मराङली को सम्भालने चाहते हैं अथवा नहीं?

Pdt. Y. Lakra:— लकड़ा जी के मोशन को स्वागत किये देते और हृदय से धन्यवाद भी दिये देते हैं। अफसोस की बात है कि सधारण भाईयों की संख्या बहुत कम है। कमीचारियों की संख्या अधिक है। अगर साधारण भाई बहिन अधिक होते तो अच्छा होता। काम ठीक होने से ओटोनोमी चलेगा।

Mr. C.B. Minz:— हाजरी से मालूम होता है कि सधारण भाईयों की संख्या बहुत कम है। सो लकड़ा जी के प्रश्न का उत्तर नहीं दिया जा सकता है। अगर दें भी तो वह अधुरा हो जायगा। क्योंकि किसान लोग फसल काटने का उर है। हम समझ नहीं सकते कि C.C. क्यों ऐसे कटनी के समय पंचायत ठहराती है। इससे मालूम होता है कि C.C. में सधारण भाई (गृहस्थभाई) नहीं हैं। इसलिये कटनी के समय कितना काम देहात में है उसको नहीं समझ सकते हैं। C.C. क्यों बैठकों के ४ रोज पहले खबर दी? अप्रील भाई महीने ही से 'Home Board Grant' नहीं मिलती है तौभी बैठ अभीतक C.C. क्यों चुप चाप है? अभी जब मरीज मर रहा है तब वैद्य की खोज हो रही है।

Rev. Kerahio:— I मैं समझता हूं आपलोग मराङली को गिरने न देंगे।
II C.C. आशा में थी इसलिये बुलाने में देर की।
III C.C. सुसमय पर बैठकों का नोटिस नहीं दी इसको मैं भी नहीं बूझता हूं — क्यों नहीं दी नहीं जानता हूं।

3

Bel Lamrenting Kujur :— आज तक कलीसिया में जो ओटोनोमी मांगी गयी है पर आर्थिक में कम जोर है। मराडली जो ओटोनोमी सीखी है सो ओठंगने मांगती है। अर्थात दूसरों से सहायता चाहती है। (—) प्रचारकों को 8) चार रुपया देने में तो सहारा और लोगों को अकाल में भूख मार रही है — क्या जाने कैसा होगा — इस समय जो विचार होगा सो ही सही है।

Rev. U Kujur :— मराडली एक गाडी है जिसमे अच्छी २ वस्तु लदी हुई है। गाडी चला ले जाने के लिये जुवा और पैना की जरुरत है। अगर जुवा कमजोर हो कार कभी भारी ढोया पैना कितना ही हो जा सकती है। इसलिये गाडी को ले जाने के लिये जुवा और पैना दोनों को मजबूत होना चाहिये। अतः मैं कहता हूं कि ओटोनोमी को चलाने के लिये धरम को जो जुवा के समान है मजबूत करना चाहिये और बाटने लोग मजबूत और तैयार होवे तो ओटोनोमी खुशी से चलेगी।

Rev. M. Lakra :— Mr Lakra के प्रश्न का उत्तर अपने अनुभव की बातों से देता हूं — मैं इस समय खिरवार में रहता हूं मराडली का नेव जमीन पर नहीं पर ऊपर लैम्प के समान रस्सी से लटकाया गया है — रस्सी काट दी जाती है तब तो लैम्प गिर कर चकना चूर होने चाहती है — सो जमीन (धरम, प्रचारक पन) में स्थापन होना चाहिये।

Mr. Aanuk Kujur :— C. B. Minz और Rev. M. Lakra की बातों को समाधन करता हूं।

Mr. L.P. Tiga :— Revs. U Kujur और M. Lakra की बातों को समार्थन करते हुए कहते हैं कि ओटोनोमी की जड़ प्रचारक पन में होनी चाहिये। चाहे कौंसिल जवाब दे देवे कि वह ओटोनोमी को नहीं चला सकेगी — मराडली आप ही चिन्ता करे तब ठीक होगा।

Pdt. Y. Lakra :— मैं सभों की बातको समार्थन करते हुए कहता हूं कि मराडलीही

पादरी और प्रचारक को ठहरावें। और उनकी मंजूरी (मराडली की) के
समान चाहिये कौंसिल [illegible] करें।

Dr. D. D. Minz — नौकरों के नौकरी लेने के समय कमिशन (Datta Commission)
के सामने ऐसा बात हुई उसको बतलाया और कहा कि वही [illegible]
नौकरी भी मराडली को जला सकता है जो [illegible] विश्वास का
होगा और तब आ० दत्ता ने कहा कि तब ठीक है।

Br. Nahum Kujur — [illegible] नौकरी लेना उचित है क्योंकि सभों को अपने धर्म
और विश्वास का पालन पालन करना चाहिये। इस बात को बहुत
थोड़े लोग जानते और समझते हैं। लोग [illegible] में कच्चे हैं। वे तो
[illegible] भी नहीं कि क्या होनी चाहिये और क्या नहीं होना
चाहिये। कर्मचारी लोग बोने और लौने वाले हैं। कर्मचारी
लोग आपना कर्तव्य कोर्म ठीक से नहीं करते हैं। वे ठीक से
करें। [illegible] कर्मचारी लोग अन्याय करते हैं जिससे भाई लोग
बिगड़ते हैं इसलिये चौकसी करना चाहिये। शासन ठीक
नहीं है [illegible] ठीक होवे।

Br. Prabhusahay Khattak — मैं जंगली के बीच का हूं। मैं गवार हूं। यही सवाल
सब कहते हैं। विश्वास और धर्म नहीं कहता है कि नहीं [illegible]।
पर ये कहते हैं कि सकेंगे। ईश्वर धर्म और विश्वास ही
पृथ्वी को बनाने सका। इसी [illegible] और विश्वास पर स्थिर होकर
विलायती लोगों छोटा नागपुर में आकर धर्म को फैलाया।
सो चाहिये हम लोग सब मिलकर मराडली को चलावें और
पर हम लोगों का आधार धर्म और विश्वास होवे। नहीं तो
सब कोई हंसेंगे।

Rev. M. Lakra — प्रभुसहाय की बात पर — उनकी अच्छी शिक्षा के लिये
धन्यवाद। यह तो उपाय है मन को ढीली देना। हम लोग नहीं
कहते हैं कि हम लोग (कर्मचारी लोग) नहीं चलावेंगे और साधारण
भाई लोग केवल चलावें। हम लोग साधारण भाइयों ही
पर भार नहीं देते हैं।

Mr. H. Kujur :— घर २ मे ओटोनोमी शुरू होवे — कमलोग समझते है — आदिवासी लोगों को सोच करना चाहिये।

Br. Prabhusevak Toppo :— अगर प्रभुसहाय भाई के समान २ हजार लोग रहते तब तो अच्छी तरह से ओटोनोमी चलता परन्तु अभी इतने नहीं है इसलिये यह मे ओटोनोमी चलाना मोश्कील है।

Mr. Emmanuel Khalkho :— सभी कहेंगे कि मराङली चलावेंगे पर सकेंगे कि नहीं यही देखना चाहिये। सकेना कठिन है मेरे कहने का मतलब है कि नहीं सकेंगे।

Rev. J. Lakra :— मैं यह प्रश्न डालता हूँ I मराङली चलाने का भार लेने चाहते है अथवा नहीं। II और ले जाने के लिये क्या प्रयास करेंगे।
आदिवासी लोग नहीं आसकेंगे इससे मतलब नहीं है, क्योंकि यह सामान्य मराङली के प्रतिनिधि कहकर नहीं बुलाये गये हैं। हरेक जन केवल अपने लिये जबाब देते है।

प्रस्ताव :— हमलोग जो इस सभा में बैठे हैं वे यह राय प्रकाश करते है कि हम लोग लोहरदगा इलाके को सम्भालने चाहते है।

पक्ष मे ६६ }
विपक्ष मे ० } ६६ — कुल भोट ६६ है और हाजरी मे केवल ६६ है इसका वजह यह है कि पीछे से और लोग आये।

पादरी बाबू मधान लकड़ा के प्रार्थना के द्वारा सभा को खोला।

6

दूसरी वेला की बैठकी।

पाद्री बाबु मथ्यस लकड़ा ने प्रार्थना के द्वारा सभा को आरम्भ किया।

हाजिर:— कुल थे (२८ भाई ५ बहिन)

Rev. J. Lakra:— पहिली वेला की बैठकी मे हम लोगो ने यह संकल्प किया कि हम लोग मराइली को सम्भालेगें। अब हम लोग निम्न लिखित बातो पर विचार करेगें।

(a) क्या उपाय करेगें।

(b) क्या प्रबन्ध करेगें।

a. I सिनी दान II घड़ा सिनी III सकामेन्त दान IV धन्यवाद दान V शादी फीस VI मराइली पैसा VII नवा खानी दान VIII करनी दान IX प्रीतिदान X खेत आमदनी XI अन्य दान।

Mr. C.B. Minz:— उपरोक्त उपायो से काम नहीं चलेगा जैसे गत १२ बर्षो में अनुभव किया गया है।

Rev. M. Lakra:— Mr. C.B. Minz की विचारो को समर्थन करते है कि शादी फीस और मराइली पैसा निश्चित नही है इसलिये उनपर भरोसा नहीं करना चाहिये। इसलिये शादी फीस और मराइली पैसा को ही ठीक करना चाहिये।

Rev. J. Lakra:— पाद्री M. Lakra का कहना ठीक है पर यहां फैसला करने में समय बरबाद होगा सो यह इलाके पंच में भेजा जावे।

Rev. A. Kujur:— आमदनी होती है दान से और खर्च होता है तलब से। होना चाहता था कि दान से आमदनी होती है तो खर्च भी दक्षिणा से। सो तलब है तो टैक्स भी होना चाहिये।

Mr. N. Toppo:— खर्च के अनुसार आमदनी करना चाहिये अथवा आमदनी के समान खर्च होना चाहिये। टैक्स वही है जिसको दूसरे लोग बैठाते हैं, पर हम लोग तो

अपनी कोई खास काम के लिये पैसा अलग करते हैं तो वह हैरजा नहीं है। अगर प्रति आदमी ।।।) आना देवे तो पूरी खर्च के लिये हो जायगा।

Rev J. Lakra — ये उपाय अच्छे है। ये इलाके के द्वारा जारी किये जांय।

Rev J. Lakra & others — उपरोक्त उपायों को कैसे ठीक कर सकते हैं?

(क) घड़ा सिनी — हिसाब से मालूम होता है कि प्रति घर सलाना केवल ।४ चार सेर दिया गया है। जहां ९।।)२ होना चाहता था। इससे देखा जाता है कि घड़ासिनी में बहुत ढिलाई है इसे ठीक करना चाहिये। जो चढ़ाता है वही चढ़ाता है और जो नहीं चढ़ाता है वह नहीं चढ़ाता है।

Nodmasih (ख) योग्यता पर काम देना चाहिये अतः कर्मचारियों को बराबर अदली बदली करते जाना चाहिये जिससे काम ठीक होवे, अर्थात कायर किसी जगह के काम को कोई नहीं चला सकता है तो दुरुस्त दूसरे को भेजना चाहिये जो चला सकता है।

Prabhuswak Tappo — भाई लोग पूरा मालिक बने और कर्मचारियों को काम करावे और खाने को देवे।

Rev Keoshi — घड़ा दान उघाया जावे।

Br. W Kujur — घड़ा दान है तब न उघाया जावे। पर उघाया जाता है तो इसका नाम घड़ा दान नहीं पर घड़ा चन्दा रखना चाहिये।

Br. Nahum Kujur — प्रचारक कोई नियत दिन ठहरावे और वहां जावे और विनती प्रार्थना करे और उसी दिन घड़ा दान भी उठाये जावे।

Rev J. Lakra — रांची में अभी टोकरी बनवायी गयी है — वह हरेक घर में दी गयी है — जिसमें केवल घड़ा दान रखा जाता है — बहुत लोग प्रति दिन उसमें चावल डालते हैं। लड़कियां महल्ला उघाती हैं। गिरजा में वे लाती हैं — सब कोई उठकर धन्यवाद करते हैं।

प्रस्ताव — यह सभा यह शिफारिस करती है कि इलाका यूनिफार्म टोकरी बनुवावे और इलाके के हरेक प्रचारक पन के हरेक घर के लिये बेचा जावे। इसके लिये हरेक प्रचारक आर्डर देवे। टोकरी बनुवाने का

शाखा सभा के सेक्रेटरी को दिया जावे। और समुचे इलाके में नोटिस दिया जावे।
आमद खर्च का हिसाब हरेक महीने के शुरू इतवार को गत महीना का सुनाया जावे।

कटनी दान :— कटनी दान सन्तोष जनक नहीं है। सो हम लोग
Rev. J. Lakra.
विशेष चिन्ता ओ सोच विचार करें। इसके लिये प्रोग्राम का काम किया जावे और सब तरफ इसके विषय विशेष उपदेश करें। इस पर्व को विशेष रूप से मानना चाहिये। जो आदमी जिसमें आमदनी करता है वह उसी का चढ़ावे जैसे नौकरी वाले पैसा - खेती वाले धान इत्यादि।—

मराङ्ली पैसा :— जर्मनी में [illegible] को लोग पाता है। अमेरिका में
Rev. J. Lakra.
सालभर के लिये 52 इलिफाफा मिलते हैं जिसमें हरेक घरवाले [illegible] लिफाफा में हर हप्ता अपना दान डालते और गिरजा में चढ़ाया जाता है।
इलाकों में मराङ्ली पैसा के विषय जो दरख्वास्त [?] है, उसी के अनुसार जमा करें। इस में चर्च कौंसिल और महा सभा को कुछ उजुर न होगा।

प्रभुप्रीत :— इस दान को बढ़ाना चाहिये। व संसारिकों [?] से
Rev. J. Lakra.
भी लेने की कोशिश किया जावे। इलाका इसके विषय इन्तिजाम करे।—

रिफार्मेशन फण्ड [?] :— केवल राँची में कुछ हुआ है और कहीं नहीं
Rev. J. Lakra
सो आगे क्रम से काम लोहरदगा में इसको जारी करना चाहिये। और इलाका आगे जैसा बनता है वैसा ही जमा करे नियम कानून पर न जावे।
प्रस्ताव :— जो हम लोगों से बातचीत की है उनको जारी करना चाहिये।

(6) प्रबन्ध :—
Rev. J. Lakra
प्रचारक लोग शक्ति बने और भाई लोग काम करने वाले बने। काम करने के लिये

दल होवे। और उनमे प्राचीन मुख्य (प्रधान) होवे। हरेक मराङली (उचारकपन) में कमसे कम एक प्राचीन होवे। अगर बन पड़े तो हरेक गांव में भी होवे। प्राचीन को ऐसा अधिकार दिया जाय कि वह अपनी जवाबदेही पूरा ख्याल करे। स्वा पालने का सबसे नीचला आधार नहीं होवे। इसका चुनाव नीचे से होना चाहिये अर्थात उचारकपन में। वहां से पेरिस में आवे और इलाका पंच प्राचीन को ठहराने वाला होगा।

II इलाका किसी चार्च कौंसिल के मेम्बर को चुने जो इलाके को मदद करेगा औ सलाह देगा। इसकी मंजूरी के लिये इलाका पंच कौंसिल को लिखे।

Mr. C. B. Minz: क्या इलाका ही अपने लिये प्रतिनिधि देकर C.C. का मेम्बर बनावे तो नहीं बनेगा?

Rev. J. Lakra: कौंसिल के कॉन्स्टीट्यूशन नियमानुसार नहीं बनता है।

Mr. C. B. Minz: हमारे विचारानुसार कॉन्स्टीट्यूशन का नियम ठीक नहीं है सो क्या इलाका इसके विषय तर्क औ राय दे सकता है? अगर कर सकती है तो हम लोग इस कमिशन की सिफारिश चाहते हैं।

Rev. J. Lakra: हां, इलाका कॉन्स्टीट्यूशन के विषय में तर्क औ राय दे सकती है इसको कमिशन सिफारिश करती है।

Mr. C. B. Minz: क्या इस तर्क को राय की धरम बन्धु में छपवा सकते हैं? अगर ऐसी ही है तो फिर भी सभा इसकी सिफारिश कमिशन से चाहती है।

Rev. J. Lakra: हां, इलाका इसको छपवा सकती है इसको भी कमिशन सिफारिश करती है।

स्कूलों के विषय :—

Rev. J. Lakra: स्कूल मराङली का खम्भ है— स्कूल खोलना, विद्या पढ़ाना सरकार का काम है, पर धर्म सिखाना उसका काम नहीं है। धर्म का ज्ञान केवल मराङली दे सकती है, इसलिये स्कूल को मराङली रखी है।

का सामना

हमारी मिशनरी मण्डली का सामना शीय नागपुरमें कोई नहीं कर सकता है (शिक्षा सम्बन्धी बातों में)। हमारी मण्डली में जितने शिक्षित लोग हैं उतने और किसी मण्डली में नहीं हैं न संसारिक ही लोग हैं।

जिस समय मिशनरी लोग चले गये उस समय सरकार ने 4000) दे कर सहायता दिया और बिशप साहब ने शासन किया। जब सरकार और बिशप ने छोड़ दिया तब भारी सवाल आया कि क्या करें। और यही सवाल Datta Commission से पूछा गया। उस कमीशन से जवाब दिया गया कि मण्डली को हम चलावेंगे और स्कूल को कोई दूसरा चलावे। तब कमिशन की सिफारिश से स्कूल को A.B. से मदद मिला। अभी वही सवाल आता है कि स्कूल से क्या करेंगे। हमलोग बहुत पढ़े लिखे हैं — हमलोगों को उठाना भी कठिन और लाज की बात है — D.B. 104 स्कूलों को परिचालित कर रही है — हमारे M.E + H.E स्कूलों में करीब 40000) रु का खर्च है — अभी हम अधिक शिक्षा पाये हैं और यह दशा हो रही है — Roman Catholic लोग पीछे थे वे हमलोगों की बराबरी करने की चेष्टा कर रहे हैं और धड़ाधड़ हरेक स्टेशनों में स्कूल खोल रहे हैं। अभी C.C रुपया खोजने के लिये बहुत चिन्तित है — कहीं से रुपया नहीं मिलता है — कमिशन कोई निर्दिष्ट जवाब भी नहीं बता सकती है — सरकार के पास गये थे — उसने फीस बढ़ाने को कहा (आधा के ज्यादा)। मैं ने इसको छेड़ा कि ऐसा करने से आदिवासियों को भारी नुकसान पड़ेगा — सरकार ने कहा कि आपलोग योग्य हो गये हैं सो आपलोग बढ़ा सकते हैं। "सो आप लोग क्या कहते हैं"।

फिर मैं District Inspector के पास गया था — अपने तकलीफ को बतलाया — उसने जबाब दिया आपलोग विशेष ग्रान्ट के लिये सरकार के पास अर्जी पत्र भेजिये। इसके विषय C.C. चिन्ता कर रही है पर Govt के पास भी रुपया नहीं है देखें क्या होता है। आगे हमलोग क्या कर सकते हैं।

Rev J. Lakra :- हमलोग स्कूल के विषय क्या करेंगे?

Rev U Kujur :- स्कूल पहाड़ सी है पर आमदनी भी पहाड़ सा है। अभी तक हमलोगों ने इतना ही किया है कि आदिबासियों का फीस आधा किया है — मण्डली आमदनी के ग्यारह उपाय हैं पर स्कूल चलाने के लिये एक भी उपाय नहीं है। इसलिये इसके लिये भी एक उपाय होना चाहिये। प्रभुप्रीत के समान सब आदिबासियों से (Xtian + non Xtian) से कुछ मदद लेना चाहिये। ये कुछ कर सकते हैं। और Govt से स्पेशल ग्रान्ट ले सकते हैं।

Rev J. Lakra :- आमदनी से कम Govt Grant + School fee से और आधा से अधिक खोजना पड़ेगा। — क्या स्कूल फीस को बढ़ा सकते हैं?

Mr C.B. Minz :- फीस बढ़ाना समूचे छोटानागपुर की राय को बिगाड़ना और अपने जातियों पर भारी आघात अपने संघ के लिये पहुंचाना है। अपने स्वार्थ के लिये आप भलाई और राय को न बिगाड़ें — अपने देश में स्राप को न लावें। अलावे फीस बढ़ाने से रोल संख्या घट जायगी और जो फीस जो आमदनी होती है सो भी कम होजायगी। अस्तु हम फीस बढ़ाने की चेष्टा न करें।

B. Theophil Lakra :- पूंजी खड़ा करना और व्यवपार करना चाहिये।

Mr H. Kujur :- जो A. B. उठाया गया था स्कूल को बहुत मदद करते आ रही थी।

Rev J. Lakra :- अमेरिका Berlin Board से लिखा पढ़ी की, कि वे लोग स्कूल का भार ले लेवें। अमेरिका ने हमलोगों को भी कहा कि अब आप लोग Germany से बन्दोवस्त कीजिये।

Br. Laurentius Kujur :- अगर स्कूल बोझ सा है तो Berlin Board की सलाहानुसार Govt को सौंप दी जाय अगर वह धर्म शिक्षा देना को मंजूर करती है। और बिना सोचे बूझे भारी भार को न लेवें न लें कि आधे रास्ते पर हो हम जांय और चीज भी नाश होगी और लाज भी होगा। सब के सामने बेइज्जत भी होंगे।-

12

Mr. C.H.H. Horo[illegible] :- [illegible] [illegible] के लिये Graduate Admission हटा दिये जाय — Matric Admission रखे जाय — [illegible] लोग [illegible] [illegible] [illegible] M. & M. + G. T. लोग रखे जाय — इसके [illegible] विषय [illegible] [illegible] [illegible] किया जाता है। फीस न बढ़ाया जाय

Pdt. J. Lakra :- [illegible] [illegible] से रुपया लिये जाय — पैसा नहीं पर उनको [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] किया जाय।

Rev. U Kiyn[illegible] :- स्कूल में कमाने खाने लायक भी शिक्षा नहीं दी जाती है — [illegible] [illegible] नौकरी ही के लिए पढ़ते हैं — हम लोग कमाने खाने के लिये पढ़े और यही तो स्कूल में नहीं पढ़ाई जाती है।

Mr. A. Toppo :- हम लोग [illegible]

Mr. C.H.H. [illegible] :- C. C. क्या कर सकती है।

Mr. A. Toppo :- अभी हम लोग यही [illegible] [illegible] विचार करें कि C.C. कुछ नहीं कर सकती है। हम [illegible] [illegible] चन्दा करें और [illegible] दिखावें कि हम लोग कुछ कर रहे हैं तब तो दूसरे लोग भी कुछ चन्दा देंगे। जिस जमीन्दार के रैयत पढ़ते हैं उससे चन्दा लेना चाहिये। सब [illegible] से मांगा जाय [illegible] से मांगा जाय, फिर Dr. J. Cannaday के पास भी अर्जी भेजा जाय। हरेक स्कूल के सेक्शन [illegible] उठा दिये जायं। और तलब कम किया जाय और वही शिक्षक रहने पावे जो कि तलब में रहने मांगे।

Rev. J. Lakra :- [illegible] [illegible] का फराड होवे S. C. [illegible] दरखास्त पेश नहीं कर सकती है supervisor के through दे सकती है। School fund खोलने का भार इलाका देवे।

Mr. C. B. Minz :- [illegible] क्या 2 3/4 हजार लोगों में कोई अपनी [illegible] और स्कूल और जातियों की सेवा में अपने को बलिदान करने वाला नहीं है? मैं सोचता हूं अनेक होंगे — भाइयो जिस तरह से प्रभु ने हमारे लिये

अपने को बलिदान किया वैसा क्या हम अपनी मण्डली और स्कूल तथा जाति के लिये अपने को बलिदान करें? भाइयो! अभी बलिदान करने का सु अवसर मिला है सो अभी स्वयं त्याग कर आत्म बलिदान करना चाहिये, फिर ऐसा मौका न मिलेगा।

Rev. J. Lakra :- स्कूल चलाना सहज है अगर प्रति कुटुम्ब से (1) आठ आना लिये जायं तो स्कूल चलाने के लिये काफी पैसे हो जायगें।

प्रस्ताव :- (A.) अगर कौंसिल इलाके के लिये स्कूल का पूरा (सम्पूर्ण) अखत्यार देवे तो इलाका (... इलाका) स्कूल को चलाने चाहती है पर इलाका कौंसिल से अर्जी करती है कि आवश्यकतानुसार इलाके की मदद करने की कृपा करे।

(B.) अगर C.C. स्कूल को जिम्मा देने चाहती है तो तीन महीना पहले नोटिस देने की कृपा करे। जबतक स्कूल C.C. के अखत्यार में है तबतक का खर्च कौंसिल देनदार है।

ईश्वर भक्ति :- Rev. J. Lakra :- एक छोटा और बहुत सुन्दर उपदेश।

Rev. W. E. Kujur :- आत्मिक जीवन की वृद्धि :-

(I) गिर्जा जाना II प्रार्थना में प्रभु के पास जाना III प्रार्थना सभा में IV घरे 2 फिरना और सिखाना, दुःख और सुख के समय सहानुभूति दिखाना V सण्डे स्कूल VI प्रश्नोत्तर गिर्जा।

Br. Nahum Kujur :- जोरवसभा — छोटी 2 धार्मिक किताबों का पढ़ना।

Mr. C. A. H. Ikutunga :- कोई किसी की आत्मिक जीवन की वृद्धि नहीं कर सकता है ~~इसलिये~~ पर मार्ग बता सकता है। इसलिये हमलोग अपने को जाने और सुधारें — अपने आत्मिक जीवन की वृद्धि करें तब हमलोग दूसरों के सुधारने का रास्ता बता सकते हैं।

Mr. D. P. Tiga — सब से मुख्य :- बैबल पढ़ना और उसपर गौर करना — विनती करना और अपने को सुधारना।

Mr. H. Kujur :- विन्ती, पश्चाताप और विश्वास।

Rev. M. Lakra :- पाप में डूबे हैं निश्चिन्ता में सोते हैं; विश्वास और भक्ति में शक्ति है।

14

Mr. N. Tappo :— इस मिटिंग में जो कुछ हुआ है सब मिनिट में लिखा गया। इतना ही केवल नहीं होना चाहिये पर सब और इन बातों को अपने २ हृदय पर में लिख लेवे और उसके अनुसार काम करें।

Rev. W. E. Kunjir :— ईश्वर की संगति में आना और अनुभव करना।

Rev. J. [illegible] :— प्रति दिन हरेक घर में प्रार्थना होवे। अपने घर को मन्दिर बना लेवे। जहां प्रचारक नहीं है वहां गांव में किसी को प्रार्थना करने के लिये ठहराना चाहिये। किताब पढ़ना चाहिये जिसमें धर्म पुस्तक लिखा होवे। इसी से सब से अधिक ज्ञान मिलता है। गिर्जा जाना अति आवश्यक है।

प्रचारक लोग हर बात का रिपोर्ट इलाके में देवें। इलाका पंच हरेक से रिपोर्ट मांगे, और देखें कि क्या होता है। सब बातों को ख्याल करना चाहिये और याद लाना चाहिये। प्राचीन लोग तुरन्त छट पट उठ जाय। ईश्वर इन सब कामों में आशीष देवे।

Rev. [illegible] :— गीत, प्रार्थना और एक छोटा उपदेश देकर सभा को अन्त किया।

Shivk. B. Muije
Recording Secretary

M. Kenselius

OFFICE OF THE SECRETARY LUTHERAN CHURCH COUNCIL CHOTANAGPUR & ASSAM

---------oOo---------

11. CHANDWA KA PRACHARAK.

Chandwa ka pracharak ap hi Council men aya tha ki use Rs65/- advance mile jo pichhe uske betan se kata jay jisten is Rs65/- se apne liye silai machine lekar apni patni ke dwara bhawishyat men jiwika ka upay kar sake. Bichar karne par yahi paya gaya ki Council isi ghari men koi bhi paisa advance bataur kisi ko de nahin sakti hai. So uska darkhast Lohardaga bhej diya jay ki yadi Ilaka sake to uski uchit sahayta kare.

Sd/- J. Topono.
President.

Sd/- P. Hurad.
Secretary.

Memo No. 735/31.
F.- 2.

Dated Ranchi, the 17th. December, 1931.

Extract copy from the Minutes of the Church Council Executive of the 3rd. December, 1931 forwarded to the Rev. U. E. Kujur, Ilaka Chairman for information, guidance and compliance.

Secretary,

G.E.L. Church.

True copy.

Shriman Secretary Lutheran mission Church Council Ranchi ke nikat

sabinay niwedan.

Manyawar Mahoday!

Main Lutheran Church Chandwa ke pracharak Theophil Tirkey niche likhe apne kai kathinaiyon ko ap ke age pesh kar apni jiwika ki sahaytarth daya prarthi hun. Mujhe purn asha hai ki ap meri prarthna par an suni na karenge.

1. Main pahle Chandwa ke najdik hi school ka kam karta tha us wakt mujh ko koi kathinaiyan nahin thi;taubhi Chandwa ~~xxxxxxxxxxx~~ halka ke logon o padri babu ke kahne par main Ishwar ka kam samajh ghati par khyal na ki pracharak kam grahan kar kam karne laga aur ab bhi tyar hun.

2. Abhagyabas hal hi men mere ghar se chori hui jinse mujhe bahut kathinaiyan ka samna karna para. Is ghatna se bhi mujhe bahut taklip ho rahi hai.

3. Chandwa mandali men dusra koi amdani nahin hai. Sirni aur dhanyabad adi se kewal 2-4 ana amdani hai.

4. Idhar Church Council se jo kuchh milta hai so bhi char mahina se yane August se leke ekdam nahin mila hai phir Ilaka se jo milta hai so bhi April se idhar kuchh nahin mila hai.

5. Mujh ko agar isi tarah talab na mile to jiwan nirwah bina mandali ka kam karna kathin jan parta hai. Main 1920 se is Ilaka men kam karte a raha hun sabhon se praya janpahchan mel prem hai is se kam chhorne ka man nahin karta hai lekin akhir men jiwika kathinai men kya kar sakta hun jab ki Church Council kuchh upay na karegi. School kam band hua jiwika ~~xxxxx~~ ka thikana nahin aisi awastha men ichchha ke birudh bartman kam ko bhi aphsoch ke sath chhor kar dusra dhandha dekhna parega.

6. Mere dill men Ishwar bhakti hai/aur main Ishwar ka kam karna chahta hun. Main is bartman kathinaiyon men nana prakar ke upay rachte huwe jiwika tatha apne kartabya kamon ko karte aya. Parantu age mujhe koi upay nahin dikh parta hai siway ek upay ke. Wah upay yah hai ki meri gharwali kapra sine ko janti hai mere pas ek machine tha uske dwara meri stri ne meri bahut sahayta ki. parantu aphsoch ki bat ki wah machine kharab ho gaya. Ek admi Rs 193/- men ek machine liya parantu sine na janne aur apni jaruri kam ke karan Rs 65/- men mujhe dena chahta hai.

Mahashaygan yadi Church Council mujhe apne pawna talabse koi prakar Rs 65/- dekar us machine ko lene men sahayta karegi to main jis parakar apni stri se sahayta pakar apna kam karta tha waisahi main

main nishchay age kar sakunga.

Main ap logon ke is upkar ko khyalkar ap logon aur Ishwar ko dhanyabad karte huwe apne kam men naye bal se lag jaunga.

Ap logon ka bishwast das

Sd/- Theophil Tirkey.
Pracharak Lutheran Mission
Chandwa (Lohardag)

Dated 1-13-31.

The pracharak had a personal interview with me. I found him full of religious zeal. I believe he is in the making of a good pracharak He says if he gets the machine he will always have something to fall upon. I recommend that any arrear pay which he may be entitled to, may be advanced to buy this machine. I am sure he is a sincere man and he will stick to his work if we help him out a little.

Sd/- J. Lakra:
2-12-31.

Church Council
Received 7.11.3[illegible]
Register No. 480
Date 7.11.31
File 2

INDIA

POST CARD

WRITING SPACE | ADDRESS ONLY

INDIA POSTAGE
HALF ½A ANNA

7 NOV. 31

8 NOV. 2.30 P.M.

upay kia jay ki
ab ki Bandobasti
sudharke thik kia
jaye.

yours faithfully
Rev. U. E. Kujur

To The Secretary
Lutheran Church Co.
Lutheran Compound
Ranchi

File

Lohardaga.
7. 11. 1931

Mahashay,

Aap ko maja yathesht
Lohardaga Ilake men
Nap suru ho gaya
hai aur mere pas kachh
kagjat nahin hain sa
yadi aap ke paas hon to
jaldi bhejiye nahin to
Trustees Board ke
Secretary ko likhiye
ki Ilake ke kagjaton
ko bhej dewe aur bakh
Lohardaga Compound ke
bishay men koi khas

Acknowledged in the P.C. on the 9—10—31

Church Council
Received 8.10.31
Register No. 405
Date……
File 2.
Reply No……
Date……

8/10/31

श्रीयुक्त महा मान्यवर जी० इ० एल० मिसन चार्च कौंसिल रांची के निकट

निवेदन ।

द्वार इलाका पंच जी० इ० एल० मिसन लोहरदगा ।

महाशय !!

दीन प्रचारक का सविनय प्रार्थना ऐसी है कि टोड़ी मंडली एक छोटी मंडली है धर्म की बहुत कमी है; जिससे धन की भी कमी है। महीना में ।।=) ना ।।।-) नाना आमदनी होती है। जिससे प्रचारक का जीवन निर्वाह बड़ा ही कठिन है दूसरा आमदनी है नहीं। रोज २ जंगल पर्वत पार हो गांव २ प्रचारना पड़ता है। २६-६-३१ ई. को ६ प्राणी नया धर्म स्वीकार किये उमेद है कि एक और खुब धर्म खोज करने गे, लेकिन अभी नीच में क्या करेंगे कैसे गुजर काटेंगे, मुझ को २५) रु. बराबर देंगे बोलकर ग्रहण किये मैं स्कूल काम छोड़ इसी में दिनरात लौलीन हूं। १९३० ई. में तो पादरी बाबू जिलो पौवल तीगा, पादरी नथानिएल खलखो, बाबु बिश्राम मिंज, और पादरी बाबू उर्बानूस कुजूर अपना तलब काट २ मेरा तलब पूर्ति किये लेकिन १९३१ ई. में सब इधर उधर अदला बदली हो गये जिससे फिर विचारने नहीं सके। इधर १९३१ ई. में केवल मार्च तक २५) रु. के हिसाब से दिये, अप्रील से जुलाई तक १०) मिला; इधर तो अगस्त से कुछ पता नहीं है। उधर समय २ पर तो पहले उर्बानूस बाबू से ले जाते थे लेकिन आजकल उनका भी आफत है। तलब मिलने से देंगे बोल उधार भी खाया; फिर इधर एक भाई को लोहरदगा स्कूल में रखा था तलब मिलने से फीस दूंगा बोला था १ महीना का बाकी पड़ने से स्कूल से निकाल दिये अब तो मैं सब तरफ से लाचार हो पड़ा हूं; चन्दवा में बिना तलब ठहरना मुश्किल है; सो कृपा कर मुझ दीन हीन प्रचारक पर ध्यान दीजिये, जैसे ३० ई. में लोहरदगा वालों से टुवर मंडली पाला गया। अब आशा है कि रांची वाले कोई सुरत से टुवर मंडली भी सुधि लेंगे जिससे ईश्वर का काम बन्दना हो जावे इसलिये दीन प्रचार का विनय है की कृपा कर विनय स्वीकार कर कोई उपाय करने की कृपा करेंगे जो बाजिब था सो अर्ज किया आइन्दे चार्च कौन सिल मालिक है।

ता: - ७-१०-१९३१

लि: - आपलोगों के आज्ञा धीन कर्मचारी
बोआफिल तिरकी
लूथरान मिसन चार्च टोड़ी
पो. चन्दवा
जिला: - पालामु

बात तो ऐसा ही है जैसा प्रचारक बाबु फिलोफिल तिरकी लिखते है क्योंकि हम लोगों ने उसको Mission Work Grant से २०) रु. महिना और इलाके से कोई न कोई सुरत ५) रु. दिया करते थे पर अभी तो इलाके से कुछ भी नहीं दे सकते हैं। प्रतिज्ञा किये हुए लोग अपना प्रतिज्ञा पूरा करने न सके और आगे तो प्रतिज्ञा पूरा करना अन्होना मालूम पड़ता है" ।। Rev. H. E. Kujur Ilaka Chairman

પહેલિઝ્ઝ કાં ગઝલી

મંડળી Lનો ઉદ્દેશ્ય હતો

મેં ~~[illegible]~~ નથી નિભાવ્યો

પહેલે કાંઈ [illegible]

[illegible] કા [illegible]

भगवती पूजा पैसा का फिहरिस्त जो खृस्तान-
लड़कों से हेड पंडित ने आदाय किया।

लड़कों का नाम		लड़कों की दस्तखत
(१) मसी दयाल बड़ा	=>	सही मसी दयाल बड़ा बा: खा:
(२) सुलेमान बरला	=>	सही सुलेमान बरला ब: खा:
(३) चन्द्र दास बड़ा	=>	सही चन्द्र दास बड़ा बा: खास
(४) धर्मदास बड़ा	=>	सही धर्मदास बड़ा बा: खास
(५) चरमू बड़ा खेल फीस काट के	=>	सही चरमू बड़ा बा: खा:
(६) बरना बास बड़ा फीस काट के	=>	सही बरना बास बड़ा बा: खा:
(७) महानन्द बड़ा	=>	सही महानन्द बड़ा बा: खा:
(८) फूलचन्द बड़ा	->	यह लड़का १ला क्लास में है

Church Council
Received 14.10.31
Register No. 421
Date 12.10.31
File 2.

INDIA

POST CARD

WRITING SPACE

ADDRESS ONLY

INDIA POSTAGE
HALF ANNA

LOHARDAGA

se paya hai na koi
Ripost bhuja hai
jaisa ki main ne
un ko arji kii thi.
Dur dus se to nana
prakar ke shikayaton
ko peah karta par wala
un ke bishay baten
Karne ko hazir na ata.
Yours obediently
Luk. U. S. Kujur

To The Secretary
Lutheran Church Council
Luth. Compound
Ranchi

File

Lohardaga
12.10.1931

Mahashay.

Ap ko mera bahut bahut

y[illegible]mashay.

Rev. Mathias Toppo ke Report-

jo Church Council se Ilake

men apas aye us ke bishay

men Main Arangi gaya aur

Mathias ko bhi bulaya par

vah [illegible] men beti ke bimari

ke karn nahi aye, phir main

us ke pas ja ke kaha ki

ap ja ke Arangi walon se

bat kijiye aur mujhe phir

Report kijiye ki main in ko

Church Council men bhejun-

par wah ab tak na Lohar-

daga panchit tin mahino

OFFICE OF THE SECRETARY LUTHERAN CHURCH COUNCIL CHOTANAGPUR & ASSAM

----------oOo----------

12. MATIAS TOPPO (PADRI)

Padri Matias Toppo ko Sikuwar Perish men Council ne bahut bichar karke rahne dene ki agya dii jis par Sibsereng Pracharakpan aur kitne anya pracharakpanon ke logon ne aprasannta dikhai aur darkhast bheja ki we Padri ke sang kam karna nahin chahte. Yah darkhast aur padri ki chitthi bhi bin Ilake ke ai. So bichar hua -

SANKALP : Ki Sibsereng ka darkhast aur padri ki chitthi Ilake men unki ray ke liye bhej dii jay.

Memo No. 233/31.
F.- 2.

Dated Ranchi, the 31st July, 1931.

Extract copy from the Minutes of the Church Council Executive of 17th. July, 1931 forwarded to the Rev. U.E. Kujur, Lohardaga for information, guidance and compliance.

Secretary,
G.E.L. Church.

Church Council
Received 24.6.31
Register No. 96.
Date 22.6.31
File 2 or 57
Reply ......
Date ......

File

असांगा
ता॰ 22-६-31 -

महामानावर महोदय चार्च कौंसिल को असांगा मण्डली के प्रचारक पन पचों के ओर से - मसीहसहाय।

असांगा प्रचारक पन पचों का वो मण्डली की ओर से एक आर्ज या आखरी निवेदन पत्र की दरखास्त ता॰ 23-24-माई 1931 ई॰ को इलाका होकर चार्च कौंसिल में खास जलदी इसपेसल बैठकी वा फैसला करने के वास्ते भेजा गई, लेकिन अभी करीब एक महिना गुजर गई-कि अभी तक कोई-फैसला का खबर तक हम लोगों को-मालूम नहीं है। इसलिये यह खत-आप के पास भेजा जाता है, जिस्से अगर बैठका ना ना हुई हो तो जलदी से जलदि इसपेसल बैठकी करके, दरखास्त का छान बीन करके वा फैसल कर के हम लोगों के पास-खबर भेजिय। अगर जलदी ना भेजने

से मराडलियों मे बहुत जल्दी हलचल -
मचने का डर है, सो इस खत के पाते साथ -
जल्दी सफाई कर दीजिये, जिस्से मराडलियों
मे कोई हलचल ना मचे परन्तु शांन्त
होकर सुभरीती से चलाई जावे।
आगे अरोंगा मराडली दे। - पंचों की
ओर से सेक्रेटरी -
गिरधून किको अरोंगा
ता॰ 29 ९-32 -

मान्यवर
पी [illegible] सेक्रेटरी
लुथेरन चार्च कौंसिल-
रांची

Church Council
Received 22.5.31
Register No. 57
Date.........
File.........
Reply No.........
Date.........

No. 71

True copy.

To

The Secretary,
Board of Trustees,
Lutheran Church Chotanagpur & Assam,
Ranchi.

Mahashay,

Mere dekhne men aur said ap log bhi dekhe honge to malum hoga ki Lohardaga ke bagaon ki kaisi buri dasha hoti ja rahi hai. Bagan to School ke larke larkiyon ke gardenic class ke liye o hostelon ke liye diye gaye hai. Par hostelon men kuchh punji na hone se mali kuli ka kharch karna bara maskil hua, phir larke larkiyan to sikhne ke liye rop-te bunte hain amdani ke liye to nahin, ropne, bunne ke liye tarika sikhna chahiye jarur par is kam ke liye to bagan ko chhor hatte men aur bhi jagah hai jahan barshat men we kheti sikh sakte hain. Main to is sal mandli ke taraph se ek chau-kidar rakha hun jis se dharmashala ka, girja ka, hatta ka, kam karwata hun aur chahta hun ki usi ke jariye bagaon men bhi kam karwaun ki wahan se bhi mandli men kuchh madat mile, so kripa karke aisa karna banta hai to bagan ko mandli ke liye de diji-ye.

Ap ka agyadhin,

Lohardaga. Sd/- Rev. U. E. Kujur.

6-2-1931.

Copy forwarded to Rev. A. John Kerkel.

By giving the Lohardaga station garden to the schools, the garden have been spoiled. There are no malis or chowkidars to look after them. They are not situated in the middle of the station compound as we have here at Ranchi and during the school holidays there is absolutely no body to look after the garden.

The garden in my opinion should be made over to the Slakes Panch through the Chairman.

D. M. Panna
19.2.31

No. 196–197

Panna's proposal that the garden at Lohardaga should be given to the Lohardaga Pl. Slakes Panch. I have forwarded copy of this to the Secretary C.E. Ranchi.

A. John Secrt. Property Deptt

D. M. Panna
19.2.1931

OFFICE OF THE SECRETARY LUTHERAN CHURCH COUNCIL CHOTANAGPUR & ASSAM.

PURN CHURCH COUNCIL KI BAITHKI KA MANTABYA.

Ta: 30 April, 1931.

--------oOo-------

AMBERA GOLMAL.

Malum hua ki Ambera men arthat gaon men wahan ke pracharak ke sambandh men bahut golmal hai. Ilaka Chairman ka report is par parha gaya aur yah bhi malum hua ki logon ke bich men itna bemel hai ki unko samjhane ke liye Council se kaiek janon ko bhejna chahiye. Isliye yah phaisla hua -

SANKALP: Ki Council ka ek Commission Ambera jawe. Is Commission men padri Yuel Lakra aur padri Benjamin rahen. We wahan jakar mel milap sthapan kar mandli ko sthir karne ka upay karen.

Sd/- J. Topono.
President.

Sd/- P. Hurad.
Secretary.

Memo No. 62-63/31.
F.- 2.

Dated Ranchi, the 8th June. 1931.

Copy of the Church Council Resolution of 30th. April, 1931 forwarded to the Revds. J. Lakra and B. Minz.
for information, guidance and compliance.

[signature]

Secretary,
G.E.L. Church.

रोहतासगढ़ में मिशनरी काम

Church Council
Received 29.4.31.
Register No. 987.
Date 25.4.31
File 2
Reply No. ......
Date ......

Missionary Report.— Jore, Palamau + Rohtas.

माननीय महाशय गण।

महाशयो, मैं रिपोर्ट देने को तैयार था पर समय के अभाव से मैं चुप रहा। परन्तु मुझे सौभाग्य हुआ कि महासभा Missionary Report के पुस्तक के लिये मुझे रिपोर्ट लिखने कहा कि आप लोग की नजर में आवे।

हमारा रोहतास चर्च वा तो रोहतास पहाड़ में है, हमारा काम शुरू हुआ है। १९२९ में वहां जेन मेमोरियल का कुआ और इलाके के बाहर के कार्यकर्ताओं के मदद से एक छोटा गजर २५ डिसम्बर को, बड़े धूम से पादरी [illegible] के द्वारा बपतिस्मा किया गया और एक गिर्जा घर शामिल प्रचारक का घर भी बनाया गया है। रोहतास चर्च के मुख्य टोलों में प्रचारक और एक घराने के आदमी हैं, दूसरे घराने जोबिया, छातू, एकमहुआ, आमझारिया चार गांवों में हैं, एक घराने जोबिया वालों का बपतिस्मा अब तक नहीं हुआ है, उनको शिक्षा मिल जाने पर बपतिस्मा मिलेगा। रोहतास में ज्यादा करके उरांव मुण्डा भुइयां, नागेसिया आदि छोटानागपुर के लोग हैं और उन्हीं में धर्म की कुछ मांग देखा जाता है वह जात के लोग तो तुच्छ करते हैं, पर हमारे तरफ से समझाने की घटी के कारण कार्यकर्ताओं की घटी है, और बपतिस्मा लेकर [illegible] को समझा और कार्यकर्ता हैं पर सामाजिक व्यवहार की घटी अर्थात शादी ब्याह, जो उनसे मिलना जुलना के कारण रोहतास में अभी तक अधिक ख्रिस्तान नहीं हो रहे हैं। एक बात की जो शिकायत हम को थी अर्थात "उरांव प्रचारक का घर" अब मिट गई है क्योंकि हम स्थानों के भी गिर्जा घर बना लिये हैं। पर अभी तक दूसरी शिकायतें दूर नहीं हुई हैं अर्थात और कार्यकर्ता रखना और शादी की मुश्किलता—

प्रचारक के लिये आधे मेम्बर महावारी १०) रु. देता है पर इलाके ने अपने साल वृद्धि आदि चन्दा से जमा कर और ५) रु. अभी १५) महावारी देता है। कि जिससे अच्छा काम किया जाय, और वहां के बपतिस्मा ख्रिस्तान प्रचारकों के तरफ से काम [illegible] होवें। प्रचार वहां के लिये अच्छा प्रयोजन है क्योंकि वहां D. B. के अधीन स्कूल मास्टर था और हाल में वहां का पहिला प्रचारक कहा जा सकता है जिसने मास्टरी करते भी प्रचारक का काम किया और ख्रिस्तान भी बनाया, किया, क्योंकि उसी के परिश्रम का फल है कि अभी वहां दो नये ख्रिस्तान घराने हैं।

अभी केवल Bondary के ऐसा प्रचार का काम होते हैं कहां कहां कैसा कैसा गांव है, किस जात के है, कैसे हालत में है कैसे वे ख्रिस्तान पंथ में लाये जा सकते हैं, इन्हीं कोशिश में लगे हैं और जैसा मौका मिलता है, धर्म की बातें बताते, और दवा देते, विनती प्रार्थना करते हैं। राजा जमींदार खुल्लमखुल्ला विरोधी नहीं हैं पर भीतरी तौर से रोक छेड़ करते हैं, सताहट उनसे ख्रिस्तानों पर नहीं है पर जात वाले ही कभी [illegible]ते हैं। दोना धर्मवाले बहुत पर बहुत हो हैं पर अभी धर्म से ठोकर खाये हैं क्योंकि उनका

II

एक गुरु जगोजगत से अपरिचित हुआ, और दूसरा गुरु शोक ना पाता के ऐसा हुआ है। पर उसके चेले आगो बढ़ हुम पड़ हैं, नित्य खिस्तान धर्म की ओर पर निर्दिन स्वराज की ओर ताक रहे हैं, सच है अभी उन को अदृष्ट मार्ग की ओर मिलने का मौका है क्योंकि अपने राना धर्म में होकर स्वाद है, पर वह दो रोक टोक हैं जिन के कारण उन को खुल्लम खुल्ला होने से रोक दिया है।

आगे मैं रांची से चल के पलामू तक मैं गया और उधर भी अपने जात भाइ उरांवों को पाने से बड़ा खुश हुआ फिर मुझे संतोषजनक हुआ और आगे रोहतास गढ़ तक वहाँ और वहाँ बड़ा बड़ा मुश्किलता से पहुँचा पर वहाँ के आनन्द के, गानों, बातों, व्यवहारों को अपने जात गोतिया, भाइ बहिनों से पाके सब दुःखों और मुश्किलताओं को भूल गया मुसलमान राजाओं के बड़े बड़े महलों किलों घरों को देख कर और उन के इतिहासों को सुन कर बड़ा खुशी तो हुआ पर अपने हमारे जात गोत के भाइ बहिनों के बुरे दशा, अज्ञानता, धर्म हीनता और अन्य लोगों से दबाव आदि को देख सुन कर मेरे मन में बड़ा खेद हुआ, और यही बात मेरे मन में आया कि इतिहास लिखते हम, देख कर कितना तरस खाके कि वे आके हमारे लिये ऐसे कुछ धर्म के कार्यों को किये तब मैं अपने निज जात और गोत के भाइ बहिनों के ऐसे दशा, दुःख, अज्ञानता और धर्महीनता देख कर तरस न खाऊं, मैं उन को कहा आइये मैं चाहता हूं कि आप लोग हम के समान होते, जैसे हम लोग अन्य साहिबों के समान हुए हैं। हम लोग नीतर ऐसी बात गाते हैं कि यहां इसाइ हो जाते हो, तब वे बोले आप लोगों ने पढ़ लिये इस से ऐसे हुए हैं, क्या ही अच्छा होता कि आप लोग हम लोगों को भी पढ़ाते और अपने समान बनाते, इस पर मैं उन को वादा किया कि, मैं आप लोगों के लिये स्कूलों का बन्दोबस्त सरकार की ओर से करवा देऊंगा और मैं अपने ओर से मास्टरों को देऊंगा, क्योंकि मुझे कुछ भरोसा हुआ कि खास महल अर्थात सरकार के निज गांव में तो स्कूल के विषय में और खिस्तान धर्म के विषय में कुछ रोक टोक न होगा, और मैं खुशी हुआ कि जुरूर से एक मजिस्ट्रेट साहेब D. McLeod Smith Esqr वहां हैं जो आप उरांव समझते हैं और एक उरांव भाषा को सीखते गये हैं, क्योंकि मैं ने सुना था कि नागपुर से एक magistrate साहेब ससराम में हैं और वे हमों से चार पांच रोज पहिले वहां पहुंचे थे, और उन उरांव भाइयों से उरांव में बातें कर बड़ा खुश किये थे। सो मेरी अर्जी है कि
P.T.O.

वहां के लिये चाहे कोमिशन के स्कूलों को मांगे एक नागारोली में और दूसरा रेहल में, और वहां के लिये वहां से निकलकर trained teachers वहां जाएं, और समय समय पर प्रचारक भाई आके वहां उपदेश करें। मगर सरकार की ओर से मास्टर रहे तो और लोगों को ज्यादा खतरा करने में कठिनता पड़े या प्रचारक को, और आगे के खर्च के तंग के कारण भी शायद यही ठीक होगा कि मास्टर हो और पादरी प्रचारक पादरी भी वहां रह सकते हैं। नागारोली और रेहल गावों के थाना और पोस्ट आफिस हैं अकबरपुर, कचहरी है शसराम और जिला आरा व शाहाबाद प्रान्त बिहार।

Raj. [illegible]

25-4-1931

Church Council
Received 17.4.31.
Register No. 950.
Date 14.4.31
File 2
Reply No. ....
Date ....

File 17/4/31

To
The Secretary
Lutheran Church Council
Ranchi

महाशय

आप से जो अभिरा के भाईयों से वहां के प्रचारक के विरुद्ध और कितने भाई उस के सिफारिश कर चार्च कौंसिल को ओ उस का नकल लोहरदगा इलाके को भी दिये थे पाया ओ फुरसत पाके इलाके से मैं पाड़ीबाबु ओ प्रचारक लोगों के साथ ता २२. मार्च को गया ओ वहां दोनों पक्ष वालों को जमा कर के उन को समझाया ओ फिर उन से बदली करवाने के कारणों को पूछा ओ जांच भी किया पर कोई बदली करने लायक कारण न मिला केवल एक भाई निर्मल लकड़ा और उस के साथ सिर्लोचित सहरौल इन्ही लोगों को इनकाकात में जोड़ ओ हठपन हैं। मैं खेत का पट्टा भी देखा जिस पर उस का कुछ हक्क नहीं वह उस के एक

एक संस्था गोलियत के नाम में पहनाई जमीन
थी, इस ने कहा कि पहनाई और नौकरी जमीन
है जो पाहन है उसी का है, क्या तुम भी पहनाई
करने चाहते हो? वह बोला नौकर रख कर
करवावेंगे, मैं बोला खूत तो कड़ा भेड़ भी
सगिया दे आगे। वह बोला हां तब मैं कहा
भाई यदि तुम पहनाई खेत के लिये कड़ा भेड़
देंगे तो भागी किसान कैसे रहेंगे? पर वह
इन समझाने की बातें को मानता है नहीं।
कमीशन अपना मिनिट और रीपोर्ट इलाके को
(५) दिया और इलाके ने भी ठहराया कि प्रचारकों को
उन के हठ और जिद्द के कारण बदली करना
उन को और से दोष बनाना है, उन के इच्छा
अनुसार प्रचार के भार किया जाय, या मण्डली
दो भाग कर दिया जाय तो उन में एक घमंड
(२) आ जावेगा जिसके कारण आगे उस मण्डली को
सुधारना और आसन करना बड़ा मुश्किल होगा
वे तो पहिले ही से धमकाते हैं कि अपना अपना
रस्ता देखेंगे, जो धर्म और न्याय, मेल और प्रेम
(६) के अधीन रहने नहीं चाहते हैं उन लोगों से क्या
किया चाहिये। चार्च कौंसिल भी यदि सकती

आज ता २२-२-३२ को आम्बेरा प्रचारक मन की बैठकी हुई।

बैठकी की हाजरी :—

आम्बेरा के	— ८	लोहरदगा के पाद्री	– १
पटनापुर के	— ११	कुडू के "	– १
भूरा के	— ६	चट्टी के "	– २
कुम्बो के	— ३	आम्बेरा (अड़मा प्रचारक)	– १
सकरौली	— ६	भरनो – के भाई	– २
भायरा	— २		
अड़गाव	— २		
	२७		५

जमा — ४२ आदमी हाजिर थे

(१) लोहरदगा के पाद्री बाबू चेयरमन ठहराये गये। चेयरमैन पहले प्रार्थना किये :—
कलीसिया मण्डली से तो दरख्वास्त दिया गया लेकचर द्वारा चेयरमैन समझाये [illegible] दिये — एक दरख्वास्त प्रचारक के गिरफ्तारी वास्ते था और एक दरख्वास्त प्रचारक के विरुद्ध में था —

(२) चट्टी के पादरी बाबू लेकचर को दृष्टान्त देते हुए फैसला करना चाहो उस को भाइयों से पूछा

(३) कुडू के पादरी बाबू कहे कि कर्मचारियों को किसी के तरफ पक्ष पाती होकर कहना नहीं चाहिए।

(४) फिर गुरू पाद्री बोले कि प्रचारक के कारण भराडली गोलमाल होता है तब बदली करना चाही।

(५) फिर ऐसा समय में बदली करना चाही कि जब प्रचारक का काम खराब है ऐसा कहते हुए कै एक बातों को लेकचर द्वारा समझावे

फिर जब प्रचारक को स्वास्थ ठीक नहीं रहता है तब बदली होती है।

(६) आवेल के निरमल बोला — बिगाड़ ही के कारण डोरवा के भाई संलाद हुआ — प्रचारक बोले कि बिगाड़ के कारण नहीं पर दूसरा कारण कि वह अपने बेटा को गिर्जा नहीं लाता और १२ बरस के ऊपर में साधी करना चाहता है उसे हम रोक दिये तब गिर्जा छोड़ा

(७) आवेल के निरमल बोला कि प्रचारक हमारा भलाई नहीं चाहता है, भाईयों से लड़वाता है।

गावरेल बोला कि हरदम झगड़ा तकरार होता है इस कारण बदली करना चाही। —

(८) सकरौली के खिस्तोचित लकड़ा बोले कि हमारे घर में चार बर्ष तक घुमने नहीं आता क्या आदर का कैसा करने का है

(९) चट्टी के पाद्री बाबू बोले कि अगहन महिना में खिस्तोचित के घर गये तब बोला कि निरमल मेल होने नहीं देता है; भाई के साथ कैसे बिगाड़ २ ——

(20) याकुब (आम्बेरा के) बोले कि हम एकरोज मिलो चावल प्रचारक से याम में मांगा तब नहीं है बोला और नहीं दिया और बजार में ले गया और बेचा — प्रचारक बोले कि वह चावल आम्बेरा का नहीं था, पूरा का था —

(21) निरमल बोला कि संसार भाई कहते हैं कि जब प्रचारक नहीं बदली होगा तब हम लोग खृष्टान नहीं होंगे, इस के विषय प्रचारक बोले कि खृष्टान भाईयों ने कहा कि जब तुम लोग खृष्टान हो कर ठीक नहीं ~~चलोगे~~ चलोगे तो शैतान फिर घेरेगा ऐसा सुन कर मण्डली में नहीं आये ! —

(22) प्रचारक के पक्ष वाले — मतियस बड़ा पूरा बोला कि प्रचारक कुछ दोष नहीं है बराबर घूमने जाता है।

(23) जुनास पूरा बोले - प्रचारक का कुछ दोष नहीं है।-

(24) धर्मदास मरन पूर बोला कि प्रचारक का कुछ दोष नहीं है और बदली नहीं करेंगे —

(25) सन्तोष पूरा बोला कि प्रचारक का कुछ दोष नहीं है जो दोष लगाये गये उन्हे भी हम दोष नहीं समझते हैं और बोले खृष्टोन्नित के घर में नहीं जाता है उस के विषय में जोरख सभा से मना किया गया था फिर बोले कि यह प्रचारक रहते बहुत खृष्टान हो गये आठ घर हैं —

(१६) सिलहट [illegible] के रहने वाले [illegible]
[illegible] में [illegible] वास्ता [illegible] पर था [illegible]
उस के लिये [illegible] किया जाता था —
[illegible] [illegible] (६)
[illegible] बहुत काम है जो इस [illegible] (७)
(१७) [illegible] (४)
(१८) [illegible] की [illegible] का [illegible]
(१९) [illegible] को [illegible] किया
(२०) [illegible] को [illegible] किया
(२१) [illegible] का [illegible] किया
(२२) [illegible] के [illegible]
के [illegible] से [illegible]
[illegible] होने का कोई कारण [illegible] किया
कारण [illegible] नहीं [illegible] गया (३)
(२३) [illegible] के [illegible] बोल कि [illegible]
[illegible] (दोष के कारण) वह नहीं मिला इस का
यहां तक बने मिलाप होना [illegible]
(२४) [illegible] को [illegible] प्रकाश [illegible] कि [illegible]
[illegible] रूप में किया उस का कोई सबूत नहीं
मिला इसे [illegible] करना चाहिये —
(२५) [illegible] करने के [illegible] मसलों में जहां तक
मिलाप के साथ रहना चाहिये —

Church Council
Received 10.2.31
Register No. 716.
Date 29.1.31.
File 2.
Reply No......
Date......

The case may require prompt action to be taken ... may be made

श्री युक्त महामान्यवर महाशयों चार्च कौंशिल के
निकट सविनय निवेदन।

महाशय।

मम्बेरा मराडली के भाइयों का प्रार्थना यह है कि हम लोग पहिले पेरिश के पास दरखास्त दिये थे उस का हमों को कोइ जबाब पेरिश से नहीं मिला अब तक आशा में थे पर आशा पूरा नहीं हुआ इस लिये चार्च कौंशिल के मेम्बरों से फिर से दीनता हो कर प्रार्थना करते हैं कि प्रचारक को जहां तक बने बदली करना अति जरूरत है ये तो खुद आप ही कहते हैं कि मैं इन से बिगड़ा तो मराडली को भी बिगाड़ कर जाऊंगी ऐसा उस के मुंह से निकलती हैं और भीतर भीतर ठीक वैसा ही कर रहें हैं और भाइयों के बीच अनबन कर भाइ भाइ के बीच तलवार पकड़वा कर लड़वाने का चिन्ता करते हैं अगर हम लोग पीछे लड़ते लड़ते छिन भिन्न होजायगे तो मराडली भी बिगड़ जायगी महाशयों ने मराडली रखने चाहते हैं तो आ कर इस अनबन को फैसला कर प्रचारक को बदली कर दीजिये हम लोग इस को नहीं चाहते हैं और न इनसे मेल होगी। एक बार पेरिश के मेम्बर धर्म्म प्रकाश पादरी

बाबु अनबन को फैसला करने को आये पर
वे फैसला करने के बदले भाइयों के बीच में –
झगड़ा बढ़ा कर चले गये और सैद बाबु आगे
झूठा कैफियत दिये होगें हम लोग बाबु से
कुछ बिगाड़ नहीं हैं पर वे पादरी हो कर भी कहते
हैं कि कहीं बचनदत्त के लिये चले जाओ ऐसा जबाब
दिया और हमों को वचनदत्त को ग्रहन न करके बचन
दत्त नहीं दिये इस लिये बाबु से हमों को कुछ नराज
लगा।

आगे हम लोग सुमार संख्या ८७ परिवार प्रचारक
को नहीं चाहते हैं महाशयों एक दो घर का अन-
बन को केवल जानते हैं लेकिन उन के साथ साथ
और भाई लोग भी अनबन है सो जांच कौंसिल
के महाशयों ने आके विचार कर देख लेंगें और
प्रचारक का बदली करना जरूरत हैं नहीं करते हैं
तो हम लोग अपना रास्ता देख रहें है आगे महाशयों
के मालिक है जो चाहे सो हो सकता है।

लि० सम्बेरा का भाइयें।

१. Kh. Lakra — ४. अब्राहाम तिर्की

२. निर्मल लकड़ा — ५. प्रभुसहाय बेक

३. गब्रीएल लकड़ा — ६. याकूब बड़ा

Church Council
Received 3.10.30.
Register No. 393
Date............
File 2.
Reply No.......
Date............

श्री युत महामन्यवर चार्च कौंशील के कार्य कारक को मेम्बर गारा।
को हम आम्बेरा मराङलो के लोगों के ओर से योबु सहाय

महाशय !

आम्बेरा मराङलो के प्रचारिक पन में कै एक भाईयों और प्रचारिक
के बीच में झूठी मूठी बातों के कारण अनबन हो गये। ईस कारण
दुसरे ख्रीशाीतानोस से २९ जुन १९-३० ई. से निर्मल लकड़ा
आम्बेरा कुसलमय लकड़ा आम्बेरा मोशेमत मगदली लकड़ा, आम्बेरा
बड़का टोली याकुब बड़ा आम्बेरा बड़का टोली – ख्रिस्तोचित्त –
लकड़ा कुम्बा टोली। अलग गिर्जा करतें हैं फिर झूठ मूठ दोश
लगाके कितने दरखस्त ज्योतिस सभा में और चार्च कौंशील में
भेजे हैं जो महाशयों को मालुम भी हैं पीछे २२ सेप्टेम्बर को १९-३० में
ड्योकिश के आज्ञा अनुसार पेरीस के कितने लोग आये और समझा
कर मेल करने चाहे पर वे मेल होने को नहीं चाहते, पर केवल बदली
बदली चिल्लाते हैं और प्रचारक को देखने नहीं चाहते हैं ऐसी
बात वे पीरीश को मराङलो के सामने, और गिर्जा घर हमारे भुईहारी
है मिशन का क्या आवश्यक है " ऐसी बातें पचों के सामने हुई और
सभा में प्रचारक को बेटा पुरुल एक्का को मारने के लिये उन उस समय
भरनी का प्रचारक ने रोका – ऐसी बातों के कारण आज तारिख –
२८ सेप्टेम्बर को १९-३० ई. को नीचे लिखे हुए नामों के भाई लोग
बैठकी करके पाया कि प्रचारक में कुछ दोश नहीं हैं " प्रन्तु ईस
प्रचारक के काम से हम लोग बहुत खुशी है दुःख सुख में आना जाना
आतमीक और लौकीक कमों में मदत करना धर्म बातों को सिखाना पढ़ाना
बहुत हीं अच्छा है इसके घर कि दशा देखने में बहुत हीं दुःखी है पर
किसी सुरत इस जगह जिवीका जुटाया गया हैं इस लिये हमों कि
राय और आप स भी आजी हैं कि प्रचारक कि सी सुरत बदली
न किया जाय लेकिन झगड़ा मिटा कर मेल करा दिया जय –
इस दरखस्त का नकल कारक फादर पेरीश और ड्योकिश सभा में भी
भेजा गया है। – (नो) जिनके नाम नीचे लिखें हैं (वये)
(~~ओतर बेल आप~~) वे अपना निशाना भी दिये हैं।

न॰	नाम + गोतर	गांव
१	मतियस बड़ा	जुरा

२. नाम गो मीना
गुनस - कुजुर - जुरा
३ मसीह प्रकाश मिंज कुम्बेर
४ चर्म्मराय · बेक · मदनपुर २०
५ हनुक तकड़ा ज्युरवेरा
६ सन्तोष पन्ना - मास्टर जुरा

माकुरलबेक मदनपुर
२८ जरा गोम्बा

७) रेजुलनकड़ा
१४ याकूब बेक मन्दनपुर
२१ पोलुसखड़ा जुरा

८ सिमोनखड़ा रवपाचेली
१५ मसीहदास बेक मन्दनपुर
२२ मो. मगलखलखा जुरा

९ ... तकड़ा ... गा१
१६ २३ प्रभुदास खड़ा जुरा

१० मैथ्यु बेक डहुवेली
१७ माकुस टोप्पो मन्दनपुर
२४ कब्बुरा कुजुर कुम्बे।

११ ... बेक मन्दपुर
१८ ... टोप्पो मन्दपुर
२५ धान मसीह खड़ा। कुम्बो

१२ नानमसीह खड़ा। जुरा
१९ मसीह ... टोप्पो मन्दनपुर
२६ सुखेमान खड़ा कुम्बो

१३ लिदया बेक मो: मन्दनपुर
२० मसीहचरराबेक मन्दनपुर
२७ मोहन कुजुर जेरा

Church Council
Received 9.2.31.
Register No 709
Date 6.2.31
File 2
Reply No ...... To
Date ......

File

For information

The Secretary
Lutheran Church Council
Ranchi.

महाशय

आप को मेरा यीशुसहाय।

आप के चिट्ठी बाबत Rev. J. J. P. Tiga के विशय उजूर का जवाब पाके हमें सन्तोष तो न हुआ क्योंकि इस विशय में इलाके से कुछ पूछ पाछ नहीं हुआ जिस से आप लोगों को मालूम होता कि क्यों उजूर करते हैं फिर आप लोग भी हमें क्यों बदली किया जाना हो चाहिये इस बात को नहीं समझा दिये। यदि इस बात के विशय में एक दूसरे के मतलब को जान जाते तो नाहक नाराज होते पर यदि पूछ पाछ नहीं किया जाता है तो अनजानेसभी मन में नाराज होना पड़ता है। अब आगे चार्च कौंशिल से बिनय है कि कृपा कर के हर एक इलाके का क्या क्या हक है और चार्च कौंशिल का क्या हक है निस्छा निस्छो नियम ठहरा दिया जावे कि हर कोई जान सके और कोई कुछ न कुड़कुड़ावे।

आप का आज्ञाधीन

Rev. H. B. Kujur

Lohardaga
6.2.1931.

To The secretary
Lutheran Church
Council

For information

File

INDIA POST CARD

Church Council
Received 9
Register No. 8.4.
Date 6.3.31
File 2
Reply No.
Date

RANCHI DELY. 8 MAR 31 3.30 P.M.

LOHARDAGA 5 MAR 31

INDIA POSTAGE HALF ½A ANNA

WRITING SPACE

abki panchait me
Rev. H. Khakkho hazir
na the. Un ke ray
milne par Sluka apni
jahah degi. Mera apna
nij bichar hai ki in
donon mese kisi ek ke
rahne se thik na hoga
kyonki Sikwar aur Arangi
Pracharkpan ek ek ko chun
legi to unko thik n hoga.

ADDRESS ONLY

To The Secretary
Luthiran Church Council
Lutheran Compound
Ranchi

From:
Rev. H.E. Kieger
Lohardaga
File

Lohardaga
6.3.1931

Mahashay:

Aap ka mera [illegible]
bahut [illegible] hay.

C. C. ka muntakhabya ka nihal bahut Mathias Toppo [illegible] athwa Nathaniel Khalkho ~~ko~~ Sikuar Parish men ~~kam~~ kam karega. Ilaka is bishay men Parish ki bhi ray lene chahte hai ki in donon men se kaun jan ke rahne se achha hoga athwa koi tisre naye jan ke ane se achha hoga. Parish baithke apni ray Ilaka ko shighr janaye. Un ke ray milne par Ilaka apni ray degi. So main ne ek chithi Rev. M. Toppo ke hath Rev. N. Khalkho ke dia hai kyonki

OFFICE OF THE SECRETARY LUTHERAN CHURCH COUNCIL CHOTANAGPUR & ASSAM

CHURCH COUNCIL KE KARJKARAK SABHA KI BAITHKI KA MANTABYA.

Ta: 5 March, 1931.

----------oOo----------

25. LOHARDAGA BAGAN.

School ke byawahar men rahne se Lohardaga ka bara bagan ek dam bigar gaya. School ke liye itne bare bagan ki jarurat nahin so is bishay par Ilaka Chairman ka darkhast parna gaya aur phaisla hua -

SANKALP : Ki Lohardaga ka bagan bhawishyat men mandali ke jimma men rahe aur yadi School ko bagan jarurat ho to School ke samhne ki dusri jaminen di jay.

Sd. J. Topono.
President.

Sd. P. Hurad.
Secretary.

Memo No. 845-46/31.
F.- 30 or 2.

Dated Ranchi, the 9th. March, 1931.

Extract copy from the Minutes of the Church Council Executive's Minutes of 5th. March, 1931 forwarded to the Rev. U.E. Kujur for information.
Hd- Supervisor.

[signature]

Secretary,

Lutheran Church, Ranchi.

Church Council
Received 14.10.30.
Register No. 1425.
Date 9.10.30.
File 2.
Reply No.
Date

President 13/10/30

Fil

महामान्यवार चार्च कौंसिल को हम लोहरदगा इलाके के प्रचारकों का बहुत २ यीशु सहाय होवे ।

आप-लोगों-को-मालूम-होवे, कि-हम-लोग ता. ६ आक्टोबार-से यहां सिखने-के लिये-इकट्ठे-हुएं हैं । जिस-में चार-पादरी-नाव-प्रचारक-हैं । सो घर-छोड़ के तंगि अवस्था में-यहां आये हैं । और-चार्च-कौंसिल सिखने-के-समय का खर्चा देगी, यह सुन-कर घर से भी-खर्चा नहीं लाया, और अलावे घर से खर्चा लवेंगे-कि-नहीं लवेंगे यह बात-भी-कठिन-है । क्योंकि-घर में-भी किसी-के घर में आठ, नाव प्राणी, किसी-के-घर-में चार पांच प्राणी हैं । और आमदनी-इस-समय किसी-प्रचारक-पन में दो, तीन, रु. का और-तीन, चार और चार-पांच रु. का आमदनी-है । इसको-घर वाले-खायेंगे कि हम-यहां ला कर खायेंगे । इस-लिये हम लोगों-का-अर्ज, अनुग्राहकारी चार्च कौंसिल-से ऐसा-है कि पन्द्राह रोज के शिक्षा के समय तक-आप पूर्ण रिती-से हम लोगों का पूरा खर्चा पन्द्राह रोज के लिये कृपा कर के जल्दी से भेज देवें, क्योंकि-इस बर्तमान समय में, यहां हम लोगों के इलाके-खजाने में भी कुछ नहीं है । कि यहां से कुछ खर्च-कर सकते ।

आपके श्रम
आप-के आज्ञाकारी
९-१०-३०- प्रचारक गण ।

1. Lawrentius Mugiz
2. Luther Minj
3. C. A. Samuel Minj
5. Pitarus [illegible]
6. Silwanus [illegible]
7. [illegible]
8. Barnabas [illegible]
9. Theophil [illegible]

P. T. O.

4. Fredrik Ekk.

5. Pritammasih Hespatta

6. Silwanus Toppo

7. हानुक तिर्की

8. Barnabas. Khakha..

9. Theophil Tirkey Tori

1. Rev. U. E. Kujur

2. " N. Khalkho

3. " D. P. Minj

4. " M. Lakra

सच को प्रचारकों की बहुत ही सोचनिय दशा है पर लोगों ने बेचारे विश्वास बिदेशी के कारण काम कोई सूरत सम्भालते हैं इस लिये शिक्षा कायम का खर्चा हमों को पूरा मिलना चाहिये

Rev. U. E. Kujur

Ilaka Chairman

Lohardaga

9.10.1930

True Copy.

Shriyukt Mahamanyawar mahashayon Church Council ke nikat sabinay niwedan.

Mahashay,

Ambera mandali ke bhaiyon ka prarthna yah hai ki ham log pahile Parish ke pas darkhast diye the uska hamon ko koi jabab Perish se nahin mila ab tak asha men the par asha puri nahin hua isliye Church Council ke memberon se phir se dinta ho kar prarthna karte hai.. ki pracharak ko jahan tak bane badli karna ati jarurat hai ye to khud ap hi kahte hain ki main in se bigra to mandali ko bhi bigar kar jaunga aisa uske munh se nikalti hai aur bhitar bhitar thik waisahi kar rahen hain aur bhaiyon ke bich anban kar bhai bhai ke bich talwar pakruwa kar larwane ka chinta karte hain agar ham log pichhe larte larte chhin bhinn ho jayge to mandali bhi bigar jaygi mahashayon ne mandali rakhne chahte hain to a kar is an ban ko phaisla kar pracharak ko badli kar dijiye ham log is ko nahin chahte hain aur na in se mel honge. Ek bar Perish ke member Dharmprakash padri Babu an ban ko phaisla karne ko aye par we phaisla karne ke badli bhaiyon ke bich men jhagra barha kar chale gaye aur sayd babu age jhutha kaiphiyat diye honge ham log babu se kuchh bigar nahin hain par we padri ho kar bhi kahte hain ki kahin bachandat ke liye chale jao aisa jabab diya aur hamon ka bachandatt ko grahan na kar ke bachandat nahin diye is liye babu se hamon ko kuchh naraj laga.

Age ham log sumar sankhya 77 prani pracharak ko nahin chahte hain mahashayon ek do ghar ka an ban ko kewal jante hain lekin unke sath sath aur bhai log bhi anban hain so Church Council ke mahashayo ne a ke bichar kar dekh lenge aur pracharak ko badli karna jarurat hai nahin karte hain to ham log apna rasta dekh rahen hain age mahashayon ne malik hai jo chahe so ho sakta hai.

Li. Ambera ka bhaiyen.

Sd. Kh. Lakra.
Nirmal Lakra.
Sd. Gabriel Lakra

Sd. Abirah am Tirky
Sd. Prabusahay Bek.
Sd. Yakub Bara.

Memo No: 734/31.
F. - 2.
Dated Ranchi, the 11th. February, 1931.

The petition in original of the Umbera people forwarded to Rev. U. Kujur, Ilaka Chairman, Lohardaga for a thorough investigation into the complaints and to submit a fuller report on the situation at the earliest date possible.

[signature]

Secretary,
Lutheran Church, Ranchi.

Church Council
Received 8.1.31.
Register No. 612
Date 7.1.31.
File 2.
Reply No. ....

File

To
The Lutheran Church Council
Ranchi

महाशय गण,

आप लोगों को लोहरदगा इलाके पंच की ओर से यीशुसहाय।

मा: पाद्री बाबू मत्तियस टोप्पो ने एक दरखास्त काम में फिर बहाली होने के बिषय दिया, जिस पर इस प्रकार का फैसला पंचों से हुआ है कि चार्च कौंसिल ने तो पाद्री बाबू के लिये दिसम्बर १९२९ से दिसम्बर १९३० तक छुट्टी दिई थी पर इलाके से पैरिश की कठिनाई पर उक्त बाबू से अर्जी किया गया कि नथानियल बाबू के अभिषिक्त होने तक काम करे और वैसाही हुआ अर्थात मार्च तक मत्तियस बाबू काम किये। सो उसकी छुट्टी साल भर होने को मार्च १९३१ तक जा सकती है।

इलाका पंच चार्च कौंशिल के पास उचित बिचार के लिये अर्पण कर देती है।

Lohardaga
7.1931

आज्ञाधीनस्त,

Rev. H. E. Kujur Chairman
Christ. B. Minz Secretary

रांची ३·१२·३०

येशु सहाय । इलाका चेअरमेन वो इलाका पंच
लोहरदगा ।

मालूम होवे कि इलाका पंच की सिफारिश कृपा से कौंसिल ने एक बरस भर को छुट्टी दस रुपया छुट्टी एलौएन्स समेत, हुकुम सादिर फरमाया। हुकुमनामा मुताबिक दिसम्बर के अन्त होने पर नये साल के जनवरी से काम पर फिर बहाल होने को तैयार हूँ। वो जैसा कि इलाका पंच वो कौंसिल फरमावे मंजूर है।

लेकिन यह भी याद रहे कि हुकुमनामा मोताबिक १९२९ के दिसम्बर से १९३० के दिसम्बर तक एक साल भर छुट्टी। मगर मैं अपने काम से मई १९३० से अलग हूँ। आगे शुभ।

Mathias Toppo.

To,
The Chairman,
Ilaka Panch,
Lohardaga.

Church Council
Received 3.1.31
Register No. 600.
Date 21.12.30.
File 2.
Reply No. ....
Date ....

File

बरगांव-बोड़ैयाटोली,
२१·१२·३०।

यीशु सहाय;

महा महोपमन-चार्च कौंसिल।

तरफ से मतियस टोप्पो, पास्टर, सिकंवार
पैरिश।

मालूम कराता हूं कि मैं कौंसिल की
कृपा से साल भर की छुट्टी, दस रुपया मासिक
एलौएन्स सहित पा चुका हूं।

ईश्वर की कृपा मुझ पर अधिकाई से
हुई है जिस करके मुझे आगे अपने काम
में बहाल होने की अपना काम करने का
हक मिला है, ऐसा मालूम पड़ता है।

सो मैंने अपना रपोर्ट नियमानुसार
इलाका चेयरमैन पास से कौंसिल को
भेजा है। नामालूम इलाके की ओर से
कौंसिल में मेरा रपोर्ट पहुंचेगा कि नहीं।

खासकर अपने तरफ से सीधा कौंसिल
में लिखने का साहस करता हूं।

कृपा करके मेरा चूक माफ कीजिये।

आपका आज्ञाधीन
सेवक।
Mathias Toppo.

Church Cou[illegible]
Received 10.12.30.
Register No. 567.
Date 4.12.30.
File 2
Reply No.............
Date...................

(१)

कामिश्न के साथ सिकवार और अरांगी प्रचारक पुन की पंचायत ता: २६-१०-३० ।

पनचैत प्रार्थना के साथ आरंभ हुई ।

सभा के द्वारा पाद्री बाबू जिला तोंगा सभापति चुने गये और इलियाजर एक्का सेक्रेटरी चुने गये

हाजिरी: अरांगी २४
सिकवार ५८
कामिश्न २
जमा ८४ ।

अरांगी पंच — ख्रिस्तकुमार किन्डो, नथानिएल [illegible], जिदयोन किन्डो, बाबू नथानिएल खलखो ।

सिकवार पंच — जयमसीह किन्डो, प्रभुसहाय [illegible] किन्डो, [illegible], जिहुस एक्का, एबेन किन्डो ।

पंचों के द्वारा आए भाई लोग भी सभा में [illegible] के द्वारा मंजूर हुआ कि सभा [illegible]

सभापति ने कमिश्न के आने का मतलब बताया कि सिकवार के [illegible] के दरखास्त ११-१०-३० के अनुसार [illegible] ६-८-३० के पेरिशपन्चैत के जवाब में भेजा गया कामिश्न आया, वह कमिश्न सभा द्वारा मंजूर किया गया ।

इस्तीफा चेयरमेन का काम ता: १-८-३० का मंजूर किया गया परन्तु बात मुल्तवी रखी जाने के कारण फिर से विचार के लिये रखा गया।

सभा की राय से कौंसिल की दोहाई की बधाई जो इलाके से नहीं किई गई वह सही किई गई।

सभों की सलाह से सिकवार प्रचारक संचपन पंच की ६ जुलाई १९३० का दरखास्त एक एक करके विचार होना आरंभ हुआ।

नं० १ सिकवार में पाद्रीपन — यह जिक्र सभों ने सही किया कि वाजिब है।

नं० २ धरबन्धु की बात — कि बाबू नथासिंह खलखो अभी अरांगीतोली से सिकवार परिश का काम देखभाल करें — इसके विषय विचार हुआ कि इसके दो कारण थे — (१) कारण — केवल एक साल का बन्दोबस्त। (२) कारण — सिकवार में पाद्री घर की गिरी हुई दशा।

नं० ३, ४, ५, ६, ७, ८ — सिकवार में पाद्री का धरकाई पर बहुत बात विचार करने के बाद प्रगट हुआ इसके विषय कि भाइयों में उन को पाद्री बाबू से कितनी बातों की नाराजी है जिन के कारण उसको वे ग्रहण करके नहीं सकते हैं। (१) सियांग में प्रभुसहाय किन्डो बाबू के साथ असन्तोष-जनक व्यवहार। (२) अरांगी में इतवार रोज बरात। (३) तलब के विषय अरांगी प्रचारकपन में झगड़ा।

पाद्री बाबू ने क्षमा मांगी।

(3)

पहिलो कारण पर देरतक सोच विचार करने के बाद सब भाइयों ने पाद्री बाबू के अपराध को प्रेमसे क्षमाकर दिये।

इतवार रोज बरात के विषय कहा गया कि ऐसा कहीं नहीं होना चाहिये, पाद्री बाबू इसका देखभाल किया और आगेमें कोरतलब के विषय ~~के बाद~~ की बात पाद्री बाबू के साथ नहीं पर आरांगी प्रचारकमन और इलाके की बात था इसलिये तय कर दी गई।

पाद्री बाबू नथानिएल ने धन्यवाद देकर सब भाइयों को यीशुसहाय किया।

फैसला:—

कि उक्त पाद्री बाबू आगे आरांगी हो से काम कर पर जब कहीं बीट न रहे तो सिकवार में गिर्जा करने आवे।

दो महीने के बाद उनका काम कायम हो जाने से सिकवार हो में आना रहे।

प्रार्थना के साथ सभा अन्त हुई।

सही:— ~~Rev~~ J. Tiga
President.
26-10-30

Eliajar Ekka
26-10-30

Ruben Kindo

A. Toppo.

प्रभुदयाल मिंज आरांगी।

Copy forwarded to the Luth. Church Council for information.

Rev. U. E. Kujur
4. 12. 1930

Church Council
Received 14.10.30.
Register No. 424
Date........
File L.
Reply No........
Date........

President

लुथरान चर्च कौंसिल पीयुसहाय।

जाहिर हो कि जोला का सिकवार प्रचारक पन के तरफ से, सिकवार पैरिश के सम्बन्ध उमर मंजुर दरखास्त दो कापी एक लतेहर या कि इलाका वास्ते दूसरा कौंसिल वास्ते जुलाई ८ सन १९३० को लिखी जाकर दोनों कापी लोहरदगा इलाका चेअरमेन के पेस किया गया।

दारखास्त देख पढ़ इलाका चेअरमेन (पादरी उबीनुस कुजुर) ने कौंसिल वाला दरखास्त कापी वापस फेर देकर आपत्ती उस पर इन्तिजाम करने को एक महीने बाद ता: १ली अगस्त १९३० दिन शुक्रवार को यहां सिकवार में गिरजा घर में बैठकी किये। जिसमें कुल १८ प्रानी दरखास्त वाले हाजिर आये बाकी अधिक दरखास्त वाले पानी के कारण वो बुना बुनाने के काम के कारण हाजिर आ न सके। तौभी पंचायती हुई। और अन्त में यह मालूम हुआ कि हाजिर वालों में कितने मंजुर हुए और कितनों ने नामंजुर किये व तिस पर गैर हाजिर वालों के कारण आठ

था पन्द्रह दिन वास्ते मोहलत मांगा
और दिया गया।

मगर बर्षा लगातार और बेसी बेसी होने के कारण पूरे बरसात गुजरने लों दरख्वास्त करने का पुनः एक हा होना नहीं बन पड़ा कारण कि यहां जल का सिलसिलार के बीच में और [illegible] से एक नदी के बारम्बार भरने के सबब इधर से उस पार, उस पार से इस पार आना जाना बन्द हो गया। इस कारण से हमलोगों के पर उधार जो [illegible] का मौकाई किया है। [illegible] लोग [illegible] सोचे थे कि [illegible] मोहलत [illegible] बिचार क्या हुआ [illegible] सका है। [illegible] के कारण [illegible] बाबू की तरफ [illegible] न पन्द्रह [illegible] हमीं [illegible] में कौंसिल के पास [illegible]

जो होय, हम लोग अभी आज ही [illegible] बाबू पास [illegible] जवाब लिखि के भेज देते हैं कि :—

" पंचायत का हाल :— [illegible] नहीं हुआ और है।

१. आराजी से [illegible] हाजिर न [illegible] [illegible], [illegible] [illegible], [illegible] प्रमदस्थल और [illegible]।

२. [illegible] में [illegible] बातें सब सम्पूर्णता से

बात चीत [illegible] [illegible] लिख गई । उसी [illegible]

३ · दरखास्त पर [illegible] [illegible] से उस [illegible] इलाका चेअरमेन होकर कि कमीशन रूप आये थे सो मालूम न हुआ । [illegible] कि कमिशन रूप आये थे होंगे तो शायद एक ही जन से कमीशन नहीं बन सकेगा ।

४. इस लिये आवश्यक जान पड़ता है कि और एक बेर कमीशन साथ बिचारे [illegible] ।

५. दरखास्त मे मूल बात सिकवार पेरिस [illegible] चेअरमेन के बारे में है । दोनों तरफ से बात चीत करते आते हुए सिकवार पेरिस के नये चेअरमेन की बोली बचन भी उसके जवाब सो [illegible] से मन शांत नहीं हो सका ।

६. शांति स्थापन इलाका चेअरमेन भी न कर सके । इस लिये चार्च कौंसिल की दोहाई की बधाई है ।

७. पंचायती मीतिंट इलाका चेअरमेन से लिखी गई और उसी पास है ·

सिकवार [illegible] पंचान के तरफ से
[illegible] नाम से
मतियस येप्पो
और [illegible] किंडो

बाजे रहे कि हम लोग अपना मूल दरखास्त [illegible] [illegible] बर लिखा भी चुका है सीधा आप [illegible] पास रजीस्टरी कर भेज दिया जाता है । नियमानुसार न जाता है [illegible] कर लौटा न दिया जाय ।

कृपया

कृपया मिस्टर बोगन से गुरुत्वा कर दिया

[illegible] उपाध्याय जी

[illegible] सिकन्दर जंग का प्रचार [illegible] पंच

के तरफ से [illegible]

[illegible] मालियस रुपया

[illegible] और सितोराम निको

ता: ८ मार्च को शनिवार सन् १९२० ई०

जंग की सिकन्दर।

[illegible]

बहदुर जनाब श्री मान्यवर लूथेरान चार्च कौंसिल को बहुत २ यीशुसहाय।

तरफ से सिकवार पेरिश के अन्दर खास सिकवार प्रचारकपन।

बजरिये लोहरदगा इलाका पंच।

बनिस्बत सिकवार पेरिश के पादरीपन।

१. आप लोगों को मालूम रहे कि खास सिकवार प्रचारकपन में जो खास - मौजे सिकवार ही पादरीपन वास्ते, पेश्तर ही से याने मान्यवर पादरी हाहन साहेब के द्वारा चुना वो ठहराया गया है कि मौके पर एक पादरी का बासा वहां होवे जो कि समूचे सिकवार पेरिश का काम इन्तिजाम - किया करे। इसी विचार पर सिकवार "प्रचारकपन" का नाम उठा दिया जाकर पादरीपन के उम्मेदवार एक कन्डिडेट बनाम तिमोथी केरकेट्टा, बाद कन्डिडेट हनुक खलखो, वो उनके पीछे कन्डिडेट मनमसीह टोप्पो, जिसके पीछे कन्डिडेट मतियस टोप्पो भेजे गये। जब समय की पूर्णता पहुंची तब कन्डिडेट मतियस टोप्पो १९१२ में सिकवार पेरिश के पादरी पन के लिये पदाभिषिक्त होकर आज लों मौजूद हैं। काश उक्त बाबु के तनदुरुस्ती में जरा बाधा होने के कारण १९३० में उसको एक वर्ष की छुट्टी लेनी पड़ी वो कौंसिल ने मिहरबानी कर उसको एक वर्ष की छुट्टी मंजुर की है। उनकी छुट्टी में सिकवार पेरिश का काम इन्तिजाम खातिर, कन्डिडेट - नथन एक्का खलखो पदाभिषिक्त पाकर अभी बहाल हैं।

२. १५ वी माई १९३० के घरबन्धु में इश्तिहार खबर में पृष्ठ ७० हेरम ५ में पढ़ते हैं कि "नथन एक्का खलखो अभी आरांगी ही से सिकवार पेरिश का काम देख भाल करे"। इस को पढ़कर आरांगी प्रचारकपन को छोड़ कर खास सिकवार प्रचारकपन पंच वो शायद दूसरे तीसरे प्रचारकपन पंच भी ताज्जुब हो गये हैं कि अब सिकवार पादरी पन उठाया जाकर आरांगी प्रचारकपन, पादरीपन बना लिया जाता है, जो हमों को बिलकुल मंजुर नहीं है।

३. असल में बात यही है कि अभी हाल में सिकवार पादरीपन में पादरी के रहने का घर नहीं है, गिरपड़ा है। परन्तु पादरी के रहने के घर बनिस्बत सिकवार पेरिश ~~को~~ कि लोहरदगा इलाका पंच

में अनेकानेक बातें निकाली गई हैं जो कायल भी हैं ।-

४. मालूम होवे कि अरांगी प्रचारक पद पंच, व लोहरदगा इलाका पंच, दोनों मुस्तैद हैं कि अभी तुरन्त पादरी वास्ते नया घर सिकवार में बनाया जावे; जब तक पादरी वास्ते नया घर न बने तब तक नया पादरी (नथनएल खलखो) सिकवार नहीं आ सकता है।

५. खैर जो हो, मगर हम लोग (सिकवार प्रचारक पद पंचायत) तैयार हैं कि यहां पर पादरी वास्ते नया घर बनावें। किन्तु बरसात इसी बरसात के कारण नया घर का बनना असम्भव है। तो भी हम लोग करार हैं जो मुस्तैद हैं कि आने वाले साल में पादरी का मकान बनावेंगे जिसके खातिर हमों का यही इन्तिजाम है, कि सिकवार प्रचारक पद में घर प्रति एक रुपैया चन्दा लेने देने का फिहरिस्त तैयार किया गया है जिससे मालूम होता है कि जमा ४८) अड़तालिस रुपैया होगा अलावे पुराने पादरी के माथे २८) अट्ठाईस रुपैया जुमला ७६) छिहत्तर रुपैया जमा होगा।

६. हाल की बात यही है कि हम लोगों के पास खास सिकवार में नथनएल खलखो के रहने के लिये घर है तैयार है और घर जगह भी मौजूद है। जिसको खुद नथनएल खलखो वो लोहरदगा इलाका चेयरमेन उम्मीदवार कुजूर अपनी आंखों देख चुके हैं। वे आप ही कह सकते हैं कि वह घर जगह आपकी मे या नथनएल खलखो के रहने लायक है कि सुअर गुहा है। (हमारा मुक्तिदाता प्रभु यीशु खृष्ट जब मनुष्य जन्म लिया तब भी वह बड़ा अंगना में जन्मा है और अपने स्वयं जीवन यात्रा को काम में कहीं उनके लिये घर बंगला रहा है)

७. उसी वक्त हमों ने दोनों बाबुओं को वही घर जगह देखते दिखाते हुए अनेक (बात) विचार की बातें बतलाया मगर वे दोनों बाबू लोगों ने हंसते मुसकुराते हुए भी इसी घर वन्धु की इस्तिहार की बात को बिलकुल गुप्त रखा। इस्तिहार की नथनएल खलखो अभी अरांगी ही से सिकवार पेरिश का काम देख-

आल करें," इस भेदमय बात को जरा भी सुनाया नहीं जिसे अब मालूम कर हम लोग निहायत हैरान बेबस हैं। वही दिन १ ली जून है जिस दिन हम लोग (सिकवार प्रचारक पंच पंचायत मंडली) जान लिये कि नकन एक खतरनाक पादरी हुए हैं और चेयरमेन ने उसको सिकवार मंडली को सिकवार पेरिश का पादरी कह कर इश्तिहार किया, जिसपर मंडली ने अधिसमाज बोल के उसको गहरा किया। उसके पहिले न उसके पीछे हम लोग उक्त बाबू का मुंह और देखने पाते हैं।

८. उक्त बाबू ३० मार्च १९३० को पदाभिषिक्त हुए हैं और - आज ६ जुलाई चार महिना दिन होता है बाबू को हम लोगों ने केवल १ ली जून देखा और नहीं।

९. आगे हमों का एक सवाल यह है कि मरांगी पंच कि इला-का पंच बता देवे कि मरांगी मंडली ने नये पादरी के लिये मरांगी में कौनसा घर इन्तिजाम किया है। हाल में जहाँ वे रहते हैं वह तो पादरी का घर नहीं है परन्तु प्रचारक का घर है। अभी मरांगी पंच वो पेरिश को ईसाई का, मरांगी के वास्ते एक प्रचारक खोज रहे हैं। भला यदि प्रचारक मिल जावे तो वहाँ प्रचारक या पादरी रहेगा?।

१०. सिकवार में पादरी के वास्ते नया घर बनने बनाने का चर्चा-बर्चा का बखेड़ा आज से नहीं पर डेढ़ बर्षों से चलती है जो-पेरिश मिनिट्स से जाहिर है। कभी ऐसा कभी वैसा बखेड़ा चलता ही है। तौभी पिछले तीन मिनिटों को राय आपस-ला लिखा दिखाया जाता है।

(I) सिकवार पेरिस कमेटी सिकवार में ता: २५/३/३० हाजिर, ५६ जन (उविलुस चेयरमेन भी थे)।:———

१ सिकवार पेरिश के पादरी के रहने के घर सम्बन्धी बात दोह-राई गयी इस साल घर जरूर बनाया जायगा जिससे पादरी आके रह सके।

२. सिकन्दार प्रचारकपत्र का कहना है कि हम लोगों के लिये — नया अथवा नया नाम का पादरी रखना चाहिये। इसका पूरा अर्थ का विचार कर दरख्वास्त पेरिश, आनेवाले पंचायत पेरिश सिवसेरेंग में देवे।

(II) सिकन्दार पेरिश मीटिंग सोवसेरेंग में २८ ३/२० ।

हाजिर २० प्राणी -

(२) सिकन्दार में सिकन्दार पेरिश पादरी के रहने के घर बाबत बात चीत हुई पर अभी तक शुरू नहीं हुआ है। यह काम जल्दी करने के लिये सिकन्दार प्रचारकपत्र का भार है।

(३) नये नाम के पादरी सम्बन्धी बातें —

सिकन्दार प्रचारकपत्र से कोई बात वा दरख्वास्त नहीं आई। बात चुप रही।

(III) सिकन्दार पेरिश मीटिंग-सिशंस में २८ ४/२० ।

हाजिर ३० प्राणी।

सिकन्दार में सिकन्दार पेरिश के पादरी के रहने का घर वास्ते घर इस साल नहीं बन सकता है। बनाने के खर्च वास्ते चिट्ठ-रिस्त बनाकर चन्दा उठाने का कोशिश हो रहा है। हाल में रहने वास्ते घर मौजूद है। सभा से ठहराई गयी कि नया पादरी विदाई वास्ते अरांगी में पेरिश १४ ता: मार्च में हो और १५ ता: शुक्र को सिकन्दार स्टेशन में आवे ॥ (परन्तु नथनएल खलखो बिमार के कारण कोटरकगाही में रह गये सो १४ ता: को अरांगी में पेरिश न हो सका और न वे सिकन्दार में आये)॥

११. यही सब बात होवे इसके आखिर नतीजा यह हो गया कि - "नथनएल खलखो अभी अरांगी ही में रहके सिकन्दार पेरिश का काम देख भाल करें" बात बाट बात कैसी थी और क्या हो गया। यदि कौंसिल आपही जानते और चेतावनी देते रहते, मगर तब हमों का प्रचारकपत्र पंच: वा पेरिश पंच बैठकी करने का सरोकार कुछ न रहा।

[illegible]
[illegible] -

[illegible]
[illegible] -

[illegible] -
[illegible] -

[illegible]
[illegible] -

સહી [illegible]
[illegible]

१२. इन सब सब बातों कामों को देखके वा सुनके हमों का मन बहुत चल्ला-यमान होगया है और अनेक उचित व अनुचित सोच विचार का दौड़ हो रहा है।

(१) – आइन्दे हमारे सिकवार पुचारकपत को माहवारी जो आमदनी हो सो आधा पुचारक के माहवारी तलब में जावे बाकी आधा आमदनी पंचों के हाथ जब्त रहे जैसे अरांगो पुचारकपत के पंच ने अपने पुचारक का तलब अपने हाथ जब्त लिया है। इसी जून महीने की आमदनी से हिसाब सुरु होता है।

(२) – नथनएल स्रल खो को हम लोग अपना पादरी नहीं मान सक्ते हैं। अगरचे १ ली जून में हमों ने अपने लिये पादरी अंगीकार किया तो था पर अब आगे यों ही प्रकार के रंग ढंग के सबब दिल में नराजी वा नापसन्द है।

(३) – कौंसिल से सविनय अर्ज है कि हमारे सिकवार में हरेक माल का काम लोहरदगा पादरी से किया जाए।

अन्य बातें — इन सब के उपरान्त अन्य उपरी दो एक छोटी मोटी बातें भी सुन लियें जाय : — हम लोगों के पुराने पादरी मतियस होरो के ऊपर यह शिकायत लिखा को बात अरांगो वालो से सुना गया है कि वह तो रद्दी पादरी हो गया है (२) वह जंगली है। रद्दी और जंगली कैसा सुन्दर बोली है इति॥

ता: ६ जुलाई सन १९३० ई० सिकवार-जलका।

Christo Rai Horo
Jalka

प्रभुसहाय किण्डो जलका
प्रभुदास किण्डो सिकवार
सिद्धेश्वर किण्डो सिकवार
प्रभुदास किण्डो
ज्ञान मसीह किण्डो जलका
सिहा टेटे
जगमोहन एक्का डूबो
आनन्द मसीह कोण्डी सिकवार
X Ahlad Toppo
Makunda
प्रेमसिंह किण्डो-सिकवार
प्रभुसहाय
मिन्ज-सिकवार
किसुन एक्का
डूबो
[illegible]
किण्डो
सिकवार
[illegible]
सिकवार
[illegible]
किण्डो
सिकवार
[illegible]
सुकेल एक्का
सिवारटोली
[illegible] किण्डो
सिकवार

OFFICE OF THE SECRETARY LUTHERAN CHURCH COUNCIL CHOTANAGPUR & ASSAM

CHURCH COUNCIL KE KARJKARAK SABHA KI BAITHKI KA MANTABYA.

Ta: 19 November, 1930.

--------oOo---------

8. LOHARDAGGA BARSATI BAITHKI.

Lohardaga ke Pracharakon ne ek darkhast bheja ki unko jo madad shiksha Class ke liye diya gaya so yathesth na tha so unko pura kharch is samay ka diya jay. Is par bat chit hui aur yah sthir hua -

SANKALP : Ki Council apsos karti hai ki Lohardaga ke pracharakon ko is Shiksha Class ke sambandh men adhik nahin de sakti hai kyonki yah kharch sab Ilake ke pracharakon ko ek hi niyam par diya gaya hai.

Sd. J. Topono President   Sd. P. Hurad Secretar.

Memo No. 591/30.
F.- 2.

Dated Ranchi, the 27th November, 1930.

Extract copy from the minutes of the Church Council Executive's meeting of 19-21 November, 1930 forwarded to the Ilaka Chairman, Lohardaga Ilaka for information.

Secretary,

Lutheran Church, Ranchi.

Memorandum.

From,

The Secretary,
G. E. L. Church,
Chota Nagpur & Assam.
RANCHI.

No. 476/30.
F. - 2.

LUTHERAN COMPOUND,

Ranchi the , 13th October, 1930.

To

The Rev. U. E. Kujur,
G.E.L. Church Compound
Lohardaga.

Manyawar Padri U. E. Kujur,

Ap ko mera Yishusahay !

Main ap ka bheja hua darkhast jo Pracharakon ke shiksha class ke samay ke kharch ke bare men hai mila. Age ap ko malum howe ki Church Council kewal harek Pracharak ko 1 rupaiya dene ka bhar uthaya tha aur baki kharch Ilakon ko uthane ke liye kaha tha is liye pracharak logon ke darkhast ke anusar Council nahin de sakti hai. Asra karte hain ki Ilaka apne liye chinta karegi. Aphsos ki is bishay par Council kisi bhi Ilaka ke liye is, prakar se chinta nahin kar sakti hai.

Secretary,
G.E.L. Church, Ranchi.

Memorandum.

From,

The Secretary,
G. E. L. Church,
Chota Nagpur & Assam.
RANCHI.

No. 265/30.
F.- 2.

LUTHERAN COMPOUND,

Ranchi the 17th July. 1930.

To

The Rev. U.E. Kujur,
G.E.L. Church Compound
Lohardaga.

Manyawar Padri U.E. Kujur,

Ap ko mera Yishusahay !

Ap ki chitthi tarikh 16.7.30 ki mili, jo Pracharakon ke shiksha class, course aur kharcha ke bishay men tha. Ap ki chitthi ko main President ke pas bhejta hun ki iske bishay uchit chinta karke ap ko susamay men jabab denge.

Age shubh,

[signature]

Secretary,

G.E.L. Church, Ranchi.

Church Council
Received... 17.7.30
Register No 202
Date... 16.7.30
File... 2
Reply No..........
Date..............

The Secretary
Lutheran Church Council
Ranchi

महाशय, आप को मेरा बहुत बहुत यीशुसहाय।
१९२८ ई. में लोहरदगा में प्रचारकों की शिक्षा क्लास हो चुकी थी
तब चार्च कौंसिल से कोर्स आदि भेजे गये थे, जिस के उमेद
पर बीते साल १९२९ में शिक्षा क्लास तक भी करने का मौका
ले लिये थे। बीते महा सभा के समय में शिक्षा क्लास
के लिये खर्चा औ कोर्स चार्च कौंसिल से मिलेगी इस
आशा में हम लोग अब तक है पर अब तक कुछ इस विषय
में खबर नहीं है। सो इलाके ने बीते बैठकी में ठहराई है
कि अगर चार्च कौंसिल से कोर्स न भी मिले तौभी आने वाले
महिना अगस्त ११–२६ ता. तक लोहरदगा में शिक्षा क्लास
होना चाहिये, हर एक प्रचारक औ पादरी क्लास में आने की
कृपा करेंगे। पादरी बाबु लोग क्लास शिक्षक होंगे।
पुराने नियम से अमोस्, नये नियम से योहन,
पवित्र वचनों का प्रवेश औ कलीसियेतिहास औ गुरुताना पढ़ने
पढ़ाने को ठाना गया है। इस लिये चार्च कौंसिल से
खर्चा औ कोर्स भी यदि हो सके इसका तुरन्त
आने की अर्जी करती है कि इन्तिजाम भी जल्दी
किया जा सके।।

आप का आज्ञाधीन

Lohardaga
16.7.1930

Rev. H. E. Kujur

Memorandum.

From,

The Secretary,
G. E. L. Church,
Chota Nagpur & Assam.
RANCHI.

No. 188/30.
F.-2.

LUTHERAN COMPOUND,

Ranchi the 21st June, 1930.

To The Rev. U. E. Kujur,
G.E.L. Church Compound
Lohardaga.

Manyawar Padri Urbanus Kujur ko Yishusahay !

President sahab ne ap se kaha tha ki we Atwar ko Kuru Pahunchenge aur anewale haphte men we Lohardaga Ilake men ghumenge. Parantu unka abhi saphar jana nahin ban sakta hai kyonki kitni hi bate hain jinko Council ko phaisla karna hai aur Council Karjkarak Sabha anewale haphte men barabar baithegi so ap ko yah hal dete hain jisten unke asre men ap ke kam men roktok na howe -

Age shubh -

Secretary,
G.E.L. Church, Ranchi.